



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 301]

नई दिल्ली, शुक्रवार, अक्टूबर 5, 2007/आश्विन 13, 1929

No. 301]

NEW DELHI, FRIDAY, OCTOBER 5, 2007/ASVINA 13, 1929

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 3 अक्टूबर, 2007

अंतिम जाँच परिणाम

विषय : गुआंगडॉंग न्यूपर्ल सेरामिक ग्रुप कं. लि. (उत्पादक) तथा फोशान न्यूपर्ल ट्रेड कं. लि. (निर्यातक) द्वारा बिट्रीफाइड/पोर्सलीन टाइलों के निर्यातों से संबंधित पाटनरोधी न्यू शिपर समीक्षा जाँच ।

सं. 15/3/2005-डी जी ए डी.-मै. गुआंगडॉंग न्यूपर्ल सेरामिक ग्रुप कं. लि., फोशान, चीन जन-गण., उत्पादक (जिसे एतद्परचात् ग्रुप कं. कहा गया है) और फोशान न्यूपर्ल ट्रेड कं. लि. (जिसे एतद्परचात् ट्रेड कं. या निर्यातक कहा गया है), ने एक आवेदन प्रस्तुत करके निर्दिष्ट प्राधिकारी से नियमावली के नियम 22 के अंतर्गत व्यक्तिगत पाटन मार्जिन के निर्धारण का अनुरोध किया ।

2. आवेदकों ने दावा किया कि संबंधित उत्पाद के संबंध में लागू पाटनरोधी शुल्क के अधीन चीन जन.गण. के किसी भी निर्यातक/उत्पादक से उनका कोई संबंध नहीं है । इसके अतिरिक्त उन्होंने दावा किया कि उन्होंने मूल जाँच की अवधि के दौरान संबंधित उत्पाद का निर्यात नहीं किया है । प्राधिकारी ने आवेदकों द्वारा प्रस्तुत सूचना की प्रथम दृष्ट्या जाँच की और उसे पाटनरोधी नियमावली के नियम 22 के उपबंधों के अनुसार न्यू शिपर समीक्षा जाँच की शुरुआत को उचित ठहराने के लिए पर्याप्त माना ।

3. निर्दिष्ट प्राधिकारी ने नियम 22 के अंतर्गत फोशान न्यूपर्ल ट्रेड कं० लि० के जरिए गुआंगडॉंग न्यूपर्ल सेरामिक ग्रुप कं० लि०, फोशान, चीन जन गण द्वारा किए गए अनुरोध के आधार पर दिनांक 25 अगस्त, 2005 की अधिसूचना सं० 15/3/2005-डी जी ए डी द्वारा न्यू शिपर समीक्षा की शुरुआत की ।

4. चीन जन गण तथा यू ए ई के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित, सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अध्याय 69 के अंतर्गत आने वाले बिट्रीफाइड/पोर्सलीन टाइलों के आयात से संबंधित मामले में उपर्युक्त न्यू शिपर समीक्षा की शुरुआत की गई थी । निर्दिष्ट प्राधिकारी दिनांक 04.02.2003 के अंतिम जाँच परिणाम सं० 37/1/2001-डी जी ए डी के द्वारा इस निष्कर्ष पर पहुँचे थे कि:-

(i) यू ए ई और चीन से सामान्य मूल्य से बहुत कम कीमत पर विट्रीफाइड/पोर्सलीन टाइलों का निर्यात किया गया है जिसके परिणामस्वरूप पाटन हुआ है;

(ii) भारतीय उद्योग को आर्थिक क्षति हुई है;

(iii) संबद्ध देशों से आयातों से संचयी रूप से क्षति हुई है ।

5. प्राधिकारी ने भारतीय पाटनरोधी नियमों के नियम 22 के अनुसार शुरु की गई समीक्षा के समाप्त होने तक फोशान न्यूपर्ल ट्रेड कं० लि० के जरिए मै० गुआंगडॉंग न्यूपर्ल सेरामिक ग्रुप कं० लि०, फोशान, चीन जन गण. द्वारा विट्रीफाइड/पोर्सलीन टाइलों के सभी निर्यातों के अनंतिम आकलन की सिफारिश की ।

6. वित्त मंत्रालय ने दिनांक 16.11.2005 को सीमाशुल्क अधिसूचना सं० 96/2005 जारी की जिसमें यह प्रावधान किया गया था कि निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा वर्तमान समीक्षा के परिणाम के लंबित रहने तक फोशान न्यूपर्ल ट्रेड कं० लि० के जरिए मै० गुआंगडॉंग न्यूपर्ल सेरामिक ग्रुप कं० लि०, फोशान, चीन जन गण. द्वारा सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 69 के अंतर्गत आने वाले विट्रीफाइड औद्योगिक टाइलों से इतर विट्रीफाइड/पोर्सलीन टाइलों के सभी आयात वर्तमान समीक्षा के पूरे होने तक अनंतिम आकलन के अध्वधीन होंगे ।

7. प्राधिकारी ने संगत सूचना प्राप्त करने के लिए गुआंगडॉंग न्यूपर्ल सेरामिक ग्रुप कं० लि०, फोशान, चीन जन गण और फोशान न्यूपर्ल ट्रेड कं० लि० तथा ब्यूरो ऑफ फेयर ट्रेड, चीन जन.गण. को निर्यातक प्रश्नावली एवं बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी प्रश्नावली की प्रति भेजी थी ।

8. आवेदकों द्वारा प्रश्नावली के साथ बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया गया था जिसकी प्राधिकारी द्वारा जांच की गई थी । यह पाया गया था कि उत्तर में आवेदकों के साथ-साथ दो उत्पादक कंपनियों की सूचना दी गई थी ।

9. प्राधिकारी ने आवेदकों को इस संबंध में पत्र लिखा और उनसे आवेदक कंपनियों के साथ दो उत्पादक कंपनियों की सूचना शामिल किए जाने के संबंध में स्पष्टीकरण मांगा ।

10. आवेदकों ने प्रश्नावली के उत्तर में दो उत्पादक कंपनियों को शामिल करने को तर्कसंगत ठहराते हुए एक विस्तृत अभ्यावेदन प्रस्तुत किया था । प्राधिकारी ने आवेदकों द्वारा किए गए निवेदनों को घरेलू उद्योग सहित अन्य हितबद्ध पक्षकारों की सूचना के लिए सार्वजनिक फाइल में रखा ।

11. प्राधिकारी ने जाँच के प्रयोजनार्थ आवश्यक समझी गई समस्त संगत सूचना की माँग की एवं उसका सत्यापन किया ।

12. इस न्यू शिपर समीक्षा जांच के प्रयोजनार्थ जांच की अवधि 1 सितम्बर, 2005 से 28 फरवरी, 2006 तक - पाटन मार्जिन के निर्धारण के लिए छह महीने है ।

13. इससे पूर्व, प्राधिकारी ने चीन जन गण की सरकार को औपचारिक रूप से न्यू शिपर समीक्षा जांच की शुरुआत की सूचना दी थी और सभी संबंधित हितबद्ध पक्षकारों को जाँच अवधि अर्थात् 1 सितम्बर, 2005 से 28 फरवरी, 2006 की समाप्ति के 40 दिनों के भीतर लिखित में अपने विचारों से अवगत कराने का अवसर दिया था।

14. प्राधिकारी ने 21 फरवरी, 2007 को सार्वजनिक सुनवाई करके समस्त हितबद्ध पक्षकारों को मौखिक रूप से अपने विचार प्रकट करने का अवसर प्रदान किया। सुनवाई में केवल आवेदकों, कजारिया सेरामिक्स लि0, एक आयातक और एच आर जॉनसन, एक घरेलू उद्योग कंपनी ने भाग लिया था। अपने विचार प्रकट करने वाले पक्षकारों से मौखिक रूप से प्रकट किए गए विचारों को लिखित रूप में प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था। पक्षकारों को विरोधी पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत विचारों की प्रतियाँ एकत्र करने एवं उसका उत्तर, यदि कोई हो, पेश करने की सलाह भी दी गई थी।

15. प्राधिकारी ने नियम 6(7) के अनुसार, विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत सूचना के अगोपनीय रूपान्तर वाली सार्वजनिक फाइल उपलब्ध कराई। नियमावली के नियम 16 के अनुसार, इस जाँच के प्रयोजनार्थ अनिवार्य समझे गए तथ्यों/आधारों को दिनांक 30 जुलाई, 2007 को हितबद्ध पक्षकारों पर प्रकट किया गया था और उस पर प्राप्त टिप्पणियों पर अंतिम जाँच परिणामों में विचार किया गया था।

16. **** से हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना अभिप्रेत है और उसे प्राधिकारी द्वारा नियमानुसार गोपनीय ही माना गया है।

ख. विचाराधीन उत्पाद एवं समान वस्तु

17. निर्णायक समीक्षा में विचाराधीन उत्पाद "पोलिशड या अनपॉलिशड फिनिश में अनग्लेज्ड टाइलें तथा 3 प्रतिशत से कम जल विलयन वाली ग्लेज्ड पोर्सिलेन/सेरामिक टाइलें (आम तौर पर विट्रीफाइड टाइलों/पोर्सिलेन टाइलों के रूप में ज्ञात) हैं" (जिन्हें संबद्ध वस्तु भी कहा गया है)। ग्लेज्ड तथा अनग्लेज्ड टाइलों का प्रयोग मुख्य रूप से फर्श तथा दीवारों को ढँकने के लिए किया जाता है। इन टाइलों का उपयोग भवनों, घरों, रेस्तरां, सिनेमा घरों, हवाई अड्डों, स्विमिंग पूलों, रेलवे स्टेशनों आदि में किया जाता है। संबद्ध वस्तु के सभी प्रकारों को अध्याय 69 के तहत वर्गीकृत किया गया है। तथापि, यह वर्गीकरण सांकेतिक मात्र है और किसी भी प्रकार से वर्तमान जाँच के दायरे पर बाध्यकारी नहीं है।

18. वर्तमान जाँच में विचाराधीन उत्पाद वही है जो मूल जाँच में था अर्थात् "विट्रीफाइड/पोर्सिलेन टाइलें"। विचाराधीन उत्पाद एवं समान वस्तु के संबंध में कोई तर्क नहीं दिया गया है। इसके अलावा, चूँकि वर्तमान जाँच नियम 22 के तहत आवेदकों के लिए अलग-अलग पाटन मार्जिन का निर्धारण करने के लिए न्यू शिपर समीक्षा जाँच है, इसलिए विचाराधीन उत्पाद समान है।

ग. अन्य मुद्दे

हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रकट किए गए विचार और निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा जाँच

19. आवेदकों के विचार

(क) न्यू शिपर समीक्षा से संबंधित उपबंधों के अंतर्गत आवेदक अलग-अलग पाटन मार्जिन के निर्धारण के हकदार हैं। जाँच की मूल अवधि के दौरान आवेदकों या उनकी संबंधित कंपनियों ने संबद्ध वस्तु का निर्यात नहीं किया है। आवेदकों द्वारा इस संबंध में स्पष्ट घोषणा की गई है। यह घोषणा आवेदक कंपनियों तक ही सीमित नहीं थी बल्कि इसमें उनकी सभी ग्रुप कंपनियाँ शामिल थीं।

(ख) न्यू शिपर समीक्षा जाँच की शुरुआत के लिए निर्धारित अपेक्षा यह है कि क्या मूल जाँच की अवधि के दौरान आवेदकों ने सीधे या अपनी संबंधित कंपनियों के माध्यम से उत्पाद का निर्यात किया है। ऐसी कंपनियाँ, जिनके आँकड़े ऐसे निर्धारण के लिए उपयोगी रहे हैं या फिर पाटन मार्जिन के निर्धारण के लिए अपनाई गई पद्धति निर्धारित अपेक्षा नहीं है। अधिक से अधिक प्राधिकारी द्वारा ऐसे आवेदक निर्यातक को अभिज्ञात किया जाना अपेक्षित है जिसने संबद्ध वस्तु का निर्यात किया है या निर्यात करने की मंशा रखता है और वह अलग पाटन मार्जिन के निर्धारण की माँग कर रहा है। आवेदकों द्वारा ऐसा किया गया है। ऐसी स्थिति में यद्यपि ऐसे उत्पादकों को आँकड़े उपयोगी हों, परन्तु इस संबंध में किसी विचलन से वर्तमान प्रक्रिया में विकृति नहीं आती है।

(ग) ऐसी स्थिति में भी, जहाँ आवेदक द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार का दावा किया गया हो और जाँच करने के बाद निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा उसे अस्वीकार कर दिया गया हो, आवेदक का अलग पाटन मार्जिन की माँग करने का अधिकार समाप्त नहीं हो जाता है। अधिक से अधिक, आवेदन में अभिज्ञात किए गए आवेदकों के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण नहीं किया जाता है।

(घ) न्यूपर्ल ग्रुप न केवल समूह के विभिन्न संयंत्रों के समग्र क्रियाकलापों का नियंत्रण करता है, बल्कि दिन-प्रतिदिन के प्रचालन भी इस हद तक न्यूपर्ल ग्रुप कं० के नियंत्रण में हैं कि ग्रुप के अंतर्गत विभिन्न कंपनियाँ इस प्रकार प्रचालन कर रही हैं जैसे वे न्यूपर्ल ग्रुप कं० का एक ही संयंत्र/इकाई हों।

(ङ) न्यूपर्ल ग्रुप घरेलू बिक्री करता है। नियमावली के तहत सामान्य मूल्य को व्यापार के सामान्य दौर में घरेलू बाजार में बिक्री कीमत के रूप में परिभाषित किया जाता है। इसे प्रथम सिद्धांत मानकर न्यूपर्ल ग्रुप कंपनी की बिक्री कीमत के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण किया जाना अपेक्षित है। अधिक से अधिक निर्दिष्ट प्राधिकारी को संतुष्ट होना होता है कि इस प्रकार की बिक्री कीमत व्यापार के सामान्य दौर में थी। संभवतः यह केवल इस परीक्षण के प्रयोजनार्थ है कि संबंधित उत्पादक को अभिज्ञात किया जाना अपेक्षित है। तथापि इसे निर्देशित जाँच शुरुआत पूर्व की अपेक्षा नहीं माना जा सकता है। आवेदकों ने ऐसे संयंत्रों को प्रश्नावली के उत्तर दर्ज कराने के चरण में चिन्हित किया है।

(च) आवेदकों ने कोई सूचना नहीं छुपाई है। वस्तुतः आवेदकों ने स्वयं ही प्रश्नावली के उत्तर के चरण में निर्दिष्ट प्राधिकारी को सम्पूर्ण ब्यौरे प्रकट किए थे। इसलिए दुर्भावना संबंधी आरोप निराधार है।

(छ) आवेदक बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी व्यवहार के हकदार हैं। इस संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी को पर्याप्त सकारात्मक साक्ष्य उपलब्ध कराया गया है। फिर भी निर्दिष्ट प्राधिकारी की सभी ग्रुप कंपनियों से सूचना मंगाने की प्रथा नहीं है। आवेदकों ने समूह में प्रत्येक सत्ता के संबंध में पर्याप्त सूचना उपलब्ध कराई है।

(ज) सामान्य मूल्य का निर्धारण, घरेलू बाजार में न्यूपर्ल ग्रुप कंपनी की बिक्री कीमत के आधार पर किया जाना अपेक्षित है। व्यापार के सामान्य दौर संबंधी परीक्षण को लागू करने में प्राधिकारी को समर्थ बनाने के लिए प्रत्येक बिक्री सौदे को संबंधित संयंत्र से जोड़ा गया है।

(झ) आवेदकों ने सभी संयंत्रों के उत्पादन की लागत उपलब्ध कराई है चाहे उनके उत्पादों का अंततोगत्वा भारत को निर्यात हुआ हो, अथवा नहीं।

(ञ) दो संयंत्रों, जिनसे वस्तुओं का निर्यात हुआ है, ने भारत को सम्पूर्ण घरेलू बिक्री संबंधी सूचना उपलब्ध कराई है।

(ट) ग्रुप में केवल न्यूपर्ल ट्रेड सभी निर्यात करता है। कोई और कंपनी निर्यात के लिए अधिकृत नहीं है। निर्यातों के सम्पूर्ण ब्यौरे प्राधिकारी को निर्यात कीमत का निर्धारण करने में समर्थ बनाने के लिए उपलब्ध कराए गए हैं। ग्रुप, चीन में विट्रीफाइड टाइलों का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है। आवेदक के वैयक्तिक संयंत्र की क्षमता भारतीय मांग की तुलना में काफी उच्चतर है। एच आर जानसन के कथित दुराशय अथवा शुल्क का अपवंचन करने के दुराशय अथवा दुर्भावना अथवा शेल कंपनी का सृजन करने के आशय के संबंध में लगाए गए सभी आरोप निराधार और सारहीन हैं। कंपनी विश्व के 65 से अधिक देशों में निर्यात करती है और उसका मजबूत और सुदृढ़ घरेलू बाजार है।

(ठ) एच आर जानसन घरेलू उद्योग नहीं है। वस्तुतः भारतीय उत्पादकों के एक बड़े हिस्से द्वारा वर्तमान जांच का कोई विरोध नहीं किया गया है।

(ड) एच आर जानसन ने भारत में उचित कीमत के आयातों को रोकने की दृष्टि से वर्तमान जांच को पटरी से उतारने के स्पष्ट आशय से निराधार और बिल्कुल सारहीन दलीलें दी हैं।

(ढ) हमारे निर्यातों से संबंधित पाटन मार्जिन नगण्य है, अतः हमें पाटनरोधी शुल्क के बिना निर्यात की अनुमति दी जानी चाहिए ।

(ण) प्रश्नावली के उत्तर के अगोपनीय पाठ में पर्याप्त सूचना प्रकट की गई है, जो गोपनीय सूचना के व्यावसायिक दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील स्वरूप को ध्यान में रखकर आवेदक द्वारा प्रदान की जा सकती थी । एच आर जानसन को व्यावसायिक दृष्टि से संवेदनशील बाजार संबंधी सूचना हासिल करने के लिए इस मंच का उपयोग करने की अनुमति नहीं दी जा सकती ।

20. एच आर जानसन, एक घरेलू उद्योग के विचार

(क) आवेदक द्वारा किए गए विभिन्न निवेदन दिनांकित नहीं है ।

(ख) आवेदक का संबंध कुछेक कम्पनियों से था, जिन पर शुल्क लगाए गए थे, अतः आवेदक नियम 22 की अपेक्षाओं को पूरा नहीं करते थे । आवेदकों ने ऐसी कोई घोषणा नहीं की है कि वे ऐसी किसी कम्पनी से संबंधित नहीं हैं, जिस पर शुल्क लगाए गए हों । चूंकि वर्तमान अधिसूचना के अनुसार चीन की सभी कम्पनियों पर शुल्क लगाया गया है, अतः चीन की किसी भी कम्पनी को न्यू शिपर समीक्षा की पात्रता नहीं है, जब तक वह यह सिद्ध न कर दे कि वह किसी ऐसी कम्पनी से संबंधित नहीं है जिस पर शुल्क लगाया गया है ।

(ग) यह जांच कानून की दृष्टि से सही नहीं है । कानून के अंतर्गत अनिवार्य जरूरतों को पूरा नहीं किया गया है । आवेदकों ने यह नहीं दर्शाया है कि न्यू शिपर समीक्षा की शुरुआत हेतु अपेक्षित शर्तों को पूरा किया गया है । जांच अपूर्ण घोषणाओं और अप्रमाणित दावों के आधार पर शुरू की गई है । याचिका में निम्नलिखित दृष्टि से कमियां हैं :-

- आवेदकों ने अनेक तथ्यों के संबंध में प्राधिकारी को गुमराह किया और गलत विवरण प्रस्तुत किए ।
- दोनों आवेदकों के व्यावसायिक लाइसेंस उपलब्ध नहीं कराए गए थे ।
- निर्यातक कम्पनी तथा उत्पादक कम्पनी द्वारा कोई प्रमाणीकरण नहीं दिया गया है । प्रमाणीकरण के शब्दों को बदल दिया गया है ।
- वास्तविक रूप से उत्पादक कम्पनियों का कोई ब्यौरा उपलब्ध नहीं कराया गया था ।
- कम्पनी द्वारा इस तथ्य के समर्थन में कोई आंकड़े प्रदान नहीं किए गए, कि आवेदक चीन के सबसे बड़े उत्पादक हैं ।
- भारतीय आयातक द्वारा दिए गए आर्डर तथा दोनों पक्षों के बीच औपचारिक अथवा अनौपचारिक सहमति का पर्याप्त ब्यौरा नहीं दिया गया कि वह नया संयंत्र है अथवा पुराना ।
- दोनों कम्पनियों ने दावा किया था कि वे भारत को वस्तुओं का निर्यात करना चाहती हैं, जो सही नहीं हो सकता ।

(घ) प्राधिकारी ने आवेदकों को अपने सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत के निर्धारण का अवसर देते हुए आगे की जांच अवधि निर्धारित की है। नियम 22 की विशेष स्थिति के मद्देनजर, दुरुपयोग को रोकने के लिए विश्व भर में ऐसी समीक्षाएं पर्याप्त जांच के बाद तथा सावधानी बरतते हुए की जाती हैं। ऐसी भावी जांच अवधि कानून के प्राधिकार से रहित है।

(ङ.) जाँच अवधि 12 माह की न्यूनतम निर्धारित अवधि से कम है और इस प्रकार निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा जारी व्यापार सूचना के विरुद्ध है। 12 माह से कम की अवधि निर्धारित करने के लिए कोई कारण नहीं दिए गए हैं।

(च) प्रश्नावली के उत्तरों पर दिनांक का उल्लेख नहीं है और वे प्रमाणित नहीं हैं।

(छ) एच आर जॉनसन से अपनी टिप्पणियां प्रस्तुत करने का अनुरोध पहली बार दिसम्बर, 2006 में किया गया था। इस तारीख से पूर्व उन्हें अपनी टिप्पणियां देने और जाँच में भाग लेने का कोई अवसर प्रदान नहीं किया गया।

(ज) हर बार आवेदन प्रस्तुत करने पर न्यू शिपर समीक्षाएं शुरू नहीं की जा सकतीं। समीक्षाएं "आवधिक रूप से" की जानी अपेक्षित हैं और इस संबंध में भारतीय नियमों ने डब्ल्यू टी ओ करार का गम्भीर उल्लंघन किया है। "आवधिक" शब्द का अर्थ है समय-समय पर। प्राधिकारी द्वारा ऐसे आवेदनों को इकट्ठा करना और फिर जांच शुरू करना अपेक्षित है। प्राधिकारी द्वारा प्रत्येक बार आवेदन प्राप्त होने पर जांच शुरू करने में संसाधनों का अपव्यय किया जा रहा है। त्रुटिहीन व्याख्या के नियमों में यह अपेक्षा की जाती है कि कानून में प्रयुक्त शब्दों का सरल अर्थ ग्रहण किया जाना चाहिए, जब उन्हें जिस संदर्भ में प्रयुक्त किया गया है, उसका एक ही अर्थ होता हो, चाहे इसके परिणाम कुछ भी क्यों न हों।

(झ) चीन एक गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है। माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्णय के अनुसार चीन में सामान्य मूल्य एक होना चाहिए और इसका निर्धारण पूरे देश के लिए किया जाना चाहिए। निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा उच्चतम न्यायालय के उपर्युक्त निर्णय के निर्वचन के मद्देनजर माननीय प्राधिकारी को किसी निर्यातक चाहे नया हो या पुराना, हेतु अलग से सामान्य मूल्य का निर्धारण करने का अब अधिकार नहीं है। तदनुसार न्यू शिपर हेतु अलग से पाटन मार्जिन का निर्धारण पूरे देश के लिए निर्धारित सामान्य मूल्य की तुलना के जरिए इसकी निर्यात कीमत के आधार पर भी किया जा सकता है। चूंकि सामान्य मूल्य का निर्धारण मूल अंतिम जांच परिणाम, जिन्हें न्यायाधिकरण द्वारा भी बरकरार रखा गया है, में पहले ही कर दिया गया है, अतः प्राधिकारी वर्तमान जांच में नियम 22 के अंतर्गत न्यू शिपर के लिए केवल निर्यात कीमत का निर्धारण कर सकते हैं। दोनों के बीच के अंतर को न्यू शिपर के लिए अलग पाटन मार्जिन माना जा सकता है, बशर्ते वे वर्तमान जांच को कायम रखने की पूर्वशर्त को पूरा करते हों।

(ज) आवेदक बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी अपेक्षाओं को संतुष्ट नहीं करते ।

(ट) उनके द्वारा दावा की गई गोपनीयता सेसटेट और सुप्रीम कोर्ट के निर्णयों के विरुद्ध है । इसके अतिरिक्त, वे दस्तावेज भी जिनके लिए गोपनीयता का दावा नहीं किया गया है, अन्य पक्षकारों को प्रकट नहीं किए गए हैं । सार्वजनिक फाइल में प्राधिकारी का विभिन्न दस्तावेजों की गोपनीयता मानने संबंधी निर्णय समाहित नहीं है । गोपनीयता संबंधी कतिपय दावे चीन के कानूनी उपबंधों के विरुद्ध हैं । विभिन्न प्रकार की सूचनाओं को गोपनीय मानने के लिए कोई कारण नहीं दिए गए हैं । गोपनीय आधार पर दर्ज की गई अनेक सूचनाएं गोपनीय सारांश के बिना दी गई हैं ।

(ठ) प्रश्नावली का उत्तर अपर्याप्त है और आवेदकों ने अत्यधिक गोपनीयता बरती है । कतिपय प्रश्नों के उत्तर अस्पष्ट हैं । दर्ज कराए गए उत्तर तय तिथि के बाद भेजे गए हैं और बिना प्रमाणन के हैं । प्रश्नावली के विभिन्न भाग या तो अपर्याप्त रूप से उत्तरित हैं अथवा उत्तर टालमटोल करके या अपूर्ण रूप से दिए गए हैं । प्राधिकारी ऐसे अपूर्ण उत्तरों पर कार्यवाही नहीं कर सकते हैं । इन्हीं प्रश्नावलियों को उत्पादक और व्यापारी कंपनियों द्वारा प्रयुक्त किया गया है जबकि ऐसी प्रश्नावलियां अलग-अलग होनी चाहिए । प्राधिकारी ने पर्याप्त अपेक्षाओं का उल्लेख नहीं किया है ।

21. प्राधिकारी द्वारा जांच

(क) प्राधिकारी मानते हैं कि वर्तमान जांचों का शुरू किया जाना सही है । न्यू शिपर समीक्षा से संबंधित नियम 22 के अनुसार :

22. उन निर्यातकों जिनकी मौलिक रूप से जांच नहीं की गई है के लिए पाटन का मार्जिन-

(1) यदि कोई उत्पाद पाटनरोधी शुल्क के अध्यक्षीन है तो निर्दिष्ट प्राधिकारी प्रश्नगत निर्यातक देश के किसी निर्यातक अथवा उत्पादक जिसने जांच अवधि के दौरान भारत को उत्पाद का निर्यात नहीं किया है, के लिए अलग-अलग पाटन के मार्जिन का निर्धारण करने के प्रयोजनार्थ समय-समय पर समीक्षा करेंगे, बशर्ते ये निर्यातक अथवा उत्पादक यह प्रदर्शित करें कि वे निर्यातक देश के किसी निर्यातक अथवा उत्पादक जो उत्पाद पर पाटनरोधी शुल्क के अध्यक्षीन हैं, से संबंधित नहीं हैं ।

(2) केन्द्र सरकार समीक्षा की अवधि के दौरान ऐसे निर्यातक अथवा उत्पादक से आयातों पर अधिनियम की धारा 9क की उप-धारा (1) के तहत पाटनरोधी शुल्क नहीं लगाएंगे जैसा कि इस नियम के उप नियम (1) में उल्लिखित है :

किन्तु केन्द्र सरकार अनंतिम आकलन का अवलम्बन ले सकती है और यदि निर्दिष्ट प्राधिकारी ऐसी सिफारिश करें तो आयातक से गारण्टी की मांग कर सकती है और यदि ऐसी समीक्षा के परिणामस्वरूप ऐसे उत्पादक अथवा निर्यातक के संबंध में पाटन का निर्धारण किया जाता है तो वह समीक्षा की शुरुआत की तारीख से भूतलक्षी रूप से ऐसे मामलों में शुल्क लगा सकती है ।

(ख) पूर्वोक्त से यह स्पष्ट है कि नियम 22 का आशय किसी निर्यातक अथवा उत्पादक जिसने मूल जांच अवधि में संबद्ध वस्तुओं का निर्यात नहीं किया है, के संबंध में अलग-अलग पाटन मार्जिन का निर्धारण करना है । चूंकि ऐसी कंपनियों ने इस अवधि में संबद्ध वस्तुओं का निर्यात नहीं किया है इसलिए, निर्दिष्ट प्राधिकारी मूल जांच के समय उनके निर्यातों के संबंध में पाटन मार्जिन का निर्धारण नहीं कर सके । ये निर्यातक मूल जांच के समय पाटन करते नहीं पाए गए थे । इसलिए न्यू

शिपर समीक्षा संबंधी उपबन्ध का प्रयोजन ऐसे किसी निर्यातक को यह मानकर कि मूल जांच के दौरान इन निर्यातकों को अवशिष्ट पाटन मार्जिन प्रदान किया गया है, उनके निजी पाटन मार्जिन का दावा करने का अवसर उपलब्ध कराना है।

(ग) नियम 22 के तहत पाटन मार्जिन का निर्धारण करने के लिए पूर्व शर्तें निम्नानुसार हैं :-

- (i) ऐसे निर्यातक द्वारा मूल जांच की अवधि में निर्यात नहीं किया गया होना चाहिए;
- (ii) ऐसे निर्यातक को किसी निर्यातक या उत्पादक जिसने मूल जांच की अवधि में निर्यात किया हो, से संबद्ध नहीं होना चाहिए।

(घ) प्राधिकारी नोट करते हैं कि नियमों के तहत जांच शुरुआत की स्थिति में कोई और न्यूनतम अपेक्षाएं नहीं हैं। नियमों में आवेदकों से यह पहले से निर्णीत करने की अपेक्षा नहीं की गई है कि वे अपना सामान्य मूल्य कैसे निर्धारित करते हैं न ही नियमों में यह निर्धारित किया गया है कि प्राधिकारी से यह निर्धारण करना अपेक्षित है कि क्या निर्यातक बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी व्यवहार का हकदार है। वस्तुतः अनुबंध 1 के पैरा 7 और 8 में यह स्पष्ट प्रावधान है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी यह निर्णय करेंगे कि क्या चीन में अवस्थित कंपनी बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी व्यवहार का दावा करने की हकदार है। केवल उन स्थितियों में जहाँ निर्दिष्ट प्राधिकारी पाते हैं कि संबंधित चीनी कंपनियां बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी परीक्षणों को संतुष्ट करती हैं, निर्दिष्ट प्राधिकारी सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए अपने निजी आंकड़े/सूचना का उपयोग कर सकते हैं। ऐसा निर्धारण स्पष्टतः केवल जांच की शुरुआत करने के पश्चात ही किया जा सकता है।

i. वर्तमान मामले में निम्नलिखित आवेदकों ने न्यू शिपर समीक्षा के लिए आवेदन किया है :

- (i) गुआंगडॉंग न्यूपर्ल सेरामिक्स ग्रुप कं. लि. (न्यूपर्ल ग्रुप)
- (ii) फोशन न्यूपर्ल ट्रेड कं. लि. (न्यूपर्ल ट्रेड)

(ङ) अपने आवेदन में आवेदकों ने अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित दावे किए हैं :-

- (क) कि आवेदकों ने मूल जांच की अवधि के दौरान सामग्री का निर्यात नहीं किया है।
- (ख) कि आवेदक किसी ऐसे निर्यातक या उत्पादक से संबंधित नहीं हैं जिन्होंने मूल जांच की अवधि के दौरान उत्पाद का निर्यात किया था।

आवेदन की जांच के बाद प्राधिकारी मानते हैं कि उपर्युक्त घोषणा से स्पष्ट रूप से स्थापित होता है कि न तो आवेदक और न ही उनकी संबंधित कंपनियों ने मूल जांच की अवधि के दौरान निर्यात किया था।

(च) आवेदकों द्वारा की गई सकारात्मक घोषणा के आधार पर प्रथम दृष्ट्या संतुष्ट होने पर प्राधिकारी ने यह जांच करने के लिए कि क्या आवेदक न्यू शिपर समीक्षा से संबंधित नियमों की अपेक्षा को पूरा करते हैं और यदि हाँ तो उनके निर्यातकों के संबंध में पाटन मार्जिन का निर्धारण करने के लिए दिनांक 25 अगस्त, 2005 की अधिसूचना सं. 15/3/2005-डीजीएडी के माध्यम से न्यू शिपर समीक्षा जांच की शुरुआत की। आवेदकों को एक अवधि प्रदान की गई जिसके दौरान वे

भारत को सामग्री का निर्यात कर सकते थे और उसके बाद इस अवधि के दौरान किए गए ऐसे निर्यातों के आधार पर व्यक्तिगत पाटन मार्जिन का दावा कर सकते थे। आवेदकों द्वारा जाँच अवधि के समाप्त होने के 40 दिनों के भीतर प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया जाना अपेक्षित था।

(ए) आवेदकों ने बढ़ाई गई समय सीमा के भीतर प्रश्नावली पर अपना उत्तर प्रस्तुत किया था। निवेदन द्वारा प्रस्तुत उत्तर से यह प्रदर्शित हुआ कि निम्नलिखित दो कंपनियों के संबंध में अलग से विस्तृत सूचना प्रस्तुत की गई थी :-

- (i) फोशन सैन्थुई हुवान्जिया सेरामिक्स कं. लि. (हुवान्जिया)
- (ii) फोशन सम्मिट सेरामिक्स कं. लि. (सम्मिट)

(ज) इस बात पर विचार करते हुए कि न्यू पर्ल ग्रुप तथा न्यूपर्ल ट्रेड ने प्राधिकारी के समक्ष आवेदन किया था, आवेदकों से यह स्थापित करने को कहा गया था कि प्राधिकारी किस प्रकार दो और कंपनियों के संबंध में प्रस्तुत सूचना पर विचार कर सकते थे। आवेदकों ने पाटन मार्जिन के निर्धारण के लिए जांच में दो कंपनियों को शामिल करने का औचित्य सिद्ध करते हुए विस्तृत अभ्यावेदन किए और यह तर्क दिया कि :

- (i) भारत को बेची गई वस्तु का उत्पादन उन दो इकाइयों द्वारा किया गया था जिनके आंकड़े अब प्रस्तुत किए गए थे;
- (ii) न्यू पर्ल ग्रुप द्वारा की गई घरेलू बिक्री के संबंध में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया की जांच का प्रयोग करने में प्राधिकारी को समर्थ बनाने के लिए ही आंकड़े उपलब्ध कराए जा रहे थे;
- (iii) आंकड़े स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं कि न्यूपर्ल द्वारा घरेलू बिक्री की जाती है और इसलिए न्यूपर्ल ग्रुप की घरेलू बिक्री के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण किया जाएगा;
- (iv) शुरुआत की एकमात्र प्रारंभिक अपेक्षा यह थी कि आवेदकों द्वारा न्यू शिपर समीक्षा के उपबंधों की अपेक्षा को पूरा किया जाना चाहिए। अब प्रस्तुत किए जा रहे उत्तर पाटन मार्जिन के निर्धारण से संबंधित थे;
- (v) सामान्य मूल्य एवं पाटन मार्जिन के लिए प्रयोग की जाने वाली पद्धति को शुरुआत के चरण में पूर्व निर्धारित होना अपेक्षित नहीं है।
- (झ) एच. आर. जानसन को छोड़कर किसी भी भारतीय उत्पादक ने वर्तमान जांच में भाग नहीं लिया है। अतः एच. आर. जानसन को आवेदकों द्वारा किए गए निवेदनों पर टिप्पणी करने का अवसर दिया गया था। तथापि, मौखिक सुनवाई के चरण तक एच. आर. जानसन द्वारा कोई टिप्पणी नहीं की गई थी।

सुनवाई पश्चात के अपने लिखित अभ्यावेदनों में एच. आर. जानसन ने तर्क दिया कि जांच त्रुटिपूर्ण है और उसे समाप्त कर दिया जाना अपेक्षित था। कंपनी ने दावा किया कि उत्पादक कंपनियाँ, जिनकी वस्तुओं का भारत को निर्यात किया गया है, आवेदन के चरण में सामने नहीं आई

थीं। तथापि, एच. आर. जानसन द्वारा यह स्थापित नहीं किया गया था कि याचिका के चरण में सूचना प्रकट न करने और शुरुआत के चरण में उत्पादक कंपनियों को आवेदक कंपनियों के रूप में शामिल न करने से शुरुआत तथा अनुवर्ती जांच त्रुटिपूर्ण हो जाती हैं। एच. आर. जानसन द्वारा यह स्थापित नहीं किया गया है कि आवेदक के संबंधित पक्षकारों (उत्पादकों), जिनकी वस्तु का संगत अवधि में भारत को निर्यात किया गया था, की पहचान प्रकट न करने से जांच करने और आवेदकों के संबंध में पाटन मार्जिन का निर्धारण करने के लिए आगे बढ़ने में प्राधिकारी के संमक्ष बाधा आई है।

(क) प्राधिकारी मानते हैं कि नियम के तहत सामान्य मूल्य को निम्नानुसार परिभाषित किया गया है :-

धारा 9क(1)(ग) के अंतर्गत किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का अर्थ है :

(i) समान वस्तु के लिए व्यापार की साधारण प्रक्रिया में तुलनीय कीमत जब वस्तु निर्यातक देश या सीमा क्षेत्र में उपभोग के लिए हो जैसा कि उप- धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्धारण किया गया है; या

(ii) जब निर्यातक देश या सीमा क्षेत्र के घरेलू बाजार में व्यापार की साधारण प्रक्रिया में समान वस्तु की कोई बिक्रियां न हों अथवा जब निर्यातक देश या सीमा क्षेत्र के घरेलू बाजार में बाजार की विशेष स्थिति या बिक्रियों की कम मात्रा के कारण ऐसी बिक्रियों से उचित तुलना की अनुमति न मिले, सामान्य मूल्य या तो

(क) समान वस्तु की तुलनीय प्रतिनिधि कीमत जब वस्तु निर्यातक देश या सीमा क्षेत्र या किसी उपयुक्त तीसरे देश से निर्यात की गई हों जैसा कि उप- धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्धारण किया गया है; या

(ख) प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागतों के लिए यथोचित वृद्धि के साथ- साथ उद्गम के देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत और लाभों के लिए जैसा कि उप- धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्धारण किया गया है;

बशर्ते उद्गम के देश से इतर किसी देश से वस्तु के आयात और केवल निर्यात के देश के जरिए वस्तु का परेषण या निर्यात के देश में वस्तु का उत्पादन न होने या निर्यात के देश में कोई तुलनीय कीमत नहीं होने के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण उद्गम के देश में उसकी कीमत के संदर्भ में किया जाएगा।

यद्यपि यह स्पष्ट है कि प्राधिकारी को व्यापार की सामान्य प्रक्रिया संबंधी परीक्षण लागू करना होता है जिसके लिए उत्पादन लागत संबंधी जानकारी अत्यंत महत्वपूर्ण होती है, तथापि यह नोट किया जाता है कि आवेदकों ने जांच की प्रक्रिया के दौरान संबंधित पार्टियों का ब्यौरा प्रस्तुत किया था जिनमें से दो सम्बद्ध वस्तुओं की उत्पादक हैं, जिनकी वस्तुओं का निर्यात एक अन्य सम्बद्ध कम्पनी मेसर्स न्यूपर्ल ट्रेड कम्पनी लि., जो एक निर्यातक है, द्वारा भारत को किया गया है। जांच की प्रक्रिया के दौरान यह नोट किया गया कि मेसर्स न्यूपर्ल ग्रुप की घरेलू बिक्री उल्लेखनीय है, जो दो उत्पादक कम्पनियों की अलग-अलग बिक्री से काफी अधिक है। इसके अलावा जांच से यह ज्ञात

हुआ है कि न्यूपर्ल ग्रुप न केवल एक ग्रुप कम्पनी के तौर पर कार्य कर रहा है, बल्कि अपने ग्रुप के अंतर्गत सभी कम्पनियों के समस्त व्यावसायिक कार्यकलापों एवं प्रचालनों को भी नियंत्रित कर रहा है। आवेदकों तथा ग्रुप कम्पनियों के परिसरों के मौके पर सत्यापन के दौरान यह ज्ञात हुआ कि विभिन्न कंपनियां न्यूपर्ल ग्रुप कम्पनी की एक यूनिट के रूप में कार्यरत हैं।

(ट) कानूनी प्रावधानों, प्राधिकारी के सम्मुख प्रस्तुत साक्ष्य, एच. आर. जानसन जो एक घरेलू उत्पादक हैं, द्वारा जांच प्रक्रिया के दौरान प्रस्तुत सूचना, प्राधिकारी द्वारा न केवल आवेदक कम्पनियों बल्कि दो उत्पादक कम्पनियों और एक अन्य सम्बद्ध कम्पनी, जो वर्तमान याचिका में शामिल नहीं है, परन्तु सम्बद्ध वस्तुओं का उत्पादन कर रही है, के मौके पर किए गए सत्यापन को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी का अभिमत है कि वर्तमान जांच की शुरुआत तथा उसे जारी रखा जाना न्यायोचित है, और आवेदकों को अलग-अलग पाटन मार्जिन की मांग करने की पात्रता है।

(ठ) मूल जांच की जांच अवधि में निर्यात

प्राधिकारी द्वारा जांच की गई कि क्या मूल जांच की जांच अवधि में कम्पनी अथवा इसकी किसी सम्बद्ध कम्पनी द्वारा संबंधित उत्पाद का भारत को निर्यात किया गया था। आवेदकों का दावा था कि चीन से किसी भी उत्पाद के निर्यात के लिए सीमाशुल्क पंजीकरण अपेक्षित होता है और मूल जांच की अवधि के दौरान आवेदकों अथवा समस्त ग्रुप में किसी भी सम्बद्ध सत्ता के पास सीमाशुल्क पंजीकरण उपलब्ध नहीं था। इसके अलावा, जांच से यह ज्ञात होता है कि मूल जांच की अवधि के दौरान केवल निम्नलिखित कम्पनियां ही अस्तित्व में थीं :-

- गुआंगडांग न्यूपर्ल सिरेमिक्स ग्रुप कम्पनी लिमिटेड
- फोशान न्यूपर्ल डेकोरेटिव सिरेमिक्स कम्पनी लिमिटेड

रिकार्ड से यह पुष्टि हुई कि इन सत्ताओं को छोड़कर कोई अन्य कम्पनी जांच की अवधि के दौरान भारत को संबंधित उत्पाद का निर्यात नहीं कर सकती थी। अतः आवेदकों को यह सिद्ध करने का निर्देश दिया गया कि इन सत्ताओं द्वारा संबंधित उत्पाद का निर्यात भारत को नहीं किया गया। आवेदकों द्वारा इन सत्ताओं के संबंध में मूल जांच की जांच अवधि के दौरान प्रस्तुत वेट विवरणी की प्रति उपलब्ध कराई गई। दो कम्पनियों, जो मूल जांच की जांच अवधि के दौरान अस्तित्व में थीं, द्वारा प्रस्तुत वेट विवरणी की जांच की गई। यह पाया गया कि मूल जांच की जांच अवधि के दौरान दोनों कम्पनियों की 12 रिपोर्टों में वेट वापसी से संबंधित कॉलम रिक्त था। इस प्रकार इस रिकार्ड से ज्ञात हुआ कि जांच अवधि के दौरान इन सत्ताओं ने किसी वेट वापसी का दावा नहीं किया था। अन्य शब्दों में, ऐसा प्रतीत नहीं हुआ कि इन कम्पनियों ने भारत अथवा अन्य किसी देश को संबंधित उत्पाद अथवा किसी अन्य उत्पाद का निर्यात नहीं किया होगा।

प्रक्रियात्मक मुद्दों की जांच

22. एच. आर. जानसन द्वारा उठाए गए विभिन्न प्रक्रियात्मक मुद्दों के बारे में प्राधिकारी का अभिमत निम्नलिखित है :-

(i). आवेदकों ने स्वयं को अपने अधिकृत प्रतिनिधि के माध्यम से प्रस्तुत किया है। प्राधिकारी के सम्मुख प्रस्तुत विभिन्न प्रकार की सूचना एक आवरण पत्र के माध्यम से उनके अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा प्रस्तुत की गई। अतः दिनांक रहित आवेदनों अथवा मूल याचिका पर आधारित जांच शुरुआत से संबंधित आरोप आधारहीन हैं। जांच शुरुआत से पूर्व आवेदकों ने एक अद्यतन आवेदन प्रस्तुत किया था और इसी अद्यतन आवेदन को जांच शुरुआत का आधार बनाया गया है।

(ii) इस आरोप का कोई आधार नहीं है कि जांच हेतु भावी अवधि के निर्धारण से किसी निर्यातक को उसके सामान्य मूल्य अथवा निर्यात कीमत की योजना बनाने का अवसर प्राप्त हो गया। इस बात को सिद्ध करने के लिए कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया कि सामान्य मूल्य अथवा निर्यात कीमत किसी भी प्रकार से बनावटी थी।

(iii) प्राधिकारी द्वारा जांच शुरुआत से संबंधित सार्वजनिक सूचना जारी की गई थी और सभी पक्षों को अपनी टिप्पणियां प्रस्तुत करने और वर्तमान जांच में भाग लेने की पात्रता थी। तथापि, भारतीय उत्पादकों में से अधिकांश ने वर्तमान जांच में भाग न लेने का विकल्प चुना। एच. आर. जानसन ने भी जांच शुरुआत के चरण में कोई टिप्पणी प्रस्तुत करने का प्रयास नहीं किया। यद्यपि इस कम्पनी को अपनी टिप्पणियां प्रस्तुत करने के लिए दिनांक 18 दिसम्बर, 2006 के पत्र के माध्यम से विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था, तथापि कंपनी ने सुनवाई के पश्चात लिखित निवेदन के चरण तक भी कोई टिप्पणियां प्रस्तुत नहीं कीं।

(iv) प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्राधिकारी ने इस तथ्य से स्वयं को प्रथम दृष्ट्या संतुष्ट कर लिया है कि न्यू शिपर समीक्षा जांच शुरु करने से पूर्व आवेदकों ने नियम 22 के अंतर्गत निर्धारित शर्तों को पूरा कर लिया था। यह सिद्ध करने के लिए कि क्या आवेदकों ने नियम 22 के अंतर्गत निर्धारित अपेक्षाओं को पूर्णतः संतुष्ट किया था, जांच शुरुआत के बाद विस्तृत जांच की गई और अलग से पाटन मार्जिन का निर्धारण किया गया।

(v) जांच की शुरुआत से पूर्व आवेदकों द्वारा दोनों आवेदक कम्पनियों के व्यावसायिक लाइसेंस उपलब्ध कराए गए थे। जांच की प्रक्रिया के दौरान दोनों उत्पादक यूनिटों तथा ग्रुप की अन्य कम्पनियों के व्यावसायिक लाइसेंस भी उपलब्ध कराए गए और प्रदत्त सूचना किसी भी प्रकार से यह सिद्ध नहीं करती कि जांच शुरुआत अथवा जांच दुर्भावनापूर्ण है।

(vi) जहाँ तक आयातक द्वारा आवेदक को दिए गए निर्यात आर्डर का प्रश्न है, यह नोट किया गया कि भारत में क्रेता द्वारा दिए गए निर्यात आर्डर का ब्यौरा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत किया गया था। यह मानते हुए कि यह व्यावसायिक दृष्टि से संवेदनशील सूचना है, प्राधिकारी द्वारा इसे गोपनीय रखने की अनुमति प्रदान की गई थी।

(vii) जहाँ तक इस तथ्य का प्रश्न है कि क्या यह नया संयंत्र है अथवा आवेदक ने पुराना संयंत्र अधिग्रहित किया है, नोट किया जाता है कि यद्यपि जांच से ज्ञात होता है कि पुराने संयंत्रों का अधिग्रहण किया गया है, तथापि, प्राधिकारी ने ऐसा कोई साक्ष्य नहीं पाया कि मूल जांच की अवधि के दौरान पुरानी सत्ताओं द्वारा कोई निर्यात किया गया है।

(viii) निर्यातक और आयातक के बीच औपचारिक अथवा अनौपचारिक समझ के अभाव के मुद्दे के संबंध में प्राधिकारी यह नहीं मानते कि निर्यातक और आयातक के बीच कोई औपचारिक अथवा अनौपचारिक समझ नियमों के तहत आवश्यक है।

(ix) इस मुद्दे के संबंध में कि निर्यात की जाने वाली प्रस्तावित मात्रा के बारे में कोई संकेत प्राधिकारी को मुहैया नहीं कराया गया था, यह नोट किया जाता है कि आवेदक द्वारा निर्यात किए जाने के लिए प्रस्तावित मात्रा को पहले निर्धारित करने की कोई अपेक्षा नहीं की गई है।

(x) तंत्र के संभावित दुरुपयोग के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि “न्यू शिपर्स” की मौलिकता के संबंध में एक सारवान जांच करके प्रावधानों का दुरुपयोग नहीं किया जा रहा है। प्राधिकारी द्वारा यह जांच किया जाना आवश्यक है कि ऐसे आयातक-निर्यातक देश जो पाटनरोधी शुल्क के अध्यक्ष हैं, निर्यातकों अथवा उत्पादकों से संबंधित नहीं हैं। ऐसे आवेदकों के लिए पृथक्-पृथक् पाटन मार्जिन का निर्धारण ऐसे आवेदकों पर निर्भर है जो यह स्थापित कर रहे हैं कि वे किसी निर्यातक जिस पर पाटनरोधी शुल्क लग रहा है, से संबंधित नहीं हैं। न्यू शिपर्स द्वारा किए गए संभावित असत्य प्रकटनों के संबंध में यह नोट किया जाता है कि मामले के तथ्यों की जांच करने के पश्चात प्राधिकारी के संज्ञान में अब तक इस मामले में की गई जांच में नियम 22 का कोई दुरुपयोग या कुप्रयोग सामने नहीं आया है। इसके अलावा, प्राधिकारी को जांच की प्रक्रिया के दौरान न्यूशिपर द्वारा किसी दुरुपयोग की जानकारी नहीं मिली। यह भी नोट किया जाता है कि इस संबंध में नियम स्वतः ही पर्याप्त रक्षोपाय भी मुहैया कराते हैं जिनमें यह प्रावधान है कि ऐसे आयातकों से बंधपत्र अथवा प्रत्याभूति प्रस्तुत करने के लिए कहा जा सकता है, जैसा कि केंद्र सरकार प्रत्येक मामले के तथ्यों एवं परिस्थितियों को देखते हुए उपयुक्त समझे।

(xi) इस तर्क कि प्राधिकारी द्वारा समय-समय पर समीक्षा किया जाना अपेक्षित है, के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि नियमों के तहत किसी समय-अन्तराल का निर्देश नहीं है। इसके विपरीत, विभिन्न प्रावधानों की समवेत संरचना यह इंगित करती है कि जब कभी पृथक्-पृथक् मार्जिन के निर्धारण का अवसर उत्पन्न होता है तो प्राधिकारी को समय-समय पर समीक्षा करनी चाहिए। नियम 22 संबंधी जांच, नियम 5 अथवा नियम 23 द्वारा कवर की गई परिपूर्ण जांच की प्रकृति की मांग नहीं करती। नियम 22 का दायरा अत्यंत सीमित है। नियमावली में किसी अंतराल को विहित किए बिना प्राधिकारी को यह निर्णय करने की पर्याप्त लोचशीलता प्रदान की गई है कि कब समीक्षा करना है।

(xii) नियम 22 के तहत न्यू शिपर्स समीक्षा के किसी संभावित विचलन के संबंध में प्राधिकारी यह नहीं मानते कि भारतीय कानून में न्यू शिपर समीक्षा जांच के संबंध में डब्ल्यूटीओ करार से कोई सचेतन और गंभीर विचलन हुआ है।

घ. गोपनीयता के मुद्दे की जांच

23. निर्दिष्ट प्राधिकारी नोट करते हैं कि मै. एच. आर. जॉनसन ने आवेदनकर्ता द्वारा सूचना की गोपनीयता के मुद्दे को उठाया है। एच एंड आर जॉनसन ने मौखिक सुनवाई के पश्चात दायर अपने लिखित अभ्यावेदन में और साथ ही अपने पुनरुत्तर अभ्यावेदन में मुद्दे को उठाया है। निर्दिष्ट

प्राधिकारी नोट करते हैं कि माननीय सेसटेट ने एच एंड आर जॉनसन विरुद्ध निर्दिष्ट प्राधिकारी, दिनांक 19.5.2005 से संबंधित मामले में दिनांक 19.5.2005 के अपने आदेश में यह अवलोकन किया है कि :

- (i) नियम 7(1) के अनुसार गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना केवल तब गोपनीय मानी जाएगी जब निर्दिष्ट प्राधिकारी इसकी गोपनीयता के बारे में संतुष्ट हों ।
- (ii) निर्दिष्ट प्राधिकारी से किसी पक्षकार द्वारा प्रस्तुत सूचना को मशीनी रूप से गोपनीय मानना सिर्फ इसलिए अपेक्षित नहीं है कि पक्षकार ने इसे गोपनीय रखने की इच्छा व्यक्त की है ।
- (iii) निर्दिष्ट प्राधिकारी को विभिन्न कारकों यथा सूचना की प्रकृति और क्या ऐसी सूचना कानून, परंपरा, प्रथा अथवा व्यवहार द्वारा गोपनीय मानी जाती है, के आधार पर सूचना की गोपनीयता के बारे में संतुष्ट होना होता है ।
- (iv) निर्दिष्ट प्राधिकारी ने इस विशिष्ट मामले में गोपनीयता के संबंध में कोई औपचारिक आदेश पारित नहीं किया है ।

24. प्राधिकारी नोट करते हैं कि नियम 7(1) में यह प्रावधान है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना को तब गोपनीय मानेगा जब वह इसकी गोपनीयता के बारे में संतुष्ट हो । नियम 7(1) में निर्दिष्ट प्राधिकारी का यह कर्तव्य भी जोड़ा गया है कि यदि प्राधिकारी इसकी गोपनीयता के बारे में संतुष्ट है तब ऐसी सूचना, सूचना प्रदाता पक्षकार के विशिष्ट प्राधिकरण के बिना किसी अन्य पक्षकार को प्रकट नहीं की जाएगी ।

25. इसके अतिरिक्त, नियम 7(2) के अनुसार प्राधिकारी गोपनीय सूचना देने वाले पक्षकारों से इसका अगोपनीय सारांश उपलब्ध कराने को “ कह सकता है ” । इसमें यह प्रावधान भी है कि यदि ऐसी सूचना सारांश देने की दृष्टि से अतिसंवेदनशील नहीं है तब हितबद्ध पक्षकार कारणों सम्बन्धी एक विवरण प्रस्तुत कर सकता है कि क्यों सारांश देना संभव नहीं है ।

26. इसके अतिरिक्त नियम 7(3) में यह प्रावधान है कि यदि प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट हैं कि गोपनीयता के लिए अनुरोध न्यायोचित नहीं है अथवा जहाँ सूचनाप्रदाता सूचना को सार्वजनिक करने में अनिच्छुक है अथवा सामान्यीकृत या सारांश रूप में इसके प्रकटन का अनुमोदन नहीं करता, तो प्राधिकारी सूचना को अमान्य कर सकता है ।

27. पूर्वोक्त के आलोक में प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों के गोपनीयता से संबंधित दावे की जांच की और डब्ल्यूटीओ- पाटनरोधी करार (एडीए) के संगत प्रावधानों से दिशानिर्देश ग्रहण किया । एडीए के अनुच्छेद 6.5 में सूचना की दो पृथक् श्रेणियों का विवरण है, अर्थात् :

- (क) सूचना जो प्रकृति से गोपनीय है; और
- (ख) सूचना जो गोपनीय आधार पर मुहैया कराई गई है ।

28. सूचना जो प्रकृति से गोपनीय है, को एडीए में इस तरह से वर्णित किया गया है :
 (क) सूचना, जिसका प्रकटन प्रतिस्पर्धी के लिए महत्वपूर्ण प्रतिस्पर्धी लाभ के रूप में होगा; अथवा
 (ख) सूचना, जिसका प्रकटन सूचनाप्रदाता व्यक्ति पर अथवा उस व्यक्ति पर जिससे उस व्यक्ति ने सूचना प्राप्त की है, पर उल्लेखनीय प्रतिकूल प्रभाव डालेगा। प्राधिकारी नोट करते हैं कि नियम 7(1) के अनुसार सूचना को “निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा इसकी गोपनीयता के बारे में संतुष्ट होने पर” गोपनीय माना जाएगा। प्राधिकारी ने इस मामले में गोपनीयता के दावों की जांच की है।
29. न्यू शिपर ने अपने न्यू शिपर समीक्षा संबंधी आवेदन में कीमत और वर्ग मीटर में आर्डर की गई मात्रा को गोपनीय सूचना माना था। सूचना निर्यात बिक्री के लिए आशयित मात्रा और इसकी कीमत से संबद्ध थी और प्राधिकारी ने इस सूचना को गोपनीय माना है।
30. न्यू शिपर ने अंशधारकों के नाम, राशि और विभिन्न समूह कंपनियों में उनके द्वारा धारित अंशों के प्रतिशत को गोपनीय मानने का दावा किया था। न्यू शिपर के अनुसार यह सूचना सार्वजनिक नहीं थी और विशेषकर चीन में लाभदायक टाइल्स बाजार में प्रवेश करने के लिए नए उद्यमियों के बीच गहन प्रतिस्पर्धा को देखते हुए अत्यधिक व्यापार संवेदनशील थी; जहाँ यहाँ तक कि उद्योग के स्थापित खिलाड़ी विस्तार हेतु अवसरों की खोज कर रहे थे और अंशधारकों के नाम, राशि और उनके द्वारा धारित अंशों के प्रतिशत का प्रकटन, उनके व्यावसायिक प्रतिस्पर्धियों को पर्याप्त सूचना प्रदान करता जो नवीनतर निवेश अवसरों की खोज कर रहे थे। आवेदकों द्वारा यह दावा किया गया है कि चीनी कानून किसी चीनी सीमित उत्तरदायी कम्पनी पर अंशधारकों के नाम, राशि और उनके द्वारा धारित अंशों के प्रतिशत को सार्वजनिक रूप से प्रकट करने के लिए कोई बाध्यता प्रस्तुत नहीं करते। दूसरी ओर, मै. एच एंड आर जानसन ने यह दलील दी है कि अंशधारकों के नामों को गोपनीय नहीं माना जा सकता। प्राधिकारी नोट करते हैं कि एच एंड आर जानसन ने यह प्रदर्शित करने के लिए कोई साक्ष्य प्रकाशित नहीं किया है कि अंशधारकों के नामों को गोपनीय नहीं माना जा सकता। दूसरी ओर, यूरोपीय आयोग द्वारा जारी की गई निर्यातकों की प्रश्नावली के उत्तरों के सार्वजनिक रूपांतरों को तैयार करने के लिए दिशानिर्देश के अनुसार पक्षकारों के नामों को गोपनीय माना जा सकता है।
31. विधिवत् जांच के पश्चात्, प्राधिकारी नोट करते हैं कि वैश्विक अधिग्रहण, विलय और हस्तांतरण के युग में यह मौलिक आशंका व्यक्त की जा सकती है कि अन्य लोग ऐसी सूचना को प्रतिकूल हस्तांतरणों या अन्य ऐसे उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं और इस तरह ऐसी सूचना प्रदान करने वाले व्यक्तियों/कंपनियों पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकते हैं। इसके मद्देनजर प्राधिकारी अंशधारकों के नाम और राशि और उनके द्वारा धारित अंशों के प्रतिशत से जुड़ी सूचना की गोपनीयता के दावे के बारे में संतुष्ट हैं।
32. न्यू शिपर ने दावा किया था कि कच्ची सामग्री, प्रयुक्तियों आदि की खरीद से संबंधित विभिन्न साक्ष्यों और दस्तावेजों सहित इनके आपूर्तिकर्ताओं के नाम को गोपनीय माना जाना चाहिए क्योंकि ऐसी सूचना उनकी निविष्टियों के स्रोतों को उनके प्रतिस्पर्धियों को उजागर कर देगी जो बदले में चीन के भीतर उनके व्यावसायिक प्रतिस्पर्धियों को अनुचित उल्लेखनीय लाभ प्रदान कर सकती है। दावे की जांच करने पर प्राधिकारी ने उनकी दलील को सारपूर्ण पाया और तदनुसार ऐसी सूचना को गोपनीय माना।

33. वार्षिक रिपोर्ट के प्रकटन के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी नोट करते हैं कि आवेदक और संबंधित कंपनियां चीनी कंपनी कानून के तहत निगमित सीमित उत्तरदायी कंपनियाँ हैं। आवेदकों द्वारा यह दावा किया गया है कि चीनी कंपनी कानून के तहत वार्षिक लेखों, लेखा परीक्षक की रिपोर्ट आदि को सार्वजनिक करना अनिवार्य नहीं है। चीनी कंपनी कानून के तहत वार्षिक लेखों, लेखा परीक्षक की रिपोर्ट आदि को केवल कंपनी के अंशधारकों को दिया जाना अपेक्षित है। प्राधिकारी के लिए न्यू शिपर के दावे से असहमत होने की कोई वजह नहीं है।

34. आवेदक ने निगम संरचना, विपणन और बिक्री व्यवस्थाएं, लेखा और वित्तीय व्यवहार तथा लागत एवं कीमत से संबंधित अन्य संवेदनशील सूचना जिनका प्रकटन प्रतिस्पर्धी के लिए उल्लेखनीय प्रतिस्पर्धी लाभ का हो सकता है और कंपनी के व्यवसाय को प्रतिकूल रूप से प्रभावित कर सकता है, के संबंध में कतिपय सूचना से जुड़ी गोपनीयता का दावा किया था। प्राधिकारी लागत और कीमत से संबंधित सूचना को “प्रकृति से गोपनीय सूचना” मानते हैं। तदनुसार, प्राधिकारी परिशिष्ट 1 और 2 के संबंध में गोपनीयता के दावों को स्वीकार करते हैं क्योंकि उनमें घरेलू बाजार और भारत को निर्यात में बिक्री और कीमत से संबंधित सौदे-वार ब्यौरे निहित हैं। परिशिष्ट 2क, 3, 3क, 3ख, 3ग, 4, 5, 6, 7, 8, 8क, 8ख, 8ग और 9 में बिक्री की मात्रा और मूल्य, उत्पादन की मात्रा और लागत आदि से संबंधित सार सूचना निहित है जिनके संबंध में आवेदक ने अगोपनीय रूपांतर में सूचीबद्ध सूचना उपलब्ध कराई थी और इस प्रकार गोपनीय रूप में प्रस्तुत सूचना का सार्थक सारांश दिया था। तदनुसार गोपनीय से जुड़े ऐसे दावों को प्राधिकारी द्वारा स्वीकार किया गया था।

35. न्यू शिपर ने कर्मचारियों और प्रदत्त औसत मजदूरी, निवेश, उनकी कंपनी में बिक्री के दौरान उद्भूत दस्तावेजों जैसी विभिन्न अन्य सूचना के संबंध में गोपनीयता का दावा किया था। प्राधिकारी नोट करते हैं कि ऐसी सूचना संबंधित उत्पाद की बिक्री कीमत और उत्पादन की लागत से नजदीकी रूप से जुड़ी हुई है, अतः प्रकृति से गोपनीय है। तदनुसार, गोपनीयता के दावे को स्वीकार किया जाता है।

36. प्रकटन विवरण के बाद मै. एच. आर. जे. ने जांच की समय सीमा अर्थात् वे तारीखें जिनको विभिन्न दस्तावेजों और पत्रों का प्राधिकारी एवं आवेदकों के बीच आदान-प्रदान हुआ था, के बारे में अनेक तर्क दिए हैं। इस सम्बन्ध में उन्होंने प्राधिकारी से कहा है कि वह प्राधिकारी एवं आवेदकों के बीच हुए समस्त पत्र व्यवहार की प्रतियाँ उन्हें दें। विशेष रूप से उन्होंने प्राधिकारी से इस बात को स्पष्ट करने का अनुरोध किया है कि क्या उक्त कम्पनी समूह की संबंधित कम्पनियों को कोई विशिष्ट प्रश्नावली जारी की गई थी और क्या उस कम्पनी के लिए व्यापार के सामान्य स्वरूप सम्बन्धी जांच की गई थी जिसका जांच अवधि के दौरान भारत को किए गए निर्यातों से कोई लेना-देना नहीं था। उन्होंने प्राधिकारी से उस आधार को भी स्पष्ट करने का अनुरोध किया है जिस पर प्राधिकारी के विभिन्न निर्णय विशेष रूप से संबंध, आवेदन दायर करते समय उत्पादकों के नामों का खुलासा न किए जाने, उनके अगोपनीय उत्तर में सभी संबंधित कम्पनियों के नामों, अगोपनीय रूपांतरण में सत्यापन रिपोर्ट के साथ कारणों, सत्यापन के बाद और सत्यापन के दौरान प्राधिकारी द्वारा की गई विभिन्न जांचों और आवेदकों द्वारा प्रस्तुत सूचना, अन्य संबंधित कंपनियों से संबंधित सूचना को प्रकट न किए जाने और जब आवेदक ने भारत को संबद्ध वस्तु का निर्यात नहीं किया है तो पाटन मार्जिन के निर्धारण को आधारित किया गया है। इसके अलावा, जहाँ तक आवेदक द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार प्रदान किए जाने के बारे में दायर उत्तरों का सम्बन्ध है, घरेलू उद्योग ने प्राधिकारी से पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 में उल्लिखित विभिन्न मानदण्डों के बारे में

प्राधिकारी द्वारा किए गए निर्धारण के आधार को विस्तृत रूप से स्पष्ट करने का अनुरोध किया है। उन्होंने प्राधिकारी से विशेष रूप से यह अनुरोध किया है कि वह यह स्पष्ट करें कि प्रकटन विवरण में किसका पाटन मार्जिन निर्धारित किया गया है। घरेलू उद्योग ने यह भी अनुरोध किया है कि प्राधिकारी को यह स्पष्ट करना चाहिए कि क्या प्रत्येक संयंत्र के लिए उत्पादन लागत निर्धारित की गई थी और क्या प्राधिकारी ने उत्पादन लागत के संबंध में कोई निष्कर्ष निकालने के लिए ऐसे सभी संयंत्रों का दौरा किया था।

37. प्रकटन विवरण के उत्तर में मै. एच. आर. जे. ने यह अनुरोध किया है कि आवेदकों ने ऐसे गम्भीर गलत अभ्यावेदन और गलत घोषणाएँ की हैं जिन्हें भी उनके प्रकटन विवरण में प्राधिकारी द्वारा स्वीकार किया गया है। उन्होंने खास तौर पर यह उल्लेख किया है कि आवेदकों ने 13 कम्पनियों के मुकाबले केवल 7 संबंधित कम्पनियों का ही उल्लेख किया है जिनका प्राधिकारी द्वारा सत्यापन किया गया है। यह भी अनुरोध किया गया है कि कंपनी समूह द्वारा अपने आवेदन में किया गया पाटन मार्जिन संबंधी दावा प्राधिकारी द्वारा दो उत्पादक कंपनियों के संबंध में निर्धारित पाटन मार्जिन से भिन्न है। प्रकटन विवरण के अपने उत्तर में घरेलू उद्योग ने ऐसी अन्य कंपनियों के नाम बताए हैं जो कंपनी समूह से संबंधित हैं और उसने प्राधिकारी से उसके प्रभावों की जांच करने का अनुरोध किया है। उन्होंने गोपनीयता एवं नियम 22 के क्षेत्र विस्तार तथा अर्थनिरूपण के बारे में भी प्रकटन विवरण जारी किए जाने से पूर्व किए गए अपने अनुरोधों को भी दोहराया है। उन्होंने विशेष रूप से सेस्टैट के पूर्ववर्ती निर्णयों का उल्लेख किया है। घरेलू उद्योग द्वारा यह भी उल्लेख किया गया है कि समूची जांच अवधि के दौरान आवेदकों द्वारा प्रमुख तथ्यों का खुलासा न करना एक गम्भीर गलत घोषणा है जिस पर प्राधिकारी द्वारा आवेदकों को पृथक् पाटन मार्जिन प्रदान करने के लिए विचार नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने प्राधिकारी का ध्यान मै. रिलायंस के मामले में माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्णय की ओर भी आकर्षित किया है और यह कहा है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी रिलायंस इंडस्ट्रीज लि. के मामले के बाद निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा किए गए अर्थनिरूपण के मद्देनजर अलग-अलग सामान्य मूल्य प्रदान नहीं कर सकते हैं। उन्होंने अधूरी सार्वजनिक फाइल पर भी टिप्पणी की है जिसमें प्राधिकारी द्वारा किया गया पत्र व्यवहार और सत्यापन रिपोर्टें शामिल हैं। उन्होंने खास तौर पर यह उल्लेख किया है कि जांच की प्रक्रिया के दौरान आवेदकों द्वारा की गई गलत घोषणाओं और गलत आवेदन को गम्भीर माना जाना चाहिए और जांच को अन्य देशों में प्राधिकारियों द्वारा की गई इसी प्रकार की कार्यवाही के अनुरूप समाप्त कर दिया जाना चाहिए। उन्होंने प्राधिकारी से पत्रों, जांच के सभी चरणों में प्राधिकारी को प्राप्त सूचना, वार्षिक लेखों की प्रतियाँ, बैट को दायर करने के बारे में ब्यौरे, गोपनीयता के दावे के कारण तथा सत्यापन रिपोर्टें और आवेदकों द्वारा दायर टिप्पणियों को रखने का भी अनुरोध किया है।

38. प्रकटन विवरण के उत्तर में आवेदकों ने यह बताया है कि घरेलू उत्पादक मै. एच. आर. जानसन को प्राधिकारी द्वारा घरेलू उद्योग नहीं माना जाना चाहिए। आगे यह भी कहा गया है कि मै. एच. आर. जे. को प्रकटन विवरण पर अपनी टिप्पणियों में नया मुद्दा उठाने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

39. प्राधिकारी ने एच. आर. जानसन द्वारा किए गए अनुरोधों की जांच की है और इन जांच परिणामों को दर्ज करते समय उन पर विचार किया गया है। यह नोट किया जाता है कि भारतीय उत्पादकों में से केवल एच. आर. जानसन ने वर्तमान जांच में भाग लिया है। किसी अन्य भारतीय उत्पादक ने कोई अनुरोध नहीं किया है।

40. यह नोट किया जाता है कि प्राधिकारी ने प्रकटन विवरण में विभिन्न हितबद्ध पार्टियों के विभिन्न तथ्यों और चिंताओं को उस सीमा तक स्वीकार किया है जिस सीमा तक प्राधिकारी ने उन्हें प्रासंगिक माना है। यह भी नोट किया जाता है कि विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत उत्तर/सूचना/अनुरोधों के अगोपनीय रूपांतरण की प्रति सामान्यतः सार्वजनिक फाइल में रखी गई थी। निर्दिष्ट प्राधिकारी ने आवेदक को गोपनीयता के दावे की अनुमति दी है जिसने शैरधारिता की पद्धति, वार्षिक लेखों, लागत एवं कीमतों (और उससे प्रासंगिक सूचना), ग्राहक पहचान, व्यापार प्रचालन आदि के बारे में (दावे के सम्बन्ध में इस बात से संतुष्ट होने के बाद कि ये व्यापारिक सम्पत्ति से संबंधित सूचना है जिसका खुलासा होने पर आवेदक के हितों को नुकसान होगा) गोपनीयता के दावे की अनुमति प्रदान की है। जहाँ तक सार्वजनिक फाइल में सत्यापन रिपोर्ट एवं पत्रों को रखे जाने का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा सत्यापन रिपोर्ट तथा सतत प्रक्रिया के रूप में अन्य हितबद्ध पार्टियों के साथ किए गए पत्र व्यवहार की प्रतियाँ उपलब्ध नहीं कराई जाती हैं। किसी भी मामले में उठाए गए विभिन्न मुद्दों, विचारित एवं प्रकटित तथ्यों पर प्रकटन विवरण में विस्तार से विचार विमर्श किया जाता है। यह भी नोट किया जाता है कि प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्रकटन विवरण का उद्देश्य किसी जांच की प्रक्रिया के दौरान विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत विभिन्न तथ्यों पर टिप्पणियाँ देने के लिए सभी हितबद्ध पार्टियों को अवसर प्रदान करना है। चूंकि एच. आर. जे. को पूर्ववर्ती पत्रों, सार्वजनिक सुनवाई, लिखित अनुरोधों तथा प्रत्युत्तरों के जरिए और प्रकटन विवरण के जरिए भी टिप्पणियाँ करने का पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया है। अतः प्राधिकारी का यह मानना है कि जांच में भाग लेने वाली हितबद्ध पार्टियों को पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया है। जहाँ तक नियम 22 के कथित उल्लंघन का संबंध है, यह उल्लेख किया जाता है कि नियम 22 में दो शर्तें अपेक्षित होती हैं और आवेदक ने जांच शुरूआत से पूर्व दोनों शर्तें पूरी कर दी थी और ये शर्तें जांच अवधि के दौरान प्राधिकारी द्वारा बाद में सही पाई गई हैं। आगे यह भी नोट किया जाता है कि जांच शुरूआत का मूलभूत उद्देश्य जांच करना है और कोई जांच शुरू करने से पूर्व प्राधिकारी को उसके समक्ष प्रस्तुत साक्ष्य और उसे प्रस्तुत सूचना तथा प्राप्त सूचना के विश्लेषण के आधार पर आगे और माँगी गई सूचना के आधार पर स्वयं को प्रथम दृष्टया संतुष्ट करना होता है। जहाँ तक इस तथ्य का संबंध है कि सार्वजनिक फाइल में संबंधित पार्टी की समस्त सूचना उपलब्ध नहीं थी, यह नोट किया जाता है कि आवेदक ने सभी 13 कम्पनियों की सूची और उनकी शैरधारिता की पद्धतियों तथा अन्य ब्यौरे निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर देते समय प्रस्तुत की थी। यद्यपि, उसे अगोपनीय अनुरोधों में उनके द्वारा उपलब्ध नहीं कराया गया था। प्राधिकारी इस बात से सहमत हैं कि उसे आवेदकों द्वारा अगोपनीय अनुरोधों में भी उपलब्ध कराया जाना चाहिए था। तथापि, यह भी नोट किया जाता है कि इन ब्यौरों को प्रस्तुत न किए जाने को समूची प्रक्रिया के लिए घातक नहीं माना जा सकता। तथापि, यह नोट किया जाता है कि कम्पनी समूह ने नियम 22 में उल्लिखित दो शर्तों के संबंध में न्यू शिपर समीक्षा हेतु अनुरोध दायर करते समय घोषणा की थी। तत्पश्चात् उत्पादक के रूप में उक्त कम्पनी समूह के नाम से और संबद्ध वस्तु के निर्यातक के रूप में उसकी सम्बद्ध व्यापार कम्पनी के नाम से न्यू शिपर समीक्षा शुरू की गई थी। तथापि, निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर में कम्पनी समूह ने ऐसी दो अन्य कम्पनियों (उनके संयंत्रों के रूप में) के नामों का उल्लेख किया जिनकी वस्तुओं का निर्यात उनकी सम्बद्ध कम्पनी मै. फोसान न्यू पर्ल ट्रेड कम्पनी लि. के जरिए भारत को किया गया है। प्राधिकारी ने आगे जांच की कार्यवाही बढ़ाने से पूर्व उक्त कम्पनी समूह से उसकी दोनों सम्बद्ध कम्पनियों के बारे में और सूचना माँगी जिनका उल्लेख उन्होंने अपने उत्तर में सम्बद्ध वस्तु के निर्यातक के रूप में किया था। तत्पश्चात् कम्पनी समूह और उनकी निर्यातक सम्बद्ध कम्पनी के साथ-साथ इन दोनों कंपनियों से संबंधित सूचना प्राधिकारी को उपलब्ध कराई गई थी। सत्यापन से पूर्व प्राधिकारी ने कम्पनी समूह से यह

कहा कि वह उत्पादन लागत, शेयरधारिता की पद्धति, बिक्री तथा उत्पादन और ऐसे अन्य ब्यौरों के संबंध में अपने सभी संबद्ध कम्पनियों से जुड़े अपने सभी दस्तावेज तैयार रखें जिन्हें प्राधिकारी बाजार अर्थव्यवस्था, न्यू शिपर के रूप में आवेदकों की हकदारी तथा पाटन मार्जिन के निर्धारण से संबंधित विभिन्न संगत सूचना के बारे में स्वयं को संतुष्ट करने के लिए सत्यापित करना चाहें।

41. जहाँ तक निर्यातकों के उत्तर में उल्लेख न किए गए आयातक के नाम का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि एच. आर. जानसन का विवरण तथ्यतः गलत है क्योंकि उत्तर के अगोपनीय रूपांतर में भी आयातक के नाम का उल्लेख किया गया है। जहाँ तक अन्य अनुरोधों का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि आवेदक ने 21 सितम्बर, 2006 के अपने पत्र (जिसकी एक प्रति मै. एच. आर. जे. को उनकी टिप्पणियों के लिए उपलब्ध कराई गई थी) द्वारा यह स्पष्ट कर दिया है कि उनकी कम्पनी एक कम्पनी समूह है। कम्पनी समूह के दावे का निर्दिष्ट प्राधिकारी ने सत्यापन दौर के दौरान जांच कर उसका सत्यापन किया है। जहाँ तक आयातकों के आंकड़ों के सत्यापन का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि प्राधिकारी ने जांच अवधि में भारत को किए गए निर्यात हेतु सभी सौदों की जांच और सत्यापन किया और इसलिए उन्होंने सीमाशुल्क के साथ आगे और कोई जांच करना उचित नहीं पाया। जहाँ तक कम्पनी समूह के निर्यात व्यापार लाइसेंस का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी ने प्रत्येक संबंधित कम्पनी के ब्यौरों की जांच और उनका सत्यापन उनके व्यापार कार्यकलापों, स्थापना की तारीखों, प्रचालन, संरचना आदि सहित किया है। प्राधिकारी ने यह पाया है कि ट्रेड कंपनी से भिन्न समूह की किसी अन्य कंपनी के पास कोई निर्यात लाइसेंस नहीं है।

42. कंपनी समूह की अलग-अलग संबंधित कंपनियों और उनके संबंध के मुद्दे के बारे में यह नोट किया जाता है कि इस तथ्य से कि अलग-अलग विधिक सत्ताएं संयुक्त रूप में प्रचालन कर रही थीं और इस तथ्य से कि कंपनी समूह द्वारा उक्त ग्रुप की विभिन्न कंपनियों को पर्याप्त प्रचालनात्मक सहायता प्रदान की जा रही है, ये सत्ताएँ गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले वातावरण में प्रचालनरत नहीं बन जाती हैं। तथापि, इस बात पर सहमति व्यक्त की जाती है कि पाटन मार्जिन के निर्धारण के प्रयोजनार्थ कंपनी समूह द्वारा किए गए व्यय को ऐसी विभिन्न कंपनियों पर आनुपातिक रूप से प्रभाषित करना अपेक्षित होता है जिनकी सेवाएँ प्रदान की गई हैं। अतः प्राधिकारी ने कंपनी समूह द्वारा किए गए बिक्री, सामान्य एवं प्रशासनिक ऊपरी खर्च को उत्पादक एवं व्यापारकर्ता कंपनियों में आनुपातिक रूप से बाँटा है और पाटन मार्जिन का निर्धारण किया है। जहाँ तक विचाराधीन उत्पाद के विभिन्न प्रकारों से संबंधित सूचना का प्रश्न है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि निर्यातक ने शामिल उत्पादों के विभिन्न प्रकारों को अभिज्ञात करते हुए प्रश्नावली के अपने उत्तर में सूचना दायर की है।

43. जहाँ तक नियम 22 के क्षेत्र विस्तार तथा न्यू शिपर समीक्षा हेतु आवेदक की पात्रता का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि कानून के अंतर्गत अपेक्षा यह है कि आवेदक द्वारा मूल जांच अवधि में सामग्री का निर्यात किया गया नहीं होना चाहिए और यह कि आवेदक को ऐसे किसी कम्पनी से संबंधित नहीं होना चाहिए जिसने मूल जांच अवधि के दौरान निर्यात किया था। जांच से यह पता नहीं चला है कि मूल जांच अवधि में आवेदकों द्वारा या उनकी संबंधित कम्पनियों द्वारा कोई निर्यात किया गया था। प्राधिकारी यह मानते हैं कि कानून के अंतर्गत अपेक्षा यह है कि आवेदकों को निर्यातक देश में ऐसे किसी निर्यातक या उत्पादक से संबंधित नहीं होना चाहिए जिस पर पाटनरोधी शुल्क लगाया जा रहा है और इस संबंध में प्राधिकारी के लिए इस बात की जांच करनी अपेक्षित होती है कि क्या आवेदक निर्यातक देश में ऐसे किसी निर्यातक या उत्पादक से संबंधित हैं जिन्होंने मूल जांच अवधि के दौरान उत्पाद का निर्यात किया था और जिन पर अभी पाटनरोधी शुल्क लागू

है। इस वाक्यांश में वे कंपनियाँ शामिल नहीं हैं जिन्होंने मूल जांच अवधि के दौरान निर्यात नहीं किया था।

44. यह तर्क दिया गया है कि निर्धारित किया गया सामान्य मूल्य रिलायंस इंडस्ट्रीज बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी के मामले में माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्णय के असंगत है। एच. आर. जानसन के अनुसार निर्णय में यह उल्लेख है कि सामान्य मूल्य देश विशिष्ट होता है और इसलिए आवेदकों के लिए अलग से किसी सामान्य मूल्य का निर्धारण नहीं किया जा सकता है। तथापि, प्राधिकारी यह मानते हैं कि वर्तमान निर्धारण माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्णय के असंगत नहीं है। वर्तमान मामले में संगत अवधि के लिए सूचना केवल आवेदक कंपनियों के संबंध में ही उपलब्ध है और इसलिए इस प्रकार से निर्धारित सामान्य मूल्य निर्यातक के लिए सामान्य मूल्य है और चीन में विचाराधीन उत्पाद का सामान्य मूल्य भी है। प्राधिकारी यह मानते हैं कि ऐसी स्थिति में जहाँ केवल एक प्रतिवादी निर्यातक है और जांच अवधि के लिए चीन में अन्य उत्पादकों/निर्यातकों की कीमत के बारे में रिकॉर्ड में कोई अन्य सूचना नहीं है वहाँ आवेदकों द्वारा उपलब्ध कराई सूचना के आधार पर इस प्रकार से निर्धारित सामान्य मूल्य को चीन में विचाराधीन उत्पाद का सामान्य मूल्य मानना होगा। मूल जांच में निर्धारित सामान्य मूल्य वर्तमान मामले में इस कारण से लागू नहीं किया जा सकता कि मूल जांच में निर्धारित सामान्य मूल्य जांच अवधि से संबंधित था। नियमों के अंतर्गत निर्धारित विभिन्न अपेक्षाओं से यह स्पष्ट हो जाता है कि इस प्रकार से निर्धारित सामान्य मूल्य को जांच अवधि संबंधित सूचना पर ही आधारित होना चाहिए। प्राधिकारी यह मानते हैं कि सामान्य मूल्य समय-समय पर अलग होता है और सामान्य मूल्य में वास्तविक परिवर्तन नियम 23 का सहारा लेने और पाटन मार्जिन का पुनः निर्धारण करने के लिए पर्याप्त आधार होता है। उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए यह नहीं कहा जा सकता कि समयावधि पर ध्यान दिए बिना सामान्य मूल्य एक समान बना रहेगा। जहाँ तक दायर की गई विभिन्न सूचनाओं और उसकी तारीखों पर एच. एण्ड आर. जानसन की टिप्पणियों का संबंध है, यह अनुरोध किया जाता है कि आवेदकों ने 2 मई, 2005 को अपना आवेदन दायर किया था। तत्पश्चात् प्राधिकारी द्वारा वांछित विभिन्न अतिरिक्त सूचना/स्पष्टीकरण 7 जून, 2005 तथा 14 जुलाई, 2005 के पत्र के तहत आवेदक ने उपलब्ध कराए थे। याचिकाकर्ता ने 12 अगस्त, 2005 को अद्यतन आवेदन दायर किया था जिसमें दायर की गई अतिरिक्त/पूरक सूचना शामिल की गई थी। आवेदन का अंगोपनीय रूपांतर 16 अगस्त, 2005 के पत्र द्वारा दायर किया गया था। प्राधिकारी ने जांच अवधि 1 सितम्बर, 2005 से 28 फरवरी, 2006 मानते हुए 25 अगस्त, 2005 को जांच शुरू की थी। आवेदकों ने 3 मई, 2006 को प्रश्नावली का गोपनीय उत्तर दायर किया था जिसमें न केवल आवेदक कंपनियों अपितु उन दो संबंधित कंपनियों जिनकी वस्तु का निर्यात संगत अवधि के दौरान भारत को किया गया था, से संबंधित सूचना भी शामिल की गई थी। तदनुसार, डीजीएडी के 19 मई, 2006 के पत्र द्वारा आवेदकों से वास्तविक स्थिति स्पष्ट करने और उत्पादक कंपनियों के बारे में सूचना उपलब्ध कराने के कारण बताने के लिए कहा गया था। आवेदकों ने 7 जून, 2006 और 21 सितम्बर, 2006 के पत्र द्वारा उत्तर दायर किया। 20 दिसम्बर, 2006 को एच. आर. जानसन को एक पत्र भेजा गया था जिसके साथ आवेदकों द्वारा दायर 21 सितम्बर, 2006 का पत्र भेजा गया था। एच. आर. जानसन से टिप्पणियाँ देने के लिए कहा गया था। तथापि, मौखिक सुनवाई के चरण तक एच. आर. जानसन से कोई टिप्पणी प्राप्त नहीं हुई थी। प्राधिकारी ने 21 फरवरी, 2007 को मौखिक सुनवाई की थी जिसमें केवल आवेदकों और एच. आर. जानसन ने भाग लिया था। पार्टियों को 2 मार्च, 2007 तक लिखित अनुरोध दायर करने और 9 मार्च, 2007 तक प्रत्युत्तर दायर करने का निर्देश दिया गया था। एच. आर. जानसन और आवेदकों द्वारा लिखित अनुरोध दायर किए गए हैं और प्रत्युत्तर संबंधी अनुरोध एच. आर. जानसन

द्वारा दायर किए गए हैं। 17 अप्रैल, 2007 के पत्र द्वारा आवेदकों ने यह बताया कि कम्पनी समूह द्वारा सामान्य मूल्य के निर्धारण की अनुमति हेतु पर्याप्त घरेलू बिक्री की गई थी। बाद में अलग से लिखे गए एक पत्र द्वारा आवेदकों ने अद्यतन परिशिष्ट दायर की। 27 अप्रैल, 2007 के पत्र द्वारा आवेदकों ने दायर की गई विभिन्न सूचना की गोपनीयता का दावा करने के कारण बताते हुए एक पत्र दायर किया। सत्यापन दौरा 10-18 मई, 2007 के बीच किया गया था जिसमें कम्पनी समूह मै. ग्वांगडोंग न्यू पर्ल सिरैमिक्स ग्रुप कम्पनी लि. तथा दो उत्पादनकर्ता कम्पनियों अर्थात् मै. फोसान सांसुई, हुइवांजिया सिरैमिक्स कम्पनी लि. तथा मै. फोसान समिट सिरैमिक्स कम्पनी लि. तथा निर्यातक मै. फोसान न्यू पर्ल ट्रेड कम्पनी लि. का मौके पर निरीक्षण शामिल था। 25 मई, 2007 के पत्रों द्वारा आवेदक ने एक अगोपनीय पत्र दायर किया जिसमें सत्यापन के समय उपलब्ध कराई गई विभिन्न सूचना को सूचीबद्ध किया गया था। प्राधिकारी ने आवेदकों को 4 जुलाई, 2007 को सत्यापन रिपोर्ट जारी की जिस पर टिप्पणियाँ 8 जुलाई, 2007 को दायर की गई थीं। उसी दिन मै. कजारिया सिरैमिक्स ने भी अलग से आयातक प्रश्नावली का उत्तर (गोपनीय) दायर किया। प्राधिकारी ने 30 जुलाई, 2007 को प्रकटन विवरण जारी किया जिस पर आवेदकों ने 2 अगस्त को और एच. आर. जानसन ने 10 अगस्त, 2007 को टिप्पणियाँ दायर कीं।

ड. सामान्य मूल्य का निर्धारण, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन की गणना

ड.1. याचिकाकर्ता और घरेलू उद्योग के विचार

45. पाटन के संबंध में याची और प्रतिवादी पक्षकारों के विचार अंतिम जांच परिणाम के भाग ग और घ में दिए गए हैं।

बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी व्यवहार की जांच और पाटन मार्जिन का निर्धारण

46. सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 8(2) के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी ने इस पूर्वानुमान के आधार पर कि कोई देश जिसे पिछले 3 वर्षों के दौरान निर्दिष्ट प्राधिकारी अथवा डब्ल्यूटीओ के किसी अन्य सदस्य देश द्वारा पाटनरोधी जांच के प्रयोजनार्थ गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के रूप में निर्धारित किया गया है या माना गया है, आगे कार्रवाई की। पिछले तीन वर्षों में यूएसए, ईयू अर्थात् डब्ल्यूटीओ के सदस्य और भारत में निर्दिष्ट प्राधिकारी ने भी सभी पाटनरोधी जांचों में चीन को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में माने जाने का प्रस्ताव किया गया था।

47. प्राधिकारी ने याचिकाकर्ताओं को बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार संबंधी प्रश्नावली और निर्यातक प्रश्नावली भेजी थी। याचिकाकर्ता ने एमईटी व्यवहार के उनके दावे के समर्थन में प्रत्युत्तर दाखिल किया था और घरेलू बाजार में बिक्री के आधार पर सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु अनुरोध किया था। बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार संबंधी उनके दावे के मद्देनजर याचिकाकर्ता के परिसर में सत्यापन किया गया था। याचिकाकर्ताओं ने दावा किया था कि वे देश की प्रचलित आर्थिक दशा से निरपेक्ष और उनकी व्यावसायिक गतिविधि में राज्य संबंधी किसी प्रत्यक्ष या परोक्ष हस्तक्षेप या प्रभाव के बिना बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी सिद्धांतों के आधार पर प्रचालन कर रहे हैं।

48. पाटनरोधी जांच में चीन जन. गण. से आयात से संबंधित सामान्य मूल्य को अनुबंध I- पैरा 7 और 8 के अनुसार निर्धारित किया जाना है। अनुबंध I के पैरा 7 में यह उपबन्ध है कि

49. गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयात के मामले में उचित लाभ मार्जिन को शामिल करने के लिए भारत में समान उत्पाद के लिए वास्तविक रूप से भुगतान किया गया या भुगतान

योग्य, आवश्यकतानुसार पूर्णतया समायोजित कीमत सहित, सामान्य मूल्य का निर्धारण तीसरे देश की बाजार अर्थव्यवस्था में कीमत अथवा परिकल्पित मूल्य के आधार पर अथवा भारत सहित ऐसे किसी तीसरे देश से अन्य देशों के लिए कीमत, अथवा जहाँ यह संभव नहीं है या किसी अन्य उचित आधार पर किया जाएगा ।

50. नियमावली (संशोधित) के अनुबंध I के पैरा 8 में आगे यह उपबन्ध है कि :

पैरा 8. (1) “ गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश ” वाक्यांश का अर्थ है कोई देश जिसे निर्दिष्ट प्राधिकारी लागत अथवा कीमत ढांचे के बाजार अर्थव्यवस्था वाले सिद्धांतों को लागू नहीं करने वाले के रूप में मानते हैं जिसके कारण ऐसे देश में पण्य वस्तुओं की बिक्रियाँ उप पैराग्राफ (3) में निर्दिष्ट मानदंड के अनुसार वस्तुओं के सही मूल्य को नहीं दर्शाती हैं ।

(2) यह परिकल्पना की जाएगी कि कोई देश जिसे जांच के पूर्ववर्ती तीन वर्षों के दौरान निर्दिष्ट प्राधिकारी अथवा डब्ल्यूटीओ के किसी सदस्य के सक्षम प्राधिकारी द्वारा पाटनरोधी जांच के प्रयोजनार्थ एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश निर्धारित किया गया अथवा माना गया है, एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है ।

तथापि, गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश या ऐसे देश से संबंधित फर्म, निर्दिष्ट प्राधिकारी को सूचना तथा साक्ष्य उपलब्ध कराकर इस परिकल्पना का खण्डन कर सकता है जो यह साबित करता हो कि ऐसा देश उप पैरा (3) में निर्दिष्ट मानदंड के आधार पर एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश नहीं है ।

51. यह नोट किया जाता है कि याचिकाकर्ता ने निर्दिष्ट प्राधिकारी को निम्नांकित मानदण्डों पर विचार करने में समर्थ बनाने हेतु पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध I के पैरा 8(3) में यथाउल्लिखित साक्ष्य और सूचना मुहैया कराई है कि क्या

(क) ऐसे देश में कच्ची सामग्रियों, प्रौद्योगिकी लागत और श्रम, उत्पादन, बिक्रियों तथा निवेश सहित कीमतों, लागतों तथा निवेशों के संबंध में संबंधित फर्म का निर्णय, आपूर्ति तथा मांग को दर्शाने वाले बाजार संकेतों तथा इस संबंध में किसी विशिष्ट राज्य-हस्तक्षेप के बिना होता है और यह कि क्या मुख्य निवेशों की लागतें वास्तविक रूप से बाजार मूल्यों को दर्शाती हैं;

(ख) ऐसे फर्मों की उत्पादन लागतें तथा वित्तीय स्थिति पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली से उठाए गए विशिष्ट विरूपणों के अधीन होती है खासकर परिसम्पत्तियों के ह्रास, अन्य बट्टे खाते, वस्तु-विनिमय व्यापार तथा ऋणों की क्षतिपूर्ति के जरिए भुगतान के संबंध में;

(ग) ऐसी फर्म दिवालिया तथा सम्पत्ति कानून के अधीन होती है जो कि फर्मों के प्रचालन की कानूनी निश्चितता तथा स्थायित्व की गारंटी देता है; तथा

(घ) विनिमय दर परिवर्तन, बाजार दर पर किए जाते हैं ।

52. स्वामित्व, प्रबंधन, नियंत्रण, वाणिज्यिक एवं व्यापारिक नीतियों का निर्धारण और वित्तीय स्थितियों आदि से संबंधित ब्योरेवार प्रश्न आवेदन को संबोधित किए गए थे । न्यू शिपर द्वारा दाखिल किए गए प्रत्युत्तरों का यह निर्धारण करने के लिए विश्लेषण किया गया कि क्या आवेदक ने बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश में प्रचलित स्थितियों की तुलना में चीन सरकार से स्वतंत्रता का कतिपय लाभ उठाया । प्राधिकारी ने आवेदक से निम्नांकित मापदण्डों के संबंध में सामान्य और कतिपय विशिष्ट सूचना की माँग की :

- स्वामित्व का ब्यौरा
- शेयरधारिता की पद्धति
- प्रवर्तक/नियंत्रक कंपनी/कंपनियों से संबंधित सूचना
- निदेशक मंडल के सदस्य, उनका कानूनी दर्जा और उनके द्वारा प्रतिनिधित्व किया जा रहा व्यक्ति/पक्षकार
- कच्ची सामग्री संबंधी निविष्टियां और लागत
- राज्य द्वारा निर्धारित किसी न्यूनतम मजदूरी की मौजूदगी अथवा अन्यथा और क्या उद्यम बाजार मांग के अनुसार मजदूरी के संबंध में निर्णय लेने के लिए स्वतंत्र हैं।
- उत्पादन सुविधाएं और लागतें
- ऋण एवं सब्सिडियां
- वस्तु विनिमय व्यापार/मुद्रा व्यापार
- लाभ वितरण
- दिवालियापन और सम्पत्ति कानून
- विनिमय दर परिवर्तन

53. आवेदक कंपनियों और इससे संबंधित कंपनियों के परिसरों का सत्यापन 11 मई, 2007 से 17 मई, 2007 तक किया गया था। निर्यातक ने उनकी वर्तमान और भूतकाल के स्वामित्व, स्थापना की तारीख, शामिल उत्पाद, वह विधि जिससे ये कंपनियां स्थापित की गई थी, निधियों का स्रोत आदि सहित समूह की सभी कंपनियों का पूरा ब्यौरा उपलब्ध कराने के लिए कहा गया था। उनकी स्वामित्व संबंधी ब्यौरे के साथ 13 समूह कंपनियों की सूची दी गई थी। सत्यापन के आधार पर समूह की 13 कंपनियों में से निम्नलिखित 6 कंपनियां चमकदार/पॉलिशदार पोर्सिलीन टाइलों के उत्पादन और/अथवा बिक्री में शामिल हैं।

- (क) फोशान शैनशुई हुईवानजिया सिरेमिक कंपनी लि०
- (ख) फोशान गुआन्झु सिरेमिक्स कंपनी लि०
- (ग) फोशान आओलिन जिगगोंग सिरेमिक्स कं० लि०
- (घ) फोशान समिट सिरेमिक कं० लि०
- (ङ.) फोशान गोलाइसी सिरेमिक्स कं० लि०
- (च) गाओयाओ गोल्डनसन सिरेमिक्स कं० लि०

निम्नलिखित कंपनियां सिरेमिक टाइल्स और सैनिटरी वेयर के उत्पादन में शामिल हैं।

- (क) फोशान शैनशुई न्यूपर्ल बिल्डिंग सिरेमिक्स कं० लि०
- (ख) फोशान न्यूपर्स डेकोरेटिव सिरेमिक कं० लि०
- (ग) फोशान समिट सैनिटरी वेयर कार्पोरेशन लि०

निम्नलिखित कंपनियां व्यापारिक कार्यकलापों में शामिल हैं :-

- (क) गुआंगडोंग न्यूपर्ल सिरेमिक ग्रुप कंपनी लि०
- (ख) फोशान न्यूपर्ल ट्रेड कं० लि०
- (ग) फोशान न्यूपर्ल ऑयल (पेट्रोलियम) कं० लि०
- (घ) फोशान हुईवानजिया सिरेमिक्स कं० लि०

54. यह देखा गया था कि इस समूह ने स्वयं को ऐसे ढंग से संगठित कर लिया है कि कतिपय समूह कंपनियां उत्पादन हेतु जिम्मेदारी ले रही है जबकि अन्य निर्यातों की जिम्मेदारी ले रहे हैं। मै० गुआंगडोंग न्यूपर्ल सिरेमिक ग्रुप कंपनी और फोशान न्यूपर्ल ट्रेड कंपनी उनकी समूह कंपनियों द्वारा उत्पादित माल की बिक्री कर रहे हैं। न्यूपर्ल सिरेमिक ग्रुप घरेलू बाजार में बिक्री कर रहा है जबकि न्यूपर्ल ट्रेड निर्यात कर रहा है। उत्पादन संबंधी कार्यकलाप निम्नलिखित समूह कंपनियों द्वारा किए जाते हैं :-

- (क) फोशान शैनशुई हुईवानजिया सिरेमिक कं० लि०
- (ख) फोशान गुआन्झु सिरेमिक्स कं० लि०
- (ग) फोशान आओलिन जिगगोंग सिरेमिक कं० लि०
- (घ) फोशान समिट सिरेमिक कं० लि०
- (ङ.) फोशान गेलाइसी सिरेमिक कं० लि०
- (च) गाओयोआ गोल्डनसन सिरेमिक कं० लि०
- (छ) फोशान शैनशुई न्यूपर्ल बिल्डिंग सिरेमिक कं० लि०
- (ज) फोशान न्यूपर्ल डेकोरेटिव सिरेमिक कं० लि०
- (झ) फोशान समिट सैनिटरीवेयरी कार्पो लि०

55. यह पाया गया है कि कंपनियों की साझी शेयरधारिता है। विभिन्न समूह कंपनियों की शेयरधारिता व्यक्तियों के एक ही समूह द्वारा नियंत्रित की जाती है। यह भी पाया गया था कि विभिन्न कंपनियों के कर्मचारी बहुत हद तक भिन्न-भिन्न कंपनियों हेतु इस सीमा तक एक दूसरे के स्थान पर कार्य कर रहे हैं कि व्यवहार में वे भिन्न मालूम नहीं होते हैं। उदाहरणार्थ समूह कंपनी का कोई कर्मचारी उपक्रम के कार्य में समान रूप से शामिल था जो अन्यथा उस समूह में अन्य कंपनी का हो सकता था। विभिन्न कंपनियां काफी हद तक साझी सुविधाओं का प्रयोग कर रही हैं। यद्यपि कोई विधिक समायोजन नहीं था तथापि वर्तमान ढांचा शेयरधारिता के स्वरूप के कारण था जहां समान व्यक्ति समूह से संबंधित सभी कंपनियों को नियंत्रित कर रहे हैं।

56. निम्नलिखित पहलुओं को शामिल करने के लिए बाजार अर्थव्यवस्था दर्जा संबंधी प्रस्तुत की गई सूचना और निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर में सूचना का सत्यापन किया गया है:-

- (क) समूह कंपनियों (सभी संबद्ध कंपनियों सहित) का विधिक ढांचा।
- (ख) समूह कंपनियों के कार्यकलाप और अंतर-सम्पर्क, यदि कोई हो।
- (ग) भारतीय पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1(8) में सूचीबद्ध मापदंडों में निहित कसौटी को पूरा करना।
- (घ) समूह कंपनियों (सभी संबद्ध कंपनियों सहित) का प्रचालन ढांचा।
- (ङ.) प्रश्नावली के उत्तर में प्रस्तुत आंकड़े/सूचना।
- (च) उस स्थान से एकत्र अन्य विविध सूचनाएं।

आवेदकों का विधिक ढांचा:

57. प्राधिकारी ने समूह की सभी कंपनियों के विभिन्न ढांचे का सत्यापन किया है। उन निर्यातक एवं उत्पादक कंपनियों के संबंध में स्थापना/अधिग्रहण के ब्यौरे का सत्यापन किया गया था जिन्हें निजी स्वामित्व की कंपनियों के रूप में परिवर्तित कर दिया गया था। यह पाया गया था कि:

58. समूह की पहली कंपनी फोशान न्यूपर्ल डेकोरेटिव सिरेमिक कं० है। इस कंपनी की वर्ष 1998 में मूल रूप से सामूहिक निजी स्वामित्व के उद्यम (नगर एवं ग्रामीण उद्यम) के रूप में स्थापना की गई थी। तत्पश्चात आम नीलामी के जरिए इसकी बिक्री की गई थी। नीलामी, भुगतान, विक्रेता द्वारा किए गए भुगतान की रसीद, बैंकों के ऋण दस्तावेज, बैंकों को किए गए भुगतान संबंधी दस्तावेज मंगवाए गए थे और उनका सत्यापन किया गया था। फोशान न्यूपर्ल डेकोरेटिव सिरेमिक कं० की वार्षिक रिपोर्ट वर्ष 1998 के बाद से मंगवाई जाती थी और इनका सत्यापन किया जाता था। प्राधिकारी ने उस विधि की भी जांच की है जिस विधि से परिसम्पत्तियों का मूल्यांकन किया गया है और आवेदकों द्वारा दी गई विस्तृत सूचना का मौके पर सत्यापन किया गया था। कंपनी से यह साबित करने के लिए कहा गया था कि यह दावा कैसे किया जा सकता है कि बोली की कीमत वास्तव में बाजार कीमत पर थी। इस संबंध में परिसम्पत्तियों के मूल्य/बोली मूल्य, परिसम्पत्तियों के मूल्य निर्धारण संबंधी दस्तावेज प्रदर्शित किए गए थे। यह देखा गया था कि मूल्य निर्धारण संबंधी दस्तावेजों के अनुसार परिसम्पत्तियों का बुक मूल्य बोली मूल्य और भुगतान की गई कीमत से अत्यधिक कम था।

59. उसके बाद यह जांच की गई थी कि क्या कंपनी संबंधित उत्पाद के उत्पादन अथवा बिक्री में शामिल थी। फोशान न्यूपर्ल डेकोरेटिव सिरेमिक कं० संबंधित उत्पाद के उत्पादन और बिक्री में कभी शामिल नहीं थी। यह कंपनी पूर्व में सिरेमिक टाइलों का उत्पादन कर रही थी और अब भी यह उत्पादन कर रही है। यह भी नोट किया जाता है कि जांच से यह पता नहीं चला था कि निर्यातों पर वैट वापसी को छोड़कर कंपनी ने अधिग्रहण के समय अथवा उसके पश्चात चीन की सरकार से कोई प्रत्यक्ष या परोक्ष लाभ प्राप्त नहीं किया था।

60. गुआंगडोंग न्यूपर्ल सिरेमिक ग्रुप कं० (जिसे पूर्व में गुआंगडोंग नन्हाई हाई ग्रेड डेकोरेटिव टाइल्स फैक्टरी) वर्ष 1998 में अधिग्रहीत दूसरी कंपनी थी। पूर्व में यह एक उत्पादक कंपनी थी। करार की भुगतान अवधि का सत्यापन किया गया था। तत्पश्चात वर्ष 2003 में जब यह गुआंगडोंग नन्हाई हाई ग्रेड डेकोरेटिव टाइल्स फैक्ट्री से समूह कंपनी बनी थी, इसका उत्पादन सेट अप एक नये नाम अर्थात् फोशान गुआनझू सिरेमिक कंपनी लि० को स्थानांतरित कर दिया गया था। इसके मूल्य निर्धारण और अधिग्रहण संबंधी दस्तावेजों का सत्यापन किया गया था। यह देखा गया था कि परिसम्पत्तियों का बुक मूल्य भुगतान किए गए मूल्य से कम था।

61. फोशान समिट सिरेमिक्स कं० लि० का अधिग्रहण वर्ष 2001 में किया गया था। कंपनी के परिवर्तन संबंधी दस्तावेजों का सत्यापन किया गया था। इस कंपनी का स्वामित्व एक निजी पार्टी के पास था। इस कंपनी की भुगतान संबंधी शर्तों का सत्यापन किया गया था। हस्तांतरण करार और मूल्य निर्धारण संबंधी दस्तावेजों का भी सत्यापन किया गया था। यह देखा गया था कि परिसम्पत्तियों का बुक मूल्य भुगतान किए गए मूल्य से कम था।

62. सत्यापन दल ने आवेदकों द्वारा किए गए बाजार अर्थव्यवस्था के दावे की जांच की थी। यद्यपि इस बात पर विचार करते हुए कि ऐसी स्थिति में जहां आवेदक के पास संबंधित उत्पाद के उत्पादन अथवा इसकी बिक्री में लगे हुए समूह के भीतर अधिक कंपनियां हैं, दावे को पूरे समूह तक बढ़ाया गया था तथापि वहाँ बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार संबंधी दावे हेतु पूरे समूह की जांच करना आवश्यक होगा। दो कंपनियों जिनका माल गुप कंपनी और ट्रेड कंपनी के अलावा भारत को निर्यात किया गया है, के संदर्भ में विस्तृत जांच की गई है। इस दावे की जांच पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध I के अनुसार की गई है।

63. प्राधिकारी ने उद्योग एवं वाणिज्य प्रशासन ब्यूरो के रिकार्डों से शेयरधारिता की पद्धति का सत्यापन किया था। यह पाया गया था कि आवेदकों द्वारा दावा की गई शेयरधारिता पद्धति वही है जैसी कि सरकार, उद्योग एवं वाणिज्य प्रशासन ब्यूरो द्वारा रखे गए रिकार्ड में है।

बिक्री कीमत

64. बिक्री कर निर्धारण संबंधी मुद्दे की जांच की गई है और यह भी जांच की गई थी कि क्या राज्य या प्रांतीय सरकार द्वारा कीमत का कोई प्रत्यक्ष या परोक्ष निर्धारण किया गया है। यह सत्यापन किया गया है कि कंपनी, कंपनी द्वारा निर्धारित कीमत पर अपने उत्पाद की बिक्री करने के लिए स्वतंत्र है। कीमत का निर्धारण उत्पादन लागत एवं बाजार कीमतों पर विचार करके किया जाता है। कीमत निर्धारण में सरकार की संभावित भूमिका का कोई प्रमाण नहीं मिला है। यह पाया गया है कि कीमतों में अत्यधिक परिवर्तन हुआ है जो ग्राहक, शामिल उत्पाद की मात्रा, किस्म आदि पर निर्भर करता है।

लागत

65. इस बात का सत्यापन किया गया था कि उत्पाद की उत्पादन लागत कैसे निर्धारित की जाती है। यह जांच की गई है कि क्या कंपनी विभिन्न लागतों का सही रिकार्ड रखती है जो उत्पादन लागत का निर्धारण करने के लिए आवश्यक है।

66. यह देखा गया है कि समूह की सभी कंपनियां उत्पाद की भिन्न-भिन्न किस्म और आकार हेतु उत्पादन लागत से संबंधित सूचना को ब्यौरेवार रखती है। उत्पादन लागत का निर्धारण लागत लेखांकन के सिद्धांतों को ध्यान में रखकर किया जाता है जो उत्पाद के स्वरूप और उत्पादन प्रक्रिया पर विचार करते हुए तर्कसंगत एवं पर्याप्त मालूम होती है। कंपनी वास्तविक लागत रखती है। इसके अलावा कच्चे माल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, उपयोगिता और अन्य कारकों के कारण उत्पादन लागत महीने दर महीने भिन्न-भिन्न होती है।

67. जहाँ तक निविष्टियों का संबंध है, यह देखा गया था कि कच्चा माल बाजार से प्राप्त किया जाता है। कच्चे माल की खरीद के बीजक, कच्चे माल के आपूर्तिकर्ताओं की पहचान, जिस कीमत पर माल की खरीद की गई थी और आपूर्तिकर्ता से आपूर्तिकर्ता तक कीमतों में परिवर्तन की जांच की गई थी। यह नोट किया गया था कि कंपनी कच्चे माल की खरीद खुले बाजार से निजी अलग-अलग आपूर्तिकर्ताओं से कर रही है। कंपनी ने कच्चे माल के किसी आपूर्तिकर्ता के संबंध

में कोई दीर्घकालिक संविदा नहीं की हुई है। इसके अलावा, माल की खरीद अनेक आपूर्तिकर्ताओं से की जा रही है जिसमें रेत, रसायनों, पैकिंग सामग्री आदि के आपूर्तिकर्ता शामिल हैं। सत्यापन के दौरान यह पाया गया था कि कंपनी ने कच्चे माल के आपूर्तिकर्ताओं की व्यापक परसंद बना रखी है और यह बेहतर कीमतें प्राप्त करने के लिए प्रयत्न कर रही है।

68. यह देखा गया था कि कच्चे माल की कीमतों का निर्धारण कच्चे माल की किस्म, खरीद का समय, बाजार मांग, आपूर्ति आदि के आधार पर किया जाता है। यह पाया गया था कि वर्षा के मौसम के दौरान जब रेत की आपूर्ति कम होती है, कंपनी ने रेत के लिए उच्च कीमतें दी हैं। आपूर्तिकर्ताओं के व्यावसायिक लाइसेंसों, वाणिज्यिक बीजकों, भुगतान संबंधी साक्ष्यों आदि का सत्यापन किया गया था।

69. जहां तक बिजली का संबंध है, यह पाया गया था कि समूह में सभी कंपनियां बाजार से बिजली खरीद रही हैं। किसी भी समूह कंपनी को प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से किसी संभावित अधिमानी व्यवहार दिए जाने का कोई साक्ष्य नहीं पाया गया था। बिजली पर वहन किए गए खर्च के अनेक बीजकों की जांच की गई थी। सत्यापन के दौरान यह देखा गया था कि आपूर्तिकर्ता द्वारा प्रभारित कीमत विभिन्न समय खंडों में भिन्न-भिन्न होती है जैसे पीक घंटों के लिए प्रति यूनिट कीमत गैर-पीक घंटों से अधिक है। संयंत्र द्वारा भुगतान की गई औसत बिजली कीमत लगभग *** प्रति यूनिट थी। ऐसा प्रतीत नहीं हुआ था कि बिजली की कीमत प्रचलित बाजार कीमतों से बहुत अधिक भिन्न थी।

प्रौद्योगिकी और संयंत्र एवं उपस्कर

70. यह देखा गया था कि चीन में अत्यधिक टाइल्स उत्पादन और देश में बड़ी संख्या में टाइल्स उत्पादकों (आवेदकों के अनुसार लगभग 3000 सिरामिक संयंत्र) को देखते हुए विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन की प्रौद्योगिकी चीन में अच्छी तरह ज्ञात है। यह देखा गया था कि उत्पाद का उत्पादन करने के लिए कंपनी के पास अपेक्षित प्रौद्योगिकी है। यह देखा गया है कि संयंत्र एवं उपस्कर तथा प्रौद्योगिकी की बाजार कीमत पर बाजार से खरीद की गई है। टाइल्स के उत्पादन हेतु प्रेस और ईट दो प्रमुख मशीनें हैं। प्रेस की खरीद अंतर्राष्ट्रीय बाजार से की गई है और ईट घरेलू आपूर्तिकर्ता अर्थात् केडा से खरीदी गई है। संयंत्र और उपस्करों से संबंधित बीजकों का सत्यापन किया गया था।

श्रम

71. कंपनी की रोजगार एवं बरखास्तगी नीति और सरकार/राज्य के प्रत्यक्ष या परोक्ष नियंत्रण की विस्तृत जांच की गई है। कंपनियों की रोजगार एवं बरखास्तगी प्रक्रियाओं की विस्तृत जांच की गई थी। यह पाया गया था कि कंपनी टाइल्स के उत्पादन एवं बिक्रियों संबंधी अपनी जरूरतों के अनुसार कर्मचारी नियुक्त करती है। सरकार के किसी प्रत्यक्ष या परोक्ष हस्तक्षेप के बगैर अपनी जरूरत और अपनी निर्धारित नीति के अनुसार कंपनियां श्रमिकों और कार्मिकों की नियुक्ति करने के लिए स्वतंत्र है। यह पाया गया था कि कंपनी द्वारा भुगतान किया गया वेतन काफी अधिक है।

पैदावार और उत्पादन

72. इस बात की जांच की गई थी कि क्या उत्पादन के संबंध में सरकार का कोई नियंत्रण या हस्तक्षेप है। यह पाया गया था कि कंपनियां बाजार में मांग और आपूर्ति संबंधी अपेक्षा के अनुसार उत्पाद का उत्पादन करती हैं। यह प्रदर्शित किया गया है कि कंपनियां बाजार में मांग एवं आपूर्ति के अनुसार विभिन्न संयंत्रों में भिन्न आकारों और श्रृंखलाओं का उत्पादन करती हैं। यह देखा गया है कि उत्पादन पर सरकार का कोई नियंत्रण नहीं है। कंपनी जरूरत और बाजार स्थिति के अनुसार क्षमता और उत्पादन में बढ़ोतरी कर सकती है। कंपनी जरूरत के अनुसार किसी भी आकार और किस्म का उत्पादन करने के लिए स्वतंत्र है और सरकार का कोई निर्देश या नियंत्रण नहीं होता है।

बिक्री मात्रा

73. यह जांच की गई थी कि क्या कंपनी उस बाजार कीमत पर उत्पाद की वांछित मात्रा में बिक्री करने के लिए स्वतंत्र है जिसे कंपनी बाजार में प्राप्त कर सकती है अथवा इस संबंध में सरकार का कोई प्रत्यक्ष या परोक्ष हस्तक्षेप है। यह पाया गया था कि कंपनी बाजार में अपने उत्पाद की अपनी कीमत पर बिक्री करती है और इस संबंध में राज्य या प्रांतीय सरकार का कोई नियंत्रण नहीं है। कंपनी बाजार शक्तियों के अनुसार घरेलू बाजार में भिन्न-भिन्न ग्राहकों को उत्पाद की बिक्री कर रही है और राज्य या प्रांतीय सरकार की कोई भूमिका नहीं होती है। इसके अलावा बेची गई विभिन्न किस्मों के संबंध में विश्लेषण किया गया है। यह देखा गया था कि कंपनी बाजार मांग के अनुसार विभिन्न किस्मों की टाइल्स की बिक्री कर रही है। विचाराधीन उत्पाद हेतु परिशिष्ट I के विश्लेषण से पता चलता है कि कंपनी बाजार शक्तियों के अनुसार घरेलू बाजार में संबंधित उत्पाद की भिन्न-भिन्न ग्राहकों को बिक्री कर रही है और राज्य या प्रांतीय सरकार की कोई भूमिका नहीं है। इसके अलावा, प्रत्येक आकार के संबंध में विश्लेषण किया गया है। यह देखा गया था कि कंपनी मांग के अनुसार संबंधित उत्पाद के विभिन्न आकारों और श्रृंखलाओं की बिक्री कर रही है।

निवेश

74. शेयरधारकों द्वारा किए गए निवेश के स्रोत की जांच की गई थी। यह सत्यापन किया गया था कि **** पहला व्यक्ति है जिसने निधियों का निवेश किया था और पहली कंपनी का नियंत्रण अपने हाथ में ले लिया है। यह नोट किया गया था कि वर्ष 1998 में **** मिलियन आर एम बी में पहली कंपनी को खरीदते हुए **** % भुगतान किया गया था कि और शेष राशि को विभिन्न देयताओं के रूप में रखा गया था। शेष कंपनियों हेतु निधियों की व्यवस्था ग्रुप कंपनी द्वारा की गई थी जिसका वित्त पोषण आंतरिक स्रोतों और बैंकों से ऋणों से किया गया था। आवेदकों द्वारा लिए गए विभिन्न ऋणों का सत्यापन किया गया था। यह पाया गया था कि ग्रुप बाजार दर पर विभिन्न बैंकों से नियमित रूप से ऋण ले रहा है और इन ऋणों को चुकाया जा रहा है।

अन्य सापदण्ड**परिसम्पत्तियों पर मूल्यहास**

75. कम्पनी की मूल्यहास लेखांकन पद्धति का विस्तृत सत्यापन किया गया। यह पाया गया कि कम्पनी अपनी परिसम्पत्तियों पर मूल्यहास प्रचलित पद्धति के अनुरूप लगाती है। निर्धारित नीति के अनुसार बहियों में मूल्यहास प्रभारित किया जाता है और इसे निरंतर लागू किया जाता है। कम्पनी अपने खातों में लेखाबद्ध सभी परिसम्पत्तियों पर मूल्यहास लगा रही है। यह पाया गया है कि मूल्यहास उत्पादन लागत का एक भाग है।

बट्टे खाते डालना

76. यह पाया गया है कि कम्पनी क्षतिग्रस्त परिसम्पत्तियों एवं अप्राप्त ऋणों को बट्टे खाते डालने की नीति अपनाती है।

वस्तु विनिमय व्यापार

77. सत्यापन की प्रक्रिया के दौरान किसी भी प्रकार के वस्तु विनिमय व्यापार का साक्ष्य नहीं पाया गया। कम्पनी के बही खातों से भी वस्तु विनिमय व्यापार का कोई संकेत नहीं मिला।

ऋणों की प्रतिपूर्ति के जरिए भुगतान

78. ऋणों की प्रतिपूर्ति के जरिए ऋणों के भुगतान का कोई साक्ष्य नहीं पाया गया।

दिवाला एवं सम्पत्ति कानून

79. यह पाया गया कि आवेदकों पर चीन का दिवाला कानून तथा चीन का सम्पत्ति कानून लागू होता है। सत्यापन के दौरान इन कानूनों के उल्लंघन का कोई साक्ष्य नहीं पाया गया।

80. यह सत्यापन किया गया कि क्या खरीद तथा बिक्री दोनों के लिए विनिमय परिवर्तन बाजार दर पर किये गये थे। यह नोट किया गया कि कम्पनी को विनिमय दर बाजार कीमत के अनुसार प्राप्त हो रही है। यह खरीद तथा बिक्री दोनों पर लागू है। कम्पनी को विदेशी मुद्रा हेतु कोई अधिमान्य दर प्राप्त नहीं होती।

कम्पनी की प्रचालन संरचना

81. यह देखा गया कि विभिन्न समूह सत्ताएं तथा विशेष रूप से निम्नलिखित सत्ताएं किस प्रकार प्रचालित होती हैं :-

- (1) गुआंगडांग न्यूपर्ल सिरेमिक ग्रुप कम्पनी लिमिटेड
- (2) फोशान शेनशुई हुईवानजिया सिरेमिक कम्पनी लिमिटेड
- (3) फोशान समिट सिरेमिक कं. लि०
- (4) फोशान न्यूपर्ल ट्रेड कं. लि.

82. यह पाया गया कि गुआंगडांग न्यूपर्ल सिरेमिक ग्रुप कम्पनी लिमिटेड ग्रुप के समस्त प्रचालनों का नियंत्रण करती है, जिसमें उत्पादन, नियोजन एवं नियंत्रण, विपणन, कार्मिक, प्रशासन, वित्त, सामग्री आदि शामिल हैं। जहाँ तक संयंत्रों का प्रश्न है, यह पाया गया कि उस स्थान पर हुईवानजिया के संयंत्र और शेनशुई भवन स्थित है, परन्तु "न्यूपर्ल सिरेमिक ग्रुप कम्पनी" को प्रमुखता से दर्शाया गया है। न्यूपर्ल ग्रुप, समूह की सभी कम्पनियों के कार्यों पर नियंत्रण करता है। यह पाया गया कि कम्पनी ने विभिन्न संयंत्रों के बीच कोई भेद नहीं रखा है। यद्यपि ये अलग-अलग कानूनी सत्ताएं हैं, तथापि विभिन्न संयंत्रों में कोई प्रचालनात्मक विभेद अथवा सीमा रेखाएं नहीं देखी गईं। ये एक दूसरे से काफी जुड़ी हुई और ग्रुप कम्पनी के कार्यकलापों में आमेलित थीं। यद्यपि न्यूपर्ल ट्रेड उत्पाद के निर्यात के लिए उत्तरदायी है, तथापि यह पाया गया कि सभी प्रकार के निर्यात विपणन का नियंत्रण और प्रबंधन व्यावहारिक रूप से न्यूपर्ल ग्रुप द्वारा किया जा रहा है। वास्तव में ऐसा प्रतीत होता है कि आर्डरों के निष्पादन की भूमिका का निर्वहन न्यूपर्ल ट्रेड करती है। ग्राहकों के साथ बातचीत, ग्राहकों से सम्पर्क, आर्डर को अंतिम रूप देने आदि सभी कार्य न्यूपर्ल ग्रुप द्वारा किए जा रहे हैं। उदाहरणार्थ सुश्री ****, जो न्यूपर्ल ग्रुप की कर्मचारी हैं, का दायित्व उत्पाद का वैश्विक विपणन है। वास्तव में न्यूपर्ल ग्रुप की अवसंरचना का उपयोग ग्रुप की विभिन्न कम्पनियां कर रही हैं। सम्बद्ध वस्तुओं के निर्यात हेतु इस ग्रुप की किसी भी कम्पनी के पास लाइसेंस तथा सीमा शुल्क पंजीकरण नहीं है अतः वे चीन जन गण के अतिरिक्त अन्य कहीं उत्पादों की बिक्री में शामिल नहीं है। तथापि यह व्यापार न्यूपर्ल ग्रुप द्वारा किया जा रहा है।

83. फोशान शेनशुई हुईवांजिया सिरेमिक कम्पनी लिमिटेड और फोशान समिट सिरेमिक कम्पनी लिमिटेड संबंधित उत्पाद का उत्पादन करने वाले संयंत्र है, जिसका निर्यात जांच अवधि के दौरान भारत को किया गया है। यद्यपि ये संयंत्र अपने उत्पाद की सीधी बिक्री चीन के घरेलू बाजार में भी करते हैं, तथापि यह पाया गया कि उन बिक्रियों पर नियंत्रण न्यूपर्ल ग्रुप द्वारा किया जाता है और कीमतों तथा बिक्री की मात्रा का नियंत्रण व प्रबंधन भी न्यूपर्ल ग्रुप द्वारा किया जा रहा है। यह भी पाया गया कि इन सत्ताओं के पास अपना विपणन नेटवर्क और जनशक्ति है। तथापि यह सब न्यूपर्ल ग्रुप के समग्र निर्देशन, पर्यवेक्षण तथा नियंत्रण के अधीन है।

84. इस प्रकार यह पाया गया कि गुआंगडांग न्यूपर्ल सिरेमिक ग्रुप कम्पनी इस समूह की नियंत्रक कम्पनी है। इस समूह की अन्य सत्ताओं का स्वामित्व गुआंगडांग न्यूपर्ल सिरेमिक ग्रुप कंपनी तथा श्री **** एवं उनके परिवार के सदस्यों के पास है अथवा सीधे **** एवं उनके परिवार के सदस्यों का है। ग्रुप कम्पनी के **** % शेयर श्री *** एवं उनके परिवार के पास हैं। अतः ग्रुप कम्पनी के पास प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से नियंत्रण का अधिकार है। जहाँ तक उत्पादन और बिक्री से संबंधित पहलुओं के दैनंदिन कार्यकलापों का प्रश्न है, व्यावहारिक रूप से, ग्रुप कम्पनी की अन्य कम्पनियों नियंत्रण करती प्रतीत होती है।

85. यह भी नोट किया जाता है कि ग्रुप कम्पनी समूह के विभिन्न संयंत्रों द्वारा उत्पादित वस्तुओं की बिक्री उल्लेखनीय मात्रा में कर रही है। ग्रुप कम्पनी बिक्री का कार्य भी बड़े पैमाने पर कर रही है। कम्पनी समूह के विभिन्न संयंत्रों से सामग्री की खरीद करती है, स्टॉक रखती है और मांग के अनुसार इसकी बिक्री करती है। बैंक टू बैंक बिक्री की कोई पद्धति नहीं है।

सामान्य मूल्य

86. सामान्य मूल्य तथा पाटन मार्जिन के निर्धारण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने निम्नलिखित द्वारा प्रस्तुत उत्तरों पर विचार किया:-

- (1) गुआंगडांग न्यूपर्ल सिरेमिक ग्रुप कम्पनी लिमिटेड
 - फोशान शेनशुई हुईवानजिया सिरेमिक कम्पनी लिमिटेड
 - फोशान समिट सिरेमिक कम्पनी लिमिटेड
- (2) फोशान न्यूपर्ल ट्रेड कम्पनी लिमिटेड

87. जांच अवधि के दौरान भारत को निर्यातित सामग्री का उत्पादन फोशान शेनशुई हुईवांजिया सिरेमिक कम्पनी लिमिटेड तथा फोशान समिट सिरेमिक कम्पनी लिमिटेड द्वारा किया गया था। संबंधित संयंत्र के कारखाने से भारत को उक्त सामग्री का निर्यात वास्तविक रूप से किया गया था। मेसर्स फोशान न्यूपर्ल ट्रेड कम्पनी लिमिटेड के कोई स्टॉक तथा बिक्री प्रचालन देखे नहीं गए। ग्रुप कम्पनी के लिए प्रस्तुत उत्तर में गुआंगडांग न्यूपर्ल सिरेमिक ग्रुप कम्पनी लिमिटेड के साथ फोशान समिट सिरेमिक कम्पनी लिमिटेड तथा फोशान शेनशुई हुईवांजिया सिरेमिक कम्पनी लि0 से संबंधित सम्पूर्ण सूचना शामिल है। ट्रेड कम्पनी के लिए अलग-अलग उत्तर प्रस्तुत किए गए हैं। बाजार अर्थव्यवस्था दर्जे के दावे के बारे में भी यही दृष्टिकोण अपनाया गया है। ग्रुप कम्पनी इस समूह की नियंत्रक कम्पनी है। जहाँ ट्रेड कम्पनी आर्डर प्राप्त करती है, वहीं ग्रुप कम्पनी प्रेषित किए जाने वाले उत्पाद के उत्पादन एवं उपलब्धता का प्रबंध करती है। ग्रुप कम्पनी मांग-आपूर्ति के आधार पर समूह की विभिन्न कम्पनियों की उत्पादन योजनाओं की रूपरेखा बनाती है।

88. ग्रुप कम्पनी के परिशिष्ट I में ग्रुप कम्पनी द्वारा घरेलू बाजार में की गई सम्पूर्ण बिक्री शामिल है। यह सूचना केवल विचाराधीन उत्पाद के संबंध में प्रदान की गई थी। तथापि ग्रुप कम्पनी को अन्य उत्पादों से संबंधित सूचना शामिल करते हुए घरेलू बाजार में की गई सभी प्रकार की बिक्री का ब्यौरा उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया था। कम्पनी द्वारा जारी प्रत्येक बीजक से यह सूचना देखी गई। यह पाया गया कि कम्पनी के आय के विवरण के अनुसार विक्रय सूची में उल्लिखित बिक्री का समाधान कुल बिक्री से किया गया है।

89. प्रत्येक बिक्री सौदे में जिस संयंत्र का उत्पाद बेचा गया है, उसे अभिज्ञात किया गया है। यह नोट किया गया कि फोशान समिट सिरेमिक कम्पनी लिमिटेड तथा फोशान शेनशुई हुईवांजिया सिरेमिक कम्पनी लिमिटेड संबंधित उत्पाद के उत्पादन में संलग्न हैं, जिसका निर्यात भारत को जांच अवधि के दौरान किया गया था। इस संयंत्रों ने अपनी प्रश्नावली के उत्तर में सौदेवार बिक्री की भी सूचना प्रस्तुत की है। इन संयंत्रों द्वारा परिशिष्ट I में दी गई बिक्री की सूचना संबंधित उत्पाद के के ही बारे में है।

90. दोनों संयंत्रों में अलग-अलग उत्पादों के बारे में उत्पादन लागत की सूचना प्रस्तुत की है। उत्पाद का उत्पादन विभिन्न किस्मों तथा आकारों में किया जाता है। साइज मॉड्यूल तथा सीरीज मॉड्यूल पर विचार करते हुए प्रत्येक आकार के लिए उत्पादन लागत का माहवार ब्यौरा तैयार किया जाता है। यह पाया गया कि इस ग्रुप के सभी संयंत्रों द्वारा वास्तविक व्यय के आधार पर उत्पाद की प्रत्येक किस्म, आकार सीरीज की उत्पादन लागत का ब्यौरा नियमित आधार पर तैयार किया जाता है। इसके अलावा कच्चे माल, सहायक सामग्री तथा अन्य कारकों की कीमतें बदलते रहने के कारण उत्पादन लागत में भी माह दर माह भिन्नता आती है। विक्रय, सामान्य तथा प्रशासनिक व्यय से भी उत्पादन लागत में जोड़ दिया गया है, जिसका निर्धारण संपन्न के आय विवरण के अनुसार किया गया है। इस प्रकार निर्धारित उत्पादन लागत का उपयोग यह ज्ञात करने के लिए किया गया कि क्या घरेलू बाजार में की गई बिक्री व्यापार की सामान्य स्थिति में की गई थी।

91. आवेदकों ने केवल दो संयंत्रों का उत्पादन लागत विवरण उपलब्ध कराया है, जिनकी वस्तुओं का निर्यात भारत को किया गया था। तथापि यह पाया गया कि सभी संयंत्रों द्वारा उत्पादित वस्तुओं की बिक्री ग्रुप कम्पनी द्वारा की गई थी। अतः प्राधिकारी द्वारा आवेदकों को सभी संयंत्रों की उत्पादन लागत का ब्यौरा उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया, जिनमें संबद्ध वस्तुओं का उत्पादन किया गया था। आवेदकों द्वारा सभी संयंत्रों की उत्पादन लागत का ब्यौरा उपलब्ध कराया गया। यह पाया गया कि अन्य संयंत्रों ने भी उत्पादन लागत का ब्यौरा उसी आधार पर तैयार किया था, जिस पर दो संयंत्रों ने किया था। अन्य संयंत्रों की उत्पादन लागत का सत्यापन उसी प्रक्रिया से किया गया, जो पहले दो संयंत्रों के लिए अपनाई गई थी।

92. धारा 9 क (1) (ग) के अंतर्गत किसी वस्तु के सामान्य मूल्य से अभिप्रेत है :-

(i) सामान्य व्यापार के दौरान समान वस्तुओं के लिए उप-धारा (6) के अंतर्गत बने नियमों के अनुसार यथानिश्चित तुलनात्मक मूल्य जबकि ऐसी वस्तु निर्यातक देश या क्षेत्र में उपभोग के लिए आशयित हो; या

(ii) जहाँ निर्यातक देश या क्षेत्र के स्वदेशी बाजार में सामान्य व्यापार के दौरान समान वस्तु की कोई बिक्री नहीं हो या विशेष बाजार दशा के कारण अथवा निर्यातक देश या क्षेत्र के स्वदेशी बाजार में बिक्रियों की कम मात्रा के कारण, ऐसी बिक्रियों की समुचित तुलना नहीं हो सकती है, तो सामान्य मूल्य या तो:-

(क) निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उचित तीसरे देश से आयात किए जाने पर समान वस्तु का उपधारा (6) के अंतर्गत बने नियमों के अनुसार यथानिश्चित तुलनात्मक प्रतिनिधि मूल्य; या

(ख) उपधारा (6) के अंतर्गत बने नियमों के अनुसार, यथानिश्चित वस्तु मूल के देश में उक्त वस्तु के उत्पादन की लागत जिसमें प्रशासनिक बिक्री और सामान्य लागतों एवं लाभों के लिए उचित वृद्धि की गई हो।

93. जहाँ तक प्रश्नावली के उत्तरों का प्रश्न है, आवेदकों द्वारा अपेक्षित सूचना विहित प्रश्नावली में उपलब्ध कराई गई। न्यूपर्ल ग्रुप द्वारा न केवल संबंधित उत्पाद बल्कि गैर संबंधित उत्पादों के बारे में भी संबद्ध एवं गैर संबद्ध पक्षों को की गई समस्त घरेलू बिक्री से संबंधित सूचना उपलब्ध कराई गई। धारा 9 (क) (1) (ग) के अनुसार सामान्य मूल्य से व्यापार की सामान्य स्थिति में निर्यातक देश में खपत हेतु प्रयुक्त किसी वस्तु का तुलनात्मक मूल्य अभिप्रेत है। आवेदक ने जांच अवधि के दौरान उत्पादित एवं बेची गई वस्तु आकार/प्रकार के ब्यौरे सहित उस वस्तु की उत्पादन लागत का ब्यौरा प्रस्तुत किया, जिसकी सामग्री का निर्यात जांच अवधि के दौरान किया गया बल्कि अन्य कंपनियों से संबंधित ब्यौरा भी प्रस्तुत किया जो संबंधित उत्पाद का उत्पादन तो करती हैं परन्तु निर्यातित सामग्री का उत्पादन उनके द्वारा नहीं किया गया था।

94. परिशिष्ट I में प्रस्तुत बिक्री के सौदेवार ब्यौरे का सत्यापन प्राधिकारी द्वारा मौके पर उपलब्ध रिकार्ड से किया गया। सबसे पहले यह निर्धारित किया गया कि क्या उत्पादक की घरेलू बिक्री अत्यधिक है। जांच के बाद यह निर्धारित किया गया कि उत्पादक की घरेलू बिक्री की प्रतिनिधि मात्रा अत्यधिक है। तत्पश्चात प्रत्येक सौदे के लिए इकाई बिक्री कीमत की तुलना उत्पादन लागत से करके यह निर्धारित किया गया कि क्या व्यापार की सामान्य स्थिति में पर्याप्त बिक्री की गई। यह नोट किया गया कि जांच अवधि के दौरान आवेदक द्वारा विचाराधीन उत्पाद की लाभप्रद बिक्री घरेलू बाजार में की गई थी। प्रति यूनिट लागत से अधिक बिक्री पर विचार करके 80 - 20 परीक्षण का अनुप्रयोग करे के बाद घरेलू बिक्री के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण किया गया।

95. भारत को निर्यातित सभी मॉडलों के संबंध में यह पाया गया कि घरेलू बाजार में पर्याप्त बिक्री की गई थी और तदनुसार घरेलू बाजार में की गई बिक्री पर विचार करते हुए भारत को निर्यातित सभी मॉडलों के सामान्य मूल्य का निर्धारण किया गया।

96. इस प्रकार निर्धारित सामान्य मूल्य का ब्यौरा निम्नानुसार है :-

आकार	सीरीज	सामान्य मूल्य एसक्यू एम/आर एमवी
1000X1000	स्नो व्हाइट	****
300X300	प्योर कलर	****
330X330	ग्लेज्ड पोर्सलीन	****
600X300	ग्लेज्ड पोर्सलीन	****
600X600	ग्लेज्ड पोर्सलीन	****
600X600	नार्मल प्रिंट	****
600X600	स्नो व्हाइट	****

निर्यात कीमत

97. प्रश्नावली के उत्तर में निर्यातक द्वारा जांच अवधि के दौरान भारत को किए गए निर्यातों का बीजकवार/आकारवार ब्यौरा परिशिष्ट - 2 में प्रस्तुत किया गया है। इसके प्रमाणस्वरूप निर्यातक ने बीजकों की फोटोकापियां भी प्रस्तुत की हैं। निर्यातक द्वारा परिशिष्ट - 3 में जिन समायोजनों का दावा किया गया है। उन पर सत्यापित आंकड़ों के आधार पर विचार किया गया है और भारत में

कारखाना द्वार निर्यात कीमत में भी इसे प्रयुक्त किए जाने का प्रस्ताव है। भारत को निर्यात न्यूपर्ल ट्रेड द्वारा किया जाता है, जिन्होंने अंततः संबद्ध वस्तुओं का निर्यात भारत को किया है। इस संबंध में न्यूपर्ल ट्रेड द्वारा भारतीय ग्राहकों को भेजे गए बीजकों का सत्यापन कम्पनी द्वारा रखे गए रिकार्ड से किया गया। भारत को निर्यातित प्रत्येक प्रकार की टाइल की निर्यात कीमत का निर्धारण अलग-अलग किया गया है। तदनुसार, निर्यात कीमत का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

		कारखाना द्वार निर्यात कीमत
1000X1000	स्नो व्हाइट	****
300X300	प्योर कलर	****
330X330	ग्लेज्ड पोर्सलीन	****
600X300	ग्लेज्ड पोर्सलीन	****
600X600	ग्लेज्ड पोर्सलीन	****
600X600	नॉर्मल प्रिंट	****
600X600	स्नो व्हाइट	****

98. ऊपर निर्धारित सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत पर विचार करते हुए प्रत्येक आकार और प्रकार हेतु पाटन मार्जिन का निर्धारण निम्नानुसार किया गया है:-

निर्यात एवं पाटन मार्जिन

निर्यात					
		कारखाना द्वार निर्यात कीमत	सामान्य मूल्य	पाटन मार्जिन	पाटन मार्जिन मूल्य
1000X1000	स्नो व्हाइट	****	****	****	****
300X300	प्योर कलर	****	****	****	****
330X330	ग्लेज्ड पोर्सलीन	****	****	****	****
600X300	ग्लेज्ड पोर्सलीन	****	****	****	****
600X600	ग्लेज्ड पोर्सलीन	****	****	****	****
600X600	नॉर्मल प्रिंट	****	****	****	****
600X600	स्नो व्हाइट	****	****	****	****
		****	****	****	****
					(9.09)

पाटन मार्जिन % = (9.09) (नकारात्मक)

पाटन मार्जिन

99. उपर निर्धारित सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत पर विचार करते हुए विट्रीफाइड/पोर्सलीन टाइलों के विभिन्न आकारों/मॉडलों/प्रकारों के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण अलग-अलग किया गया है। यह पाया गया है कि निर्यातक ने संबद्ध वस्तुओं का निर्यात सामान्य मूल्य से अधिक पर किया है। अतः भारत औसत पाटन मार्जिन ऋणात्मक निर्धारित की गई है।

च. अंतिम जांच परिणाम तथा प्राधिकारी की सिफारिशें

100. उपर्युक्त पर विचार करने के बाद प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुँचे हैं कि:-

- (i) मेसर्स फोशान न्यूपर्ल ट्रेड कम्पनी लिमिटेड द्वारा भारत को निर्यातित एवं मेसर्स गुआंगडोंग न्यूपर्ल सिरेमिक ग्रुप कम्पनी लिमिटेड की दो संबंधित कम्पनियों अर्थात् मेसर्स फोशान शेनशुई हुईवांजिया सिरेमिक कम्पनी लिमिटेड एवं मेसर्स फोशान समिट सिरेमिक कम्पनी लिमिटेड द्वारा उत्पादित विट्रीफाइड/पोर्सलीन टाइलों की निर्यात कीमत इसके सामान्य मूल्य से अधिक है।
- (ii) उक्त निर्यात पाटित कीमतों पर नहीं किए गए हैं और निर्धारित किया गया पाटन मार्जिन ऋणात्मक है।
- (iii) अतः प्राधिकारी सिफारिश करते हैं कि मेसर्स गुआंगडोंग न्यूपर्ल सिरेमिक ग्रुप कम्पनी लिमिटेड की दो संबंधित कम्पनियों अर्थात् मेसर्स फोशान शेनशुई हुईवांजिया सिरेमिक लिमिटेड एवं मेसर्स फोशान समिट सिरेमिक कम्पनी लिमिटेड द्वारा उत्पादित और मेसर्स फोशान न्यूपर्ल ट्रेड कम्पनी लि0, फोशान, चीन जन गण द्वारा निर्यातित विट्रीफाइड/पोर्सलीन टाइलों, जो सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अध्याय 69 के अंतर्गत आती हैं, के आयातों पर कोई पाटनरोधी शुल्क न लगाया जाए।

101. इस आदेश के विरुद्ध कोई अपील अधिनियम के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क एवं सेवा कर अपीलीय अधिकरण के समक्ष दायर की जा सकेगी।

आर. गोपालन, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**(Department of Commerce)****(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI DUMPING AND ALLIED DUTIES)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 3rd October, 2007

FINAL FINDINGS

Subject.—Anti-Dumping New Shipper Review Investigation concerning exports of Vitrified/Porcelain Tiles by Guangdong Newpearl Ceramic Group Company Limited (Producer) and Foshan Newpearl Trade Company Limited (Exporter).

No. 15/3/2005-DGAD.—M/s. Guangdong Newpearl Ceramic Group Co. Limited, Foshan, China PR the producer (hereinafter referred to as group company) and Foshan Newpearl Trade Company Limited (hereinafter referred to as trade company or exporter) filed an application and requested the Designated Authority for determination of individual dumping margin under Rule 22 of the Rules.

2. The applicants claimed that they are not related to any of the exporters/producers in China PR subject to anti dumping measures in force with regard to product concerned. Furthermore, they claimed that they have not exported the product concerned during the period of investigation of original investigation. The Authority prima facie examined the information submitted by the applicants and considered sufficient to justify the initiation of a new shipper review investigation in accordance with the provisions of Rule 22 of Anti Dumping Rules.

3. The Designated Authority initiated the New Shipper Review on the basis of request made by Guangdong Newpearl Ceramic Group Co Limited, Foshan, China PR through Foshan Newpearl Trade Company Limited under Rule 22 vide notification no. No.15/3/2005-DGAD dated 25th Aug, 2005.

4. The aforesaid new shipper investigation was initiated in the matter concerning import of Vitrified / Porcelain tiles falling under Chapter 69 of the Customs Tariff Act, 1975 originated in or exported from China PR and UAE where the Designated Authority vide its final finding no. 37/1/2001-DGAD dated 04.02.2003 had come to conclusion that

- i. Vitrified/ Porcelain Tiles have been exported to India from UAE and China PR below its normal value resulting in dumping;
 - ii. The Indian industry has suffered material injury;
 - iii. The injury has been caused cumulatively by the imports from the subject countries.
5. The Authority recommended provisional assessment of all exports of Vitrified / porcelain tiles by M/s. Guangdong Newpearl Ceramic Group Co Limited – Foshan – China PR through Foshan Newpearl Trade Company Limited till the completion of the review initiated in accordance to the Rule 22 of Indian Anti Dumping Rules.
6. The Ministry of Finance issued Notification No. Customs notification No 96/2005 dated 16/11/2005 which provided that pending the outcome of the present review by the Designated Authority, all imports of vitrified/ porcelain tiles other than vitrified industrial tiles falling under Chapter 69 of the Customs Tariff Act by Guangdong Newpearl Ceramic Group Co Limited, Foshan, China PR through Foshan Newpearl Trade Company Limited would be subjected to provisional assessment till the completion of the present review.
7. The Authority sent a copy of exporter questionnaire and market economy questionnaire to Guangdong Newpearl Ceramic Group Co Limited, Foshan, China PR and Foshan Newpearl Trade Company Limited and Bureau of Fair Trade, China PR to elicit relevant information.
8. The applicants filed questionnaire response as also market economy questionnaire response, which was examined by the Authority. It was found that the response contained information of two producing companies alongwith the applicants.
9. The Authority issued a letter to the applicants in this regard and sought clarification for inclusion of information of two producing companies alongwith the information of applicants companies.
10. The applicants filed a detailed submissions justifying inclusion of the two producing companies in the questionnaire response. The Authority kept the submissions made by applicants in the public file for information to other interested parties including the domestic industry.
11. The Authority sought and verified all the relevant information, it deemed necessary for the purpose of the investigations.
12. The period of investigation in this new shipper review investigation is 1st Sept 2005 to 28th Feb 2006 – 6 months for dumping margin determination.
13. Earlier, the Authority officially intimated the Government of China PR of the initiation of the new shipper review investigation and gave an opportunity to all the

interested parties concerned to make their view known in writing within 40 days from the expiry of the POI i.e. 1st Sept 05 – 28th Feb 06.

14. The Authority provided an opportunity to all the interested parties to present their views orally in the public hearing held on 21st February, 2007. The hearing was attended only by the applicants, Kajaria Ceramics Ltd., an importer and H. R. Johnson Ltd, a domestic industry company. The parties who presented their views were requested to file written submissions of the views expressed orally. The parties were also advised to collect copies of views expressed by opposing parties and offer rejoinders, if any.

15. The Authority made available the public file as per Rule 6(7) of the Rules containing non confidential version of the information submissions made by various interested parties. In accordance with Rule 16 of the Rules supra, the essential facts/basis considered for these findings was disclosed to known interested parties on 30th July, 2007 and comments received on the same have been considered in Final Findings.

16. **** herein represents to information furnished by a interested party on confidential basis and so considered by the authority under the Rules.

B Product under consideration & like article

17 The product under consideration in the sunset review is "Unglazed tiles in polished or unpolished finish and Glazed Porcelain / Ceramic tiles both with less than 3% water absorption (commonly known as Vitrified Tiles / Porcelain Tiles)" (also referred to as subject goods). Glazed and unglazed tiles are used primarily for coverings for floors as well as on walls. These tiles are used in buildings, homes, restaurants, cinema halls, airports, swimming pools, railway stations etc. All types of subject goods are classified within chapter heading 69. The classification is, however, indicative and in no way binding on the scope of the present investigations.

18. The product under consideration in the present investigation is the same as has been in the original investigation i.e. "vitrified/porcelain tiles". There is no argument on the product under consideration and like article. Moreover, since present investigation is a new shipper review investigation to determine separate dumping margin for the applicants under Rule 22, therefore, product under consideration is the same.

C. Other Issues

Views expressed by interested parties and examination by the Designated Authority

19. View of the Applicants: -

- (a) The Applicants are entitled to determination of separate anti dumping margin under the provisions relating to new shipper review. The applicants or any of their related companies have not exported the subject goods during the period of original investigation. Unambiguous declaration was made by the applicants in this regard. The company was not limited to applicant companies, but extended to all their group companies.
- (b) The prescribed requirements for initiation of a new shipper review investigation is whether the applicants have exported the product either directly or through any of their related companies in the period of original investigation. Methodology that may be followed for determination of dumping margin or the companies whose data may be useful for such determination is not a prescribed requirement. The Authority is required, at best, to identify the applicant exporter who has exported or intends to export the subject goods and is demanding determination of separate dumping margin. This has been done by the applicants. Such being the case, even though it might be desirable to properly identify the producer whose data may be useful, any variation in this regard does not vitiate the present proceedings.
- (c) Even in a situation where the applicant may claim for market economy treatment and the same is denied by the Designated Authority after conducting investigations, the right of the applicants to seek separate dumping margin is not lost. At best, the normal value is not determined based on the applicants identified in the application.
- (d) Newpearl Group is not only controlling the entire activities of various plants in the group, but also day to day operations are so substantially within the control of Newpearl Group Company that the various companies under the group are operating as if the same were only a plant/unit of the Newpearl Group Company.
- (e) Newpearl Group has domestic sales. Normal value under the Rules is defined as selling price in the domestic market in the ordinary course of trade. This being the first principle, normal value is required to be determined based on selling price of Newpearl Group Company. At best, the Designated Authority may have to satisfy that such selling prices were in the ordinary course of trade. Possibly it is only for the purpose of this test that the producer concerned is required to be identified. This, however, cannot be a set a prescribed pre-initiation requirement. Applicants have identified such plants at the state of filing questionnaire response.
- (f) The applicants have not suppressed any information. In fact, the applicants themselves have disclosed complete details to the Designated Authority at the stage of questionnaire response. The allegations of malafide are therefore without substance.

- (g) The applicants are entitled for market economy treatment. Sufficient positive evidence has been provided to the Designated Authority in this regard. Even though, it is not the practice of the Designated Authority to demand information from all the group companies, the applicants have provided sufficient information in respect each entity in the group.
- (h) Normal value is required to be determined on the basis of selling price of Newpearl Group Company in the domestic market. Each sales transaction has been linked to the plant concerned to enable the Authority to apply ordinary course of trade test.
- (i) The applicants have provided cost of production of all the plants, whether or not their goods have been eventually exported to India.
- (j) The two plants whose goods have been exported have provided complete domestic sales information to India.
- (k) Only Newpearl Trade makes all exports in the group. No other company is authorized to export. Complete details of exports have been provided to enable the Authority to determine export price. The group is the second largest vitrified tiles producer in China. Individual plant of the applicant has capacity significantly higher than the Indian demand. All allegations of HR Johnson with regard to alleged ill intentions or mala fide intentions to circumvent the duty or intentions to create a shell company are baseless and without substance. The company has exports to over 65 countries in the world and has strong and robust domestic market.
- (l) HR Johnson does not constitute domestic industry. In fact, there is no opposition to the present investigation by a major portion of Indian producers.
- (m) HR Johnson has resorted to baseless arguments wholly unsubstantiated and with a clear intent to derail the present investigations in order to prevent fair priced imports in India.
- (n) Dumping margin in respect of our exports is negligible and therefore, we should be allowed to export without anti dumping duties.
- (o) The non-confidential version of the questionnaire response adequately discloses so much of the information as the applicants could have done, having regard to extreme business sensitive nature of the confidential information. HR Johnson cannot be allowed to use the present forum to obtain business sensitive market information.

20. Views of H. R. Johnson, a domestic industry

- (a) Various submissions by the applicants are undated;

(b) The applicants were related to some companies which were subjected to duties and hence the applicants did not satisfy requirements of Rule 22. There is no declaration by the applicants that they are not related to any company that is subjected to duties. Since all the companies in China are subject to duty as per the present notification, none of the Chinese companies are entitled for new shipper review unless they establish that they are not related to any company which is subject to duty.

(c) The investigation is bad in law. The mandatory requirements under the law have not been fulfilled. The applicants have not shown that the conditions required to be satisfied for initiation of new shipper review are satisfied. Investigations have been initiated based on deficient declarations and unsubstantiated claims. The petition is deficient on following accounts –

- The applicants misled the Authority on a number of accounts and made false statement
- Business licences of both the applicants were not provided.
- There is no certification by the export company and producer company. Wordings of the certification have been changed.
- No details of the actual producing companies were provided.
- No statistics provided in support of the company that the applicants were the largest producer in China.
- Sufficient details about the order placed by Indian importer and formal or informal understanding between the two parties have not been provided.
- No details have been provided with regard to the plant, whether it is a new or an old plant.
- Both the companies claimed that they intended to export the goods to India, which cannot be true.

(d) The Authority has fixed prospective POI granting an opportunity to the applicants to plan their normal value, export price. In view of special situation of Rule 22, world over such reviews are done after lot of scrutiny and care to prevent any abuse. Such prospective POI is without the authority of law.

(e) The POI is less than the minimum prescribed 12 months period and is thus contrary to the trade notice issued by the Designated Authority. No reasons have been given for fixing a period lower than 12 months.

(f) Questionnaire responses are undated and without certification.

(g) H. R. Johnson has been called upon to give their comments for the first time in Dec., 2006. No opportunity has been provided to them before this date to file their comments and participate in the investigations.

(h) New shipper reviews cannot be initiated each time an application is filed. Such reviews are required to be carried out "periodically" and the Indian Rules are at serious departure from WTO Agreement in this regard. The word periodical implies from time to time. The Authority is required to bunch such applications and then initiate the investigations. Lot of resources are being wasted by initiating investigations each time an application is received by the Authority. Rules of strict interpretation require that the words used in legislation must be given their plain meaning when the context in which they are used leads to one construction irrespective of consequences.

(i) China is a non market economy country. Normal value in China, as per decision of the Hon'ble Supreme Court has to be one and has to be determined for the country as a whole. In view of the Designated Authority's interpretation of the aforesaid decision of the Supreme Court, it is no longer open for the Hon'ble Authority to determine any individual normal value for any exporter - new or old. It follows that the individual dumping margin for a new shipper can also be determined only on the basis of its export price by making a comparison for the normal value determined for the country as a whole. Since the normal value has already been determined in the original final findings which have also been upheld by the Tribunal, the Designated Authority can only determine the export price for the new shippers under Rule 22 under the present proceedings. The difference between the two may be taken as individual dumping margin for the new shippers provided they pass the pre-conditions for maintainability of the present proceedings.

(j) Applicants do not satisfy market economy requirements.

(k) Confidentiality claimed by them is contrary to the decisions of the CESTAT and Supreme Court. Further, even documents on which confidentiality has not been claimed have not been disclosed to other parties. The public file contains no decision of the Authority granting confidentiality of various documents. Some of the claims on confidentiality are contrary to the legal provisions in China. No reasons have been given for claiming various information confidential. A number of information filed on confidential basis is without any non confidential summaries.

(l) The questionnaire response is deficient and the applicants have resorted to excessive confidentiality. Replies to some of the questions are vague. Response filed is beyond the due date and is without certification. Various parts of the questionnaire are either inadequately answered, or the replies are evasive or the incomplete. The Authority can not proceed with such an incomplete response. Same questionnaire has been used by the producing and trading companies, whereas such questionnaires should be different. Authority has not laid down sufficient requirements.

21 Examination by the Authority

(a) The Authority considers that the present investigations were correctly initiated. Rule 22 relating to new shipper review states as follows:

22. Margin of dumping, for exporters not originally investigated. - (1) If a product is subject to anti-dumping duties, the designated authority shall carry out a periodical review for the purpose of determining individual margins of dumping for any exporters or producers in the exporting country in question who have not exported the product to India during the period of investigation, provided that these exporters or producers show that they are not related to any of the exporters or producers in the exporting country who are subject to the anti-dumping duties on the product.

(2) The Central Government shall not levy anti-dumping duties under sub-section (1) of section 9A of the Act on imports from such exporters or producers during the period of review as referred to in sub-rule (1) of this rule :

Provided that the Central Government may resort to provisional assessment and may ask a guarantee from the importer if the designated authority so recommends and if such a review results in a determination of dumping in respect of such products or exporters, it may levy duty in such cases retrospectively from the date of the initiation of the review.

(b) It is evident from the above that the intention of Rule 22 is to determine individual dumping margin in respect of an exporter or producer who did not export the subject goods in the period of original investigation. Since such companies did not export subject goods in this period, the Designated Authority could not have determined dumping margin in respect of their exports at the time of original investigations. These exporters were not found to have resorted to dumping at the time of original investigations. The purpose of the new shipper review provision is therefore to provide an opportunity to such an exporter to claim their own dumping margin considering that these exporters have been granted residual dumping margin during the original investigations.

(c) The pre-conditions for determination of dumping margin under rule 22 are—

(i) such exporter should not have exported in the period of original investigations;

(ii) such exporter should not be related to any exporter or producer who might have exported in the period of original investigation.

(d) The Authority notes that there are no other threshold requirements at the stage of initiation under the rules. The rules do not require the applicants to pre-decide how they propose to establish their normal value nor does the rule

prescribe that the Authority is required to determine whether the exporter is entitled for market economy treatment. In fact, para 7 and 8 of Annexure I clearly provide that the Designated Authority shall decide whether the company located in China is entitled for claiming market economy treatment. It is only in those situations where the Designated Authority finds that the concerned Chinese companies satisfy market economy tests that the Designated Authority can use their own data/information to determine normal value. Such determination can obviously be made only after the investigation is initiated.

i. In the instant case, the following applicants made the application for new shipper review:

- i) Guangdong Newpearl Ceramics Group Co., Ltd. (Newpearl Group)
- ii) Foshan Newpearl Trade Co., Ltd. (Newpearl Trade)

(e) In their application, the applicants made, inter-alia, the following claims: -

(a) That the applicants had not exported the material during the period of original investigation;

(b) That the applicants were not related to any exporter or producer who had exported during the period of original investigations.

After examining the application, the Authority holds that the above declaration very clearly establishes that neither the applicants nor any of their related companies had exported during the period of original investigations.

(f) Having satisfied prima facie on the basis of positive declaration made by the applicants, the Authority initiated new shipper review investigations vide notification no 15/3/2005-DGAD dated 25th August, 2005 to examine whether the applicants satisfy the requirement of rules relating to new shipper review, and if so, to determine dumping margin in respect of their exports. The applicants were provided a period during which they could export the material to India and thereafter claim an individual dumping margin on the basis of such exports made in this period. The applicants were required to file their questionnaire response within 40 days after the expiry of the investigation period.

(g) The applicants filed questionnaire response within the extended time limit. The response filed by the applicants showed that detailed information had been provided additionally in respect of the following two companies:

- (i) Foshan Sanshui Huiwanjia Ceramics Co Limited (Huiwanjia)
- (ii) Foshan Summit Ceramic Co. Limited (Summit)

(h) Considering that Newpearl Group and Newpearl Trade made the application before the Authority, the applicants were called upon to establish how the Authority could consider the information provided in respect of two more companies. The applicants filed

elaborate submissions justifying inclusion of the two companies in the investigation to determine dumping margin and argued that

- (i) the goods sold to India were produced by the two units whose data was now being provided;
- (ii) the data is being provided only to enable the Authority to apply ordinary course of trade test in respect of domestic sales made by Newpearl Group;
- (iii) the data clearly shows that Newpearl Group has domestic sales and thus normal value shall be determined based on domestic sales of Newpearl Group;
- (iv) the only threshold requirement for initiation was that the applicants should satisfy the requirement of new shipper review provisions. The response now being provided concerned determination of dumping margin;
- (v) the methodology to be applied for determination of normal value and dumping margin was not required to be pre-fixed at the stage of initiation.

(i) Barring HR Johnson, none of the Indian producers have participated in the present investigation. HR Johnson was therefore provided an opportunity to comment on the submissions made by the applicants. No comments were however, made by HR Johnson till the stage of oral hearing.

In their post-hearing written submissions, HR Johnson has argued that the investigation is flawed and the investigations was required to be terminated. The company claimed that the producer companies whose goods have been exported to India had not come forward at the stage of application. It was however not established by HR Johnson that non-disclosure of this information at the stage of petition and non-inclusion of the producer companies as applicant companies at the stage of initiation renders the initiation and subsequent investigations flawed. It has not been established by HR Johnson that the Authority is prevented from proceedings further with the conduct of the investigation and establishing dumping margin in respect of the applicants because of non-disclosure of the identities of the related parties (producers) of the applicant whose goods were to be exported to India during the relevant period.

(j) The Authority considers that normal value under the rules is defined as under:

9A(1)(c) "normal value", in relation to an article, means -

- (i) the comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
- (ii) when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either -

- (a) comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or [territory to] an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
- (b) the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6) :

Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transhipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.

While it is evident that the Authority has to apply ordinary course of trade test, for which information on cost of production is vital, it is noted that the applicant during the process of investigation submitted details of the related parties two of them are the producers of the subject goods whose goods have been exported to India by the applicant through the another related company M/s Newpearl trade Company Ltd, who is an exporter. During the investigation process, it was noted that M/s Newpearl Group has significant domestic sales, far more than individual sales of the two producer companies. Moreover, the investigation has shown that Newpearl group is operating not only as a group company, but also completely controlling the entire business activities and operations of all the companies under the group. In fact, the spot verification at the premises of the applicants and group companies showed that various companies are practically operating as a unit of Newpearl Group Company.

(k) Having regards to the legal provisions, evidence before the Authority, information filed during the course of investigation by the applicants and HR Johnson, a domestic producer, on the spot verification conducted by the Authority not only at the premises of the applicant companies, but also at the premises of the two producer companies and another related company not party to the present petition but engaged in production of the subject goods, the Authority proposes to hold that the initiation and continuation of the present investigation is justified and the applicants are entitled to seek an individual dumping margin.

(l) Exports in the investigation period of original investigation.

The Authority examined whether the company or any of its related company exported the product concerned to India in the investigation period of the original investigation. The applicants claimed that for exporting any product from China, a customs registration is required and this customs registration was not available with the applicants or any of its related entities in the entire group at the time of original investigation period. Further, investigation has shown that only the following companies existed at the time of original investigation period -

- Guangdong Newpearl Ceramic Group Company Limited
- Foshan Newpearl Decorative Ceramic Co Limited

The records confirmed that barring these entities, no other company could have exported the product concerned to India during original investigation period. The applicants were therefore directed to establish that these entities did not export the product concerned to India. The applicants provided a copy of VAT return filed during the investigation period of original investigation in respect of these entities. VAT return filed by the two companies existed at the time of investigation period of original investigation were examined. It was seen that VAT refund column for both the companies in the 12 reports for the investigation period of original investigation was blank. Thus, this record showed that these entities have not claimed any VAT refund during the investigation period. In other words, it did not appear that these companies could have exported the product concerned or any other product either to India or any other country.

Examination of Procedural Issues -

22. With regard to various procedural issues raised by HR Johnson, the Authority holds as follows:

(i) The applicants have represented themselves through their authorized representatives. Various information filed before the Authority is through a cover letter, which is filed by their authorized representative. The allegations with regard to undated applications or initiation based on original petition are therefore unfounded. The applicants made an up-dated application before initiation and this updated application has formed the basis for initiation.

(ii) There is no basis on the allegation that the fixation of prospective period of investigation provides an opportunity to an exporter to plan their normal value or export price. No evidence has been provided establishing that either the normal value or the export price was doctored in any manner.

(iii) The Authority issued a public notice of initiation and all parties were entitled to make comments and participate in the present investigation. However, the majority of Indian producers have preferred not to participate in the present investigations. HR Johnson also made no efforts to offer any comments at the stage of initiation. Even though the company was specifically called upon to offer comments vide letter dated 18th December 2006, the company till the stage of post hearing written submission filed no comments.

(iv) The Authority notes that the Authority has prima facie satisfied itself with the fact that the applicants satisfied the contentions laid down under Rule 22 before initiating the new shipper review investigations. The detailed investigations have been carried out after initiation in order to establish whether the applicants fully satisfied the requirement laid down under rule 22 and to determine the individual dumping margins.

(v) The applicants provided business license of both the applicant companies before initiation of investigation. Business licenses of both producing units as also other companies in the group have also been provided during the course of investigations and the information has in no way established that the initiation or investigation is vitiated.

(vi) With regards to details of export order to the applicant by the importer, it is noted that details of export order placed by the purchaser in India were provided on confidential basis. The Authority has allowed confidentiality of the same, considering that this constitutes business sensitive information.

(vii) With regards to fact whether it is new plant or has the old plant taken over by the applicant, it is noted that while the investigation has shown that old plants have been acquired, the Authority has not found any evidence that there have been any exports by the old entities during the original period of investigation.

(viii) With regards to the issue of absence of formal or informal understanding between exporter and importer, the Authority does not consider that any formal or informal understanding between the exporter and importer is necessary under the rules.

(ix) With regards to the issue that no indication about the quantity proposed to be exported was provided to the Authority, it is noted that there is no requirement to pre-decide the volume of exports proposed to be made by the applicants.

(x) With regards to possible abuse of the system, the Authority notes that it is important to ensure that the provisions are not being abused by conducting an adequate investigation into the genuineness of the 'new shippers'. The Authority needs to examine that such applicants are not related to the exporters or producers in the exporting country who are subject to the anti-dumping duty. Determination of individual dumping margin for such applicants is contingent upon such applicants establishing that they are not related to any exporter attracting ADD. With respect to possible false declarations being made by new shippers, it is noted that after examination of the facts of the case, no misuse or abuse of rule 22 in the investigations conducted in this case so far has been brought to the notice of the Authority. More over, the Authority has not come across any misuse by the new shipper during the process of investigations. It is also noted that the Rules itself also provides sufficient safeguards in this regard, wherein it provides that such importers may be asked to furnish bond or guarantee, as the Central Govt. deem fit in facts and circumstances of each case.

(xi) With regard to the argument that the Authority is required to conduct periodic reviews, the Authority notes that there are no time intervals prescribed under the Rules. On the contrary, harmonious construction of various provisions only implies that as and when the occasion arises to determine the individual margins, the authority should intermittently undertake a review. Rule 22 investigations do not call for full-fledged investigation of the nature covered by rule 5 or rule 23. Scope of Rule 22 is extremely limited. The Rules

have clearly granted sufficient flexibility to the Authority to decide when to undertake the review, without prescribing any time intervals.

(xi) With regards to any possible departure of new shipper review under rule 22, the Authority does not consider that there is any conscious and serious departure from the WTO Agreement with regard to new shipper review investigations in the Indian law.

D. Examination of the issue of Confidentiality

23. The Designated Authority notes that M/s H R Johnson has raised issue of confidentiality of information by the applicants. H R Johnson in its written submissions filed subsequent to the oral hearing and also in its rejoinder submissions have raised the issue. The Designated Authority notes that the Hon'ble CESTAT in their order dated 19.5.2005 in the matter concerning H R Johnson v/s. Designated Authority dated 19.5.2005 has observed that:

- i) In terms of Rule 7(1) information submitted on a confidential basis shall be treated as confidential only when the Designated Authority is satisfied as to its confidentiality.
- ii) The Designated Authority is not required to mechanically treat the information provided by a party as confidential merely because that party has desired it to be kept confidential.
- iii) The Designated Authority has to be satisfied about the confidentiality of the information on the basis of various factors such as nature of the information and whether such type of information is by law custom, usage or practice treated as confidential.
- iv) The Designated Authority has not passed any formal order in the matter of confidentiality in this particular case.

24. The Authority notes that Rule 7(1) provides that the Designated Authority shall treat any information submitted on a confidential basis as confidential upon the Designated Authority being satisfied as to its confidentiality. Rule 7(1) also enjoins a duty on the Designated Authority that if the Authority is satisfied about its confidentiality, such information shall not be disclosed to any other party without specific authorization of the party providing such information.

25. Further, Rule 7(2) states that the Authority "may" require the parties providing confidential information to furnish non-confidential summary thereof. It also provides that if such confidential information is not susceptible of summary, the interested party may submit a statement of reasons as to why summarization is not possible.

26. Further, Rule 7(3) provides that if the Authority is satisfied that the request for confidentiality is not warranted or where the supplier of the information is unwilling to make the information public or authorize its disclosure in a generalized or summary form, the Authority may disregard the information.

27. In the light of the above, the Authority has examined the confidentiality claim of the interested parties and has taken guidance from the relevant provisions of WTO Anti dumping Agreement [ADA]. Article 6.5 of ADA talks about two distinct categories of information, namely:

- a) Information which is by nature confidential; and
- b) Information which is provided on a confidential basis

28. The information, which is by nature confidential has been elaborated in the ADA as: (a) information, disclosure of which would be of significant competitive advantage to a competitor; or (b) information, disclosure of which would have a significantly adverse effect upon a person supplying the information or upon a person from whom that person acquired the information. The Authority notes that rule 7(1) states that information shall be treated as confidential "upon the Designated Authority being satisfied as to its confidentiality". The Authority has examined the confidentiality claims in this case.

29. The new shippers had treated prices and quantity ordered in Sq. Meters as confidential information in their request for new shipper review. The information relates to volume of intended export sales and its prices and the Authority has considered such information confidential.

30. The new shippers claimed the names of shareholders, amount and percentage of shares held by them in various group companies as confidential. According to the new shippers, such information was not available to the public and was highly business sensitive especially in the light of intense competition among new entrepreneurs to enter the lucrative tiles market in China wherein even established players in the industry were looking for avenues for expansion and disclosure of the names of shareholders, amount and percentage of shares held by them would give sufficient information about the details of shareholders to their business competitors who were looking for newer investment opportunities. It has been claimed by the applicants that the Chinese law did not put any obligation on a Chinese limited liability company to disclose the names of shareholders, amount and percentage of shares held by them to the public. On the other hand, M/s. H & R Johnson argued that the names of shareholders could not be treated as confidential. The Authority notes that H&R Johnson did not bring in any evidence to show that the names of shareholders can not be claimed confidential. On the other hand, the Guidelines for preparing public versions of Exporters' questionnaire response issued by European Commission states that names of parties could be treated as confidential.

31. After due examination, the Authority notes that in an era of global acquisitions, mergers and takeovers, there could be a genuine apprehension that others might use such information for adverse takeovers or other such purposes and thus it may bring in adverse effects on the persons/companies supplying such information. In view of the

same, the Authority is satisfied about the claim of confidentiality of information relating to names of shareholders and the amount and percentage of shares held by them.

32. The new shippers claimed that names of suppliers of raw materials, utilities etc including various evidences and documents regarding procurements of these should be treated as confidential as such information would reveal the sources of their inputs to their competitors which could in turn give undue significant advantage to their business competitors within China. On examination of claim, the Authority found merit in their contention and accordingly treated such information as confidential.

33. Regarding disclosure of annual reports, Designated Authority notes that the applicants and the related companies are limited liability incorporated under the Chinese Company law. It has been claimed by the applicants that it is not mandatory under the Chinese company law to disclose the annual accounts, auditor's report etc to the public. The annual accounts, auditor's report etc were required to be given only to the shareholders of the company under the Chinese Company Law. The Authority did not find any reason to disagree with the claims of the new shipper.

34. The applicants claimed confidentiality with regard to certain information pertaining to corporate structure, marketing and selling arrangements, accounting and financial practices and other sensitive information pertaining to costs and prices, the disclosure of which would have been of significant competitive advantage to a competitor and would adversely affect the business of the company. The Authority considers information relating to costs and prices as 'information by nature confidential'. Accordingly, Authority accepts the confidentiality claims with regard to Appendices 1 and 2 as they contain transaction wise details relating to sales and prices in the home market and export to India. Appendices 2A, 3, 3A, 3B, 3C, 4, 5, 6, 7, 8, 8A, 8B, 8C and 9 contain summary information relating to volume and value of sales, volume and cost of production, etc in respect of which the applicants have provided indexed information in the non-confidential version thus, giving a meaningful summary of the information submitted in confidence. Accordingly, such confidential claims are accepted by the Authority.

35. The new shipper claimed confidentiality with regard to various other information such as employees and average wages paid, investments, documents generated in the course of sales in their company. The Authority notes that such information is closely linked to selling price and cost of production of the product concerned, thus, by nature confidential. Accordingly, the confidentiality claim is accepted.

36. Post disclosure, the M/s HRJ has raised a number of arguments with regards to the time lines of the investigations i.e. dates on which various documents and letters were exchanged between the Authority and the applicants. In this regard, they have asked the Authority to give them copies of all correspondences between the authority and the applicants. In particular, they have requested the authority to spell out whether any specific questionnaire was issued to the related entities of the group company and whether the ordinary course trade test was carried out for the company who had

nothing to do with the exports made to India during the period of investigation. They have also requested the authority to explain the basis on which various decisions of the authority have been based in the disclosure statement specially in the areas of relationships, non-disclosure of the names of the producers at the time of filing of the application, names of all related companies in their non-confidential response, reasons for not coming out with verification report in the non-confidential version, various examinations made by the authority during the pre-verification investigation and also during verification of the information filed by the applicants, information pertaining to other related companies and also the basis for determination of dumping margin when the applicant has not exported the subject goods to India. Further, with regard to responses filed by the applicant concerning grant of market economy treatment, the domestic industry has requested the authority to explain in greater detail the basis of determination made by the authority with regard to various criteria given in the Annexure 1 of the antidumping rules. In particular, they have requested the authority to explain as to whose dumping margin has been determined in the disclosure statement. It has also been requested by the domestic industry that the authority should explain as to whether the cost of production was determined for each of the plants and whether the authority had visited all such plants to reach a conclusion with regard to cost of production.

37. In the response to the disclosure statement, M/s HRJ has submitted that the applicants have made grave misrepresentation and mis declarations which have also been acknowledged by the authority in their disclosure statement. In particular, they have mentioned that the applicants have mentioned only seven related companies as against thirteen which have been verified by the authority. It has also been submitted that the dumping margin claimed by the group company in their application is different from the dumping margin determined by the authority with regard to two producing companies. In their replies to disclosure statement the domestic industry has named several other companies which are related to the group company and has requested the authority to examine its implications. They have also reiterated their submissions made prior to the issuance of disclosure statement with regard to confidentiality and also on the scope and interpretation of rule 22. In particular, they have mentioned earlier CESTAT decisions. It has also been mentioned by the domestic industry that non-disclosure of vital facts by the applicants during the entire investigation is a grave misdeclaration which should not be rewarded by the authority in granting the applicants a separate dumping margin. They have also brought the attention of the authority to the Supreme Court judgment in the M/s. Reliance case and has stated that the designated authority cannot grant an individual normal value in view of the interpretation resorted to by the designated authority subsequent to the case of Reliance Industries Ltd. They have also commented upon the incomplete public file where the correspondences by the authority and verification reports are missing. In particular, they have pointed out that misdeclarations and misrepresentation by the applicants during the process of investigation should be considered as fatal and the investigation should be terminated in line with similar action taken by Authorities in other countries. They have also requested the authority to place the letters of correspondence, the information received by the authority at all stages of the investigation, copies of annual accounts, details of

about VAT filings, reasons for the claim of confidentiality and verification reports and comments filed by the applicants.

38. In the reply to the disclosure statement, the applicants have stated that M/s. H.R. Johnson, a domestic producer should not be taken as domestic industry by the authority. It has also been added that M/s. HRJ should not be allowed to raise fresh issue in their comments to the disclosure statement.

39. The Authority has examined the submissions made by H. R. Johnson and the same have been considered while recording these findings. It is noted that amongst Indian Producers, only H. R. Johnson has participated in the present investigations. None of the other Indian Producers have made any submissions.

40. It is noted that the authority has acknowledged various facts and concerns of various interested parties in the disclosure statement to the extent considered relevant by the authority. It is also noted that the copy of non-confidential version of the response/information/submissions filed by all interested parties in general were placed in the public file. The designated authority has allowed the claim of confidentiality to the applicant who had claimed along with the reasons for grant of confidentiality treatment with regard to their information pertaining to their shareholding pattern, annual accounts, costs & prices (and information incidental thereto), customers identities, business operations, etc (after satisfying about the claim that these are business propriety information the divulgence of which would harm the interests of applicant) . With regard to placing the verification report and correspondence in the public file, it is noted that the designated authority does not provide verification report and copies of its correspondence to other interested parties as a consistent practice. In any case, various issues raised, discussed and facts disclosed, have been discussed in detail in the disclosure statement. It is also noted that The Authority notes that the purpose of disclosure statement is to provide opportunity to all interested parties to comments on various facts brought by various interested parties during the course of an investigation. Since HRJ has been provided adequate opportunity to comment through earlier letters, public hearing , written submissions and rejoinders and also through this disclosure statement, the Authority holds that adequate opportunity has been provided to interested parties participating in the investigations. With regard to the alleged violation of Rule 22, it is stated that the rule 22 requires two conditions and the applicant had fulfilled the both the conditions prior to initiation and these conditions have been found to be correct subsequently by the authority during the investigation. It is further noted that the basic purpose of initiation is the investigation and before initiating an investigation, the authority satisfied itself on a prima facie basis, based on the evidence presented before it and asking more information based on the information presented and analysis of the information received. With regard to fact that not all the related party information was available in the public file, it is noted that the applicant had submitted the list of all thirteen companies along with their shareholding patterns and other details at the time of response to the exporters questionnaire though the same was not made available by them in the non confidential submissions. The authority agrees that the same should have been made available by the applicants in their non

confidential submissions also. However, it also notes that the non submission of these details could not be treated as fatal to the entire proceedings. However, it is noted that the group company has made declaration at the time of filing the request for new shipper review with regard to two conditions mentioned in the Rule 22. Thereafter, the new shipper review was initiated with the name of group company as producer and its affiliate trade company as the exporter of subject goods. However, in response to the exporter's questionnaire, the group company mentioned the two other companies name (terming as their plants) whose goods have been exported through their affiliate company M/s. Foshan New Pearl Trade Company Ltd to India. The authority, before proceeding with the further investigation asked more information from the group company with regard to two of its affiliates who was mentioned as producers of subject goods in their response. Thereafter, the appendix wise information pertaining to these two companies along with the group company and their exporter affiliate company was provided to the authority. Before verification, the authority asked the group company to keep ready all their documents pertaining to all their affiliate companies with regard to cost of production, shareholding patterns, sales and production and other details which the authority may like to verify in order to satisfy itself with regard to grant of market economy, entitlement of applicants as a new shipper and various relevant information concerning determination of dumping margin.

41. With regards to name of importer not mentioned in the exporters response, it is noted that the statement of the H & R Johnson is factually incorrect as in the non-confidential version of the response itself, name of importer has been mentioned. With regards to the other submissions, it is noted that applicant vide its letter dated 21 Sept 2006 (a copy of which was provided to M/s HRJ for their comments) has made it clear that their company is a group company. Claim of the group company has been checked and verified by the Designated Authority during the verification visit. With regards to verification of the importers' data, it is noted that Authority has checked and verified all the transactions for export to India in the investigation period and therefore, did not find it appropriate to do any further check with customs. With regards to business license of exports of group company, it is noted that the Designated Authority has examined and verified the details of each related companies including their business activities, establishment dates, operational structure etc. it has been found by the Designated Authority that no other company in the group other than trade company has license to export.

42. On the issue of different related companies of the group companies and their relationships, it is noted that the fact that separate legal entities were operating in a concerted manner and the fact that Group Company is providing lot of operational support to various companies in the Group do not make these entities as operating in non-market economy environment. It is, however, appreciated that expenses incurred by the Group Company are required to be proportionately charged onto various companies to whom services have been provided for the purpose of determination of dumping margin. The Authority has therefore, appropriately apportioned the selling, general and administration overheads incurred by the Group Company onto various

producing and trading companies and has determined dumping margin. With regard to information relating to different types of product under consideration, the Authority notes that the exporter has filed information in its questionnaire response, identifying therein different types of products involved.

43. With regard to scope of Rule 22 and entitlement of the applicant to new shipper review, the Authority notes that the requirement under the law is that the applicant should not have exported the material in the period of original investigation and that the applicant should not be related to any company which had exported during the period of original investigation. Investigation has not revealed that there were any exports during the period of original investigation either by the applicants or their related companies. The Authority considers that the requirement under the law is that the applicants should not be related to any of the exporters or producers in the exporting country who are subject to anti dumping duties and in this regard, the Authority is required to examine whether the applicants are related to any exporters or producers in the exporting country who had exported the product during the period of original investigation and are now subject to anti dumping duties. The phrase does not include those companies who had not exported during the period of original investigation.

44. It has been argued that normal value determined is inconsistent with the decision of the Hon'ble Supreme Court in the matter of Reliance Industries Ltd Vs. Designated Authority. According to H.R. Johnson, the decision states that normal value is country specific and therefore a separate normal value cannot be determined for the applicants. The Authority, however, holds that the present determination is not inconsistent with the decision of the Hon'ble Supreme Court. In the instant case, the information for the relevant period is available only with regard to the applicant companies and therefore the normal value so determined constitutes normal value for the exporter as also normal value of the product under consideration in China. The Authority holds that in a situation where there is only one responding exporter and no other information on record with regard to price of other producers/exporters in China for the investigation period, the normal value so determined on the basis of the information provided by the applicants has to be held as normal value of the product under consideration in China. The normal value determined in the original investigation cannot be applied in the present case for the reason that the normal value determined in the original investigation pertained to that investigation period. Various requirements laid down under the rules make it evident that the normal value so determined should be based only on the information relating to the investigation period. The Authority holds that the normal value varies from time to time and in fact a change in normal value is sufficient ground to invoke Rule 23 and re-determine the dumping margin. In view of the above, it cannot be said that normal value would remain the same regardless of the time period. With regard to comments of H&R Johnson on various information filed and dates thereof, it is submitted that the applicants had filed their application on 2nd May 2005. Subsequently various additional information/clarification desired by the Designated Authority were provided by

the applicant vide their letter dated 7th June, 2005 and 14th July, 2005. The petitioner filed updated application on 12th August 2005, incorporating therein additional/supplementary information filed. A non-confidential version of the application was filed vide letter dated 16th August 2005. The Authority initiated investigation on 25th August 2005, considering investigation period as 1st September 2005 to 28th February 2006. The applicants filed confidential response to questionnaire on 3rd May 2006, which included information not only with regard to applicant companies, but also with regard to two related companies, whose goods were exported to India during the relevant period. Accordingly, the applicants were asked to clarify factual position and the reasons for providing information with regard to the producing companies vide DGAD letter dated 19th May 2006. The applicants filed a reply vide letter dated 7th June 2006 and 21st Sept, 2006. A letter was sent to H&R Johnson on 20th Dec 2006 enclosing therewith letter dated 21st Sept., 2006 filed by the applicants. H&R Johnson was asked to give their comments. No comments were, however, received from H&R Johnson till the stage of oral hearing. The Authority held an oral hearing on 21st February 2007, which was attended only by the applicants and H&R Johnson. The parties were directed to file written submission by 2nd March 2007 and rejoinder submission by 9th March 2007. Written submissions have been filed by the H&R Johnson and applicants and rejoinder submissions has been filed by H&R Johnson. Vide letter dated 17th April 2007, the applicants stated that the Group Company itself had sufficient domestic sales to permit determination of normal value. Simultaneously, vide separate letter, the applicants filed updated appendixes. Vide letter dated 27th April 2007, the applicants filed a letter giving reason for claiming confidentiality of various information filed. Verification visit was conducted between 10-18th May 2007 which included on site inspection of group company M/s Guangdong Newpearl Ceramic Group Company Limited and two producing related companies i.e M/s Foshan Shanshui Huiwanjia Ceramic Company Limited and M/s Foshan Summit Ceramic Co. Limited and exporter, M/s Foshan Newpearl Trade Co Ltd.. Vide letter dated 25th May 2007, the applicant filed a non-confidential letter, listing therein various information provided at the time of verification. The Authority issued verification report on 4th July 2007 to the applicants, comments on which were filed on 8th July 2007. Separately, on the same day, M/s Kajaria Ceramics Ltd. also filed importers questionnaire response (- confidential). The Authority issued disclosure statement on 30th July 2007, on which the applicants filed comments on 2nd August and by H. R. Johnson on 10th august 2007.

E. Determination of normal value, export price and calculation of dumping margin

E1 View of the applicant and domestic industry

45. Views of appellant and opposing parties with regard to dumping have been dealt in part C & D of the final findings.

Examination of market economy treatment and determination of dumping margin

46. The Designated Authority as per para 8 (2) of Annexure I of the Rules for the purpose of determining normal value, proceeded on the basis of presumption that any country that has been determined to be or has been treated as, a non market economy for the purpose of anti dumping investigation by the Designated Authority or any other country member of WTO during the three preceding years. In the past three years, USA, EU i.e. member of WTO as also Designated Authority in India have treated China as a non market economy country in all the anti dumping investigations. In the present investigation China was proposed to be treated as non-market economy country.

47. The Authority sent market economy treatment questionnaire and exporter questionnaire to applicants. The applicants filed response in support of their claim of MET treatment and requested for determination of normal value based on sales in the domestic market. In view of their claim of market economy treatment, verification was carried out at the premises of applicants. The applicants have claimed that they are operating based on market economy principles irrespective of prevailing economic situation of the country without any direct or indirect state interference or influence in their business activity.

48. In anti dumping investigation normal value concerning imports from China PR has to be determined in accordance to Annexure I para 7 and 8. Para 7 of Annexure 1 provides that

49. In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in a market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India, or where it is not possible, on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin.

50. Further para 8 of Annexure 1 of Rules (amended) provides that

8(1) The term "non market economy country" means any country which that Designated Authority determines as not operating under market economy principles of cost or pricing structure so the sales of merchandise in such country do not reflect the fair value of the merchandise, in accordance with the criteria specified in sub paragraph (3)

2. There shall be presumption that any country that has been determined to be, or has been treated as a non market economy for the purpose of an anti dumping investigation by the Designated Authority or by competent authority of any WTO member country during the three years period preceding the investigation is a non market economy country.

Provided however, that a non market economy country of concerned firm from such country may rebut such a presumption by providing information and evidence to the Designated Authority that establishes that such country is not a non market economy country on the basis of the criteria specified in sub-paragraph (3)

51. It is noted that the applicants furnished /evidences and information as mentioned in para 8 (3) of Annexure I of Anti Dumping Rules to enable the Designated Authority to consider the following criteria as to whether

- (a) the decisions of concerned firms in such country regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment, are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;
- (b) the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;
- (c) such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms, and
- (d) the exchange rate conversions are carried out at the market rate:

52. Detailed questions regarding ownership, management, control, determination of commercial and business policies and on financial situation etc. were addressed to the applicant. The responses filed by the new shipper were analyzed to determine whether the applicant exercised a degree of independence from the Chinese Government comparable to what would prevail in a market economy country. The Authority sought general and certain specific information with regard to the following parameters from the applicants:-

- Ownership details
- Shareholding patterns
- Information on promoter/holding company/companies
- Constituents of Board of Directors, their legal status and person/party being represented by them.
- Raw Material Inputs and Costs
- Existence or otherwise of any minimum wage stipulation by the State and if the enterprises are free to decide wages as per market demand.
- Production Facilities and Costs
- Loans and subsidies
- Barter Trade/ Counter Trade
- Profit Distribution

- Bankruptcy and property laws
- Exchange rates conversions

53. Verification at the premises of the applicants companies and its related companies was conducted from 11th May 2007 to 17th May 2007. The exporter was asked to provide complete details of all the companies in the group, including their present and past ownership, establishment date, product involved, the manner in which these companies were set up, source of funds, etc. A list of 13 group companies along with their ownership details was provided. Based on verification, out of 13 companies in the group, following 6 companies are involved in production and/or sales of glazed/polished porcelain tiles.

- (a) Foshan Shanshui Huiwanjia Ceramic Company Limited.
- (b) Foshan Guanzhu Ceramics Company Limited.
- (c) Foshan Aolin Jinggong Ceramics Co Limited.
- (d) Foshan Summit Ceramic Co. Limited.
- (e) Foshan Gelaisi Ceramics Co. Ltd.
- (f) Gaoyao Goldensun Ceramics Co Ltd.

Following companies are involved in production of Ceramic Tiles and Sanitary Ware:

- (a) Foshan Shanshui Newpearl Building Ceramics Company Limited.
- (b) Foshan Newpearl Decorative Ceramic Co Limited.
- (c) Foshan Summit Sanitaryware Corporation Ltd

Following companies are involved in trading activities:

- (a) Guangdong Newpearl Ceramic Group Company Limited.
- (b) Foshan Newpearl Trade Co Ltd.
- (c) Foshan Newpearl Oil (Petroleum) Co Limited.
- (d) Foshan Huiwanjia Ceramics Co Limited.

54. It was seen that the group has organized itself in such a manner that certain group companies are undertaking responsibility for production, while others are undertaking exports. M/s. Guangdong Newpearl Ceramic Group Company and Foshan Newpearl Trade Company are involved in selling the goods produced by their group companies. While Newpearl Ceramic Group is selling in domestic market, Newpearl Trade is undertaking exports. Production activities are undertaken by following group companies

- (a) Foshan Shanshui Huiwanjia Ceramic Company Limited.
- (b) Foshan Guanzhu Ceramics Company Limited.
- (c) Foshan Aolin Jinggong Ceramics Co Limited.
- (d) Foshan Summit Ceramic Co. Limited.
- (e) Foshan Gelaisi Ceramics Co. Ltd.

- (f) Gaoyao Goldensun Ceramics Co Ltd.
- (g) Foshan Shanshui Newpearl Building Ceramics Company Limited.
- (h) Foshan Newpearl Decorative Ceramic Co Limited.
- (i) Foshan Summit Sanitaryware Corporation Ltd

55. It is found that the companies are having common shareholding. Shareholding of various group companies are controlled by common set of persons. It was also found that employees of various companies to a very great extent are interchangeably working for various companies to such an extent that practically there appeared little difference. For example, an employee of Group Company was equally involved in undertaking works which could be otherwise of other company in the Group. Various companies are to a great extent sharing common facilities. Though, there was no legal adjustment, the present set-up was undertaken because of the nature of shareholding, where common persons are controlling all the group related companies.

56. Verification of the information submitted concerning Market Economy Status and as contained in the response to Exporters Questionnaire has been conducted to cover the following aspects:-

- (a) Legal Structure of group companies (including all related companies).
- (b) Activities of group Companies and inter-linkage, if any.
- (c) To satisfy the test contained in the parameters listed in Annexure I (8) of Indian Anti Dumping Rules.
- (d) Operating structure of group companies (including all related companies).
- (e) Data/information submitted in response to the questionnaire.
- (f) Others Misc information called on the spot.

Legal structure of the applicants:

57. The Authority has verified legal structure of all the companies in the group. Establishment/acquisition details in respect of exporting and producing companies which were transformed to private ownership were verified. It was found that :

58. First company of the group is Foshan Newpearl Decorative Ceramic Co. This company has been established in 1993 originally as a collectively owned enterprise (Town and Village Enterprises). Subsequently, it was sold through a public auction. Documents relating to auction, payment, receipt of payment by the seller, loan documents of the bankers, payment documents to the bankers were called for and verified. Annual report of the Foshan Newpearl Decorative Ceramic Co. was called since 1998 and verified. The Authority also examined as to how the valuation of the assets has been done and the detailed information made by the applicants was verified by on spot verification. The company was asked to substantiate as to how it can be claimed that the bid price was actually at the market price. In this regard, documents regarding book value of assets/bid value, valuation of assets were

shown. It was seen that as per the valuation documents, the book value of assets was significantly lower than bid value and price paid.

59. It was then examined whether the company was involved in production or sale of product concerned. Foshan Newpearl Decorative Ceramic Co. was never involved in production and sale of the product concerned. The company was earlier producing ceramic tiles and even now it continues to do so. It is further noted that the investigation did not show that the company got any direct or indirect benefit from the Government of China at the time of acquisition or thereafter, except for VAT refund on exports.

60. Guangdong Newpearl Ceramic Group Company (formerly known as Guangdong Nanhai High Grade Decorative Tiles Factory) was 2nd company acquired in 1998. Earlier, it was a producing company. The payment term of the agreement were verified. Subsequently, in 2003 when this became group company from Guangdong Nanhai High Grade Decorative Tiles Factory, its production setup was shifted to a new name i.e. Foshan Guanzhu Ceramic Company Limited. Its valuation and acquisition documents were verified. It was seen that book value of assets was lower than value paid.

61. Foshan Summit Ceramics Company Limited was acquired in 2001. Documents relating to transformation of company were verified. This company was owned by a private party. Payment terms of this company were also verified. Documents relating to transfer agreement and valuation were also verified. It was seen that book value of assets was lower than value paid.

62. The verification team examined claim of market economy treatment by the applicants. Though claim was extended to the whole group, considering that in a situation where the applicant has more companies within the group engaged in production or sale of the product concerned, it would be necessary to examine the whole group for the claim on market economy treatment. The detailed examination has been done with reference to two companies whose material has been exported to India besides the Group Company and Trade Company. The claim has been examined in accordance with the Annexure I of Anti Dumping Rules.

63. The Authority verified the shareholding pattern from the records of Industry & Commerce Administration Bureau. It was found that the shareholding pattern claimed by the applicants is the same as the records kept by the government, Industry & Commerce Administration Bureau.

Selling Price

64. The issue of selling price determination has been examined and it was also examined whether there is any direct or indirect fixation of price by the State or provincial government. It has been verified that the company is free to sell its product at the price determined by the company. The price is determined

considering cost of production and market forces. No evidence of possible role of State in determination of price could be found. It is found the there is significant variation in prices depends upon customer, volume, type of product involved etc.

Costs

65. It was verified how the cost of production for the product is determined. It has been examined whether company maintain proper records for various costs which are necessary to determine the cost of production.

66. It has been seen that all companies of the group maintain detailed information on cost of production for different type and size of product. The cost of production is determined having regard to principles of cost accounting which appeared reasonable and sufficient considering the nature of product and the production process. The company maintains actual cost. Further cost of production varies from month to month due to movement in prices of raw material, utilities and other factors.

67. With regards to inputs, it was seen that the raw materials are sourced from market. Invoices for raw material purchase, identity of raw material suppliers, the price at which the materials were procured and variations in the prices from supplier to suppliers were examined. It is noted that the company is sourcing raw materials from the open market from private individual suppliers. The company does not have any long-term contract with regard to any raw material supplier. Further, material is being sourced from a number of suppliers, including for sand, chemicals, packing material etc. During the verification, it was found that the company has maintained wider choice of raw material suppliers and is making efforts to get better prices.

68. It was observed that prices of the raw materials are determined based on type of raw material, time of purchase, market demand, supply etc. It was found that the company has paid higher prices for sand during rainy season when the supply of sand is short. Business licenses of suppliers, commercial invoices, payment evidence etc. were verified

69. With regards to electricity, it was found that the all companies in the group are sourcing electric from market. No evidence of any possible preferential treatment being given to any of the group company, directly or indirectly, was found. A number of invoices towards expenses incurred on account of electricity were examined. During the verification, it was seen that the price charged by the supplier is different in different time legs like for peak hours, price per unit is higher than non-peak hours. Average power price paid by the plant was about **** per unit. It did not appear that the power price was significantly different than prevailing market values.

Technology and plant & equipment

70. It was seen that the technology for production of the product under consideration is well known in China, given significant ties production in China and a very large number of tiles producers (about 3000 ceramic plants according to the applicants) in the Country. It was seen that the company possessed requisite technology to produce the product. It has been seen that the plant & equipment and technology has been purchased from the market on market price. Press and Kiln are major machinery for production of tiles. Press has been sourced from international market and kiln has been sourced from domestic supplier i.e. Keda. Invoices relating to plant and equipment were verified.

Labour

71. Employment and dismissal policy of the company and direct or indirect control of the government / state was examined in detail. The employment and dismissal procedure of the companies were verified in detail. It was found that company appoints employee as per its requirements relating to production and sales of tiles. The companies are free to appoint labour and personnel as per its requirement and as per its own laid down policy without any direct or indirect interference of the State. It is found that the wages paid by the company are significantly high.

Output and Production

72. It was examined whether there is any control or interference by the government relating to production. It was found that the companies produce the product as per market demand and supply requirement. It has been shown that the company produces various sizes and series in various plants as per demand and supply in the market. It has been seen that there is no control over production by the State. The company can increase the capacity and production as per requirement and market situation. The company is free to produce any size and type as per requirement and there is no direction or control of the government.

Sales – Volume

73. It was examined whether the company is free to sell the product in desired volume in the market at price the company can fetch in the market or there was any direct or indirect, explicit or implicit government interference in this regard. It was found that the company sells its product in the market at its own price and there is no control of State or provincial government in this regard. The company is selling product in the domestic market to various customers as per market forces and there is no role of state or provincial government. Further analysis has been done with regard to various types of tiles sold. It was seen that the company is selling various types of tiles as per market demand. Analysis of Appendix 1 for the product under consideration shows that the company is selling the product concerned in the domestic market to various customers as per market forces and there is no role of state or provincial government. Further analysis has been done with regard to each

size. It was seen that the company is selling various sizes and series of product concerned as per demand.

Investment

74. The source of investment made by the shareholders was examined. It was verified that **** is the first person who invested funds and took over the first company. It was noted that while purchasing first company in 1998 in **** million RMB, **** % payment was made and remaining amount was taken over as various liabilities. Funds for remaining companies were arranged by the Group company, which was financed by the internal sources as also loans from banks. Various loans taken by the applicants were verified. It was found that the group is taking loans from banks regularly on market rate from various banks and the same are being repaid.

Other parameters

Depreciation of assets

75. Depreciation accounting of the company was verified in detail. It was found that the company is depreciating its assets in line with the prevailing accounting practices. Depreciation is being charged in the books as per policy and it is being applied consistently. The company is charging depreciation on all assets booked in the accounts. Depreciation is found to be a part of cost of production.

Write offs

76. It is found that the company follows write off policy for damaged assets and bad debts.

Barter trade

77. No evidence of any type of barter trade was found during the course of the verification. The books of accounts of the company also did not show any indication of barter trade.

Payment via compensation of debts

78. No evidence of payment via compensation of debts was found. The books of accounts of the company also did not show any indication of payment via compensation of debts.

Bankruptcy and property law

79. It was seen that bankruptcy law of China and property law of China are applicable on the applicants. No evidence of any violation of these laws found during the course of the verification.

80. It was verified whether exchange conversions were at market rate – both for purchases and sales. It was noted that the company is getting exchange rate as per market price. This is true for both purchase and sales. The company does not getting any preferential rates for foreign exchange.

Operating structure of the company

81. It was seen how the various group entities in general and following entities in particular operate.

- (1) Guangdong Newpearl Ceramic Group Company Limited.
- (2) Foshan Shanshui Huiwanjia Ceramic Company Limited.
- (3) Foshan Summit Ceramic Co. Limited.
- (4) Foshan Newpearl Trade Co Ltd.

82. It was seen that Guangdong Newpearl Ceramic Group Company Limited is controlling the entire operations of the group, including production planning & control, marketing, personnel, administration, finance, materials, etc. At the plants, it was found that even though the location had plants of Huiwanjia and Sanshui Building, the location more prominently displayed "Newpearl Ceramic Group Company". Newpearl Group controls functions of all the group companies. The company is found to have kept no distinction between different plants. Even though these were separate legal entities, there appeared no operational distinction and dividing lines between the different entities. These were highly intermingled and merged into the activities of the Group Company. Even though Newpearl Trade is responsible for exports of the product, it was found that practically all export marketing was being controlled and managed by Newpearl Group. In fact, it appeared that the role of Newpearl Trade was more in orders execution. Negotiations with the customers, visits to customers, order finalizations, etc. are all being done by Newpearl Group. Ms. ****, for example, an employee of Newpearl Group was found responsible for global marketing of the product. In fact, various group companies are sharing infrastructure of Newpearl Group. None other company of the group is having license and custom registration for export of subject goods and therefore, not involved in sale of product other than China PR. However, the business is being done by Newpearl Group.

83. Foshan Shanshui Huiwanjia Ceramic Company Limited and Foshan Summit Ceramic Co. Limited are the plants producing product concerned whose material has been exported to India in the investigation period. Even though these plants are also directly selling the product in the domestic market of China, it was

found that even these sales were being controlled by Newpearl Group in as much as prices and volumes were being controlled and managed by Newpearl Group. It was found these entities are having their own marketing network and manpower. However, the same is within the overall direction, superintendence and control of Newpearl Group.

84. It was thus found that Guangdong Newpearl Ceramic Group Company is the controlling company of the group. Other entities of the group are owned by Guangdong Newpearl Ceramic Group Company along with Mr. **** or his family members or owned directly by **** or his family members. Mr. **** and his family are having ****% shares of group company. Therefore, group company is having controlling stake in all the companies – either directly or indirectly. Practically also, group company appears to control other companies with regard to day to day functioning of all aspects related to production and sale.

85. It is noted that the Group company is also undertaking significant sales of the goods produced by various plants of the group. Group company is involved in sales in a big way. The company purchases material from various plants of the group keeps stock and sell the same in the market as per demand. There is no back to back sale.

NORMAL VALUE

86. For the purpose of determination of normal value and dumping margin, the Authority has considered responses filed by the following entities –

- (1) Guangdong Newpearl Ceramic Group Company Limited.
 - Foshan Shanshui Huiwanjia Ceramic Company Limited.
 - Foshan Summit Ceramic Co. Limited.
- (2) Foshan Newpearl Trade Co Ltd.

87. During the investigation period, material exported to India was produced by Foshan Shanshui Huiwanjia Ceramic Company Limited and Foshan Summit Ceramic Co. Limited. Material has been physically exported from factory of plant concerned to India. No stock and sell operations of M/s. Foshan Newpearl Trade Company Limited were noticed. The response filed for Group Company includes complete information of Guangdong Newpearl Ceramic Group Company Limited, alongwith Foshan Summit Ceramic Co. Limited, and Foshan Shanshui Huiwanjia Ceramic Company Limited. Separate response has been filed for Trade Company. Same approach has been taken in market economy status claim response also. Group company is controlling company of the group. While Trade Company gets the order, it is Group Company who manages the production and availability of the product to be dispatched. The group company draws production plan of various companies of the group based on demand supply.

88. Appendix 1 of Group Company included complete sales made by the Group Company in the domestic market. The information was provided for the product under consideration only. However, the company was directed to provide details of all sales made in the domestic market, including information with regard to other products. The information was seen for each invoice raised by the company. It was found that the sales as per sales listing reconciled with total sales of the company as per income statement

89. For each of the sales transaction, the plant whose product was sold by the company have been identified. It has been noted that Foshan Summit Ceramic Co. Limited, and Foshan Shanshui Huiwanjia Ceramic Company Limited are involved in production of product concerned, which was exported to India during the period of investigation. These plants have also provided transaction wise sales listing as part of their questionnaire response. Sales listing given by these plants in Appendix 1 thus pertains to product concerned only.

Cost of production

90. The two plants furnished total cost of product concerned for individual type of product. The product is produced in various types and sizes. Month wise cost of production for each size is prepared considering the size module and series module. It was seen that all plants in the group maintain cost of production of each type, size, series of product concerned on regular basis as per actual expense incurred. Further cost of production varies from month to month basis due to movement in prices of raw material, utilities and other factors. Selling General and Administration expenses has been added to the cost of production so determined as per income statement of the plant. The cost of production so determined was used for establishing whether sales in the home market were in the ordinary course of trade.

91. The applicant provided cost of production statement only for the two plants whose goods were exported to India. It was however found that the Group Company had sold goods produced by all the plants. Therefore, the Authority directed the applicants to provide cost of production statement for all the plants where the subject goods were being produced. The applicants provided cost of production statement for all the plants. It was found that the cost of production of the other plants were also prepared on the same basis as was adopted for the two plants. The cost of production of other plants were also verified, following the same procedure as was adopted for the first two plants.

92. Under section 9A (1) (c), normal value in relation to an article means :-

- (i) the comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or

(ii) when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either-

(a) comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or

(b) the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6);

93. In their response to the questionnaire, applicants had filed information in the prescribed questionnaire. Detailed information regarding entire domestic sales to affiliated and non affiliated parties not only for product concern but also for non product concern has been provided by Newpearl Group. Normal value as per section 9 (A) (1) (C) means comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country. The applicant has also provided information regarding cost of production including breakup for each size/type produced and sold in the investigation period not only for the related companies, whose material has been exported in the investigation period, but also for other related companies, who produce product concern, though, exported material was not produced by them.

94. Transaction-wise sales detail furnished in Appendix 1 has been verified by the Authority from their records during the on spot verification. First, it was determined whether the producer is having significant domestic sales. After examination, it was determined that the producer has significant representative quantity of domestic sales. It was then determined whether sufficient sales made were in the ordinary course of sales by comparing per unit selling price for each transaction with per unit cost of production. It is noted that the product under consideration has been sold profitably in the domestic market by the applicant during the POI. The normal value based on domestic sales has been determined considering sales above per unit cost after applying 80-20 test.

95. For all modals exported to India, it was found that there was sufficient sales in the domestic market and accordingly normal value for all the modals exported to India has been determined considering sales in the domestic market.

96. Normal value so determined comes as under:

Size	Series	Normal Value SQM/RMB
1000X1000	Snow White	****

300X300	Pure Colour	****
330X330	Glazed Porcelain	****
600X300	Glazed Porcelain	****
600X600	Glazed Porcelain	****
600X600	Normal Print	****
600X600	Snow White	****

EXPORT PRICE:

97. In response to the questionnaire, the exporter has furnished invoice-wise/size-wise details of exports made to India during the period of investigation in Appendix-2. The exporter has also furnished copies of invoices in support of the same. Adjustment as claimed by the exporter in Appendix-3 have been considered based on verified data and are proposed to be allowed to arrive at the ex-factory export price to India. The exports to India are made by Newpearl Trade who finally exported the subject goods to India. In this regard the invoices pertaining to Newpearl Trade to Indian customers were verified and reconciled along with the adjustments claimed by them. Details regarding their claim of adjustments were verified during the course of verification from the records maintained by the company. Export price has been determined separately for each type of tile exported to India. The export price accordingly comes as under:

		Ex-factory EP
1000X1000	Snow White	****
300X300	Pure Colour	****
330X330	Glazed Porcelain	****
600X300	Glazed Porcelain	****
600X600	Glazed Porcelain	****
600X600	Normal Print	****
600X600	Snow White	****

98. Considering the normal value and export price as determined above, dumping margin for each size and type has been determined as below.

Exports and Dumping Margin

<u>Exports</u>					
----------------	--	--	--	--	--

		Ex-facto	Normal	Dumping	DM Value
		EP	Value	Margin	
1000X1000	Snow White	*****	*****	*****	*****
300X300	Pure Colour	*****	*****	*****	*****
330X330	Glazed Porcelain	*****	*****	*****	*****
600X300	Glazed Porcelain	*****	*****	*****	*****
600X600	Glazed Porcelain	*****	*****	*****	*****
600X600	Normal Print	*****	*****	*****	*****
600X600	Snow White	*****	*****	*****	*****
		*****	*****	*****	*****
					(9.09)

Dumping Margin % = (9.09) (Negative)

DUMPING MARGIN:

99. Considering the normal value and export price as determined above, dumping margins for different sizes/ models /types of vitrified/porcelain tiles are separately determined. It has been found that the exporter has exported the subject above its Normal Value and hence the weighted average dumping margin has been determined as negative.

F. Final Findings and Recommendations of the Authority

100. After considering the foregoing the Authority concludes that

- i) The Export price of Vitrified/porcelain Tiles exported to India by M/s Foshan Newpearl Trade Co Ltd and produced by two related companies i.e M/s Foshan Shanshui Huiwanjia Ceramic Company Limited and M/s Foshan Summit Ceramic Co. Limited of M/s Guangdong Newpearl Ceramic Group Company Limited, is more than the its normal value.
- (ii) The exports have not been made at dumping prices and the dumping margin determined is negative.
- (iii) The Authority, therefore, recommends that no anti dumping duty be imposed on imports of Vitrified/porcelain Tiles falling under Chapter

69 of the Custom Tariff Act, 1975 produced by two related companies i.e M/s Foshan Shanshui Huiwanjia Ceramic Company Limited and M/s Foshan Summit Ceramic Co. Limited of M/s Guangdong Newpearl Ceramic Group Company Limited and exported by M/s. Foshan Newpearl Trade Co Ltd, Foshan, China PR.

101. An appeal against this order shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Act.

R. GOPALAN, Designated Authority